RNI : PBHIN/25/A4135

सत्ता संदेश

साप्ताहिक

सम्पादक : जितेंद्र कुमार
Website : www.sattasandesh.com
YouTube : @sattasandesh25
The Power of Print...

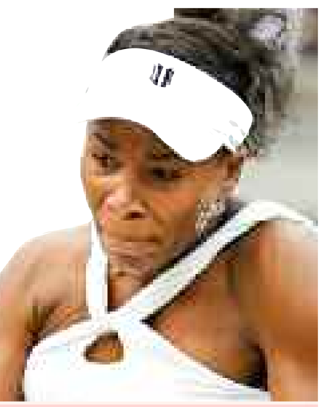

मलाइका अरोड़ा की दूसरी शादी पर 6

वर्ष :2 अंक : 1 5 जनवरी : 2026 मूल्य रु. 5.00 /- पृष्ठ : 8 Email : sattasandesh25@ gmail.com

45 की उम्र में नया इतिहास रचेंगी वीनस 8

आज का इतिहास

विश्व ब्रेल दिवस

आज ही के दिन 'ब्रेल लिपि' के आविष्कारक लुई ब्रेल का जन्म हुआ था। यह दिन दृष्टिबाधित लोगों के अधिकारों और उनकी शिक्षा के लिए मनाया जाता है। 1821 में लुई की मुलाकात फ्रांसीसी सेना के कैप्टन चार्ल्स बार्बियर से हुई। बार्बियर ने 'नाइट राइटिंग' नाम की एक प्रणाली बनाई थी, जिससे सैनिक अंधेरे में 12 बिंदुओं के कोड को छूकर संदेश पढ़ सकते थे। 12 बिंदुओं वाली वह प्रणाली बहुत जटिल थी। लुई ने इसमें सुधार किया और मात्र 15-16 साल की उम्र में 6 बिंदुओं वाली अपनी सरल लिपि तैयार की।इस लिपि में 6 बिंदुओं के विभिन्न संयोजनों से 64 अक्षर, संख्याएँ और संगीत के संकेत भी लिखे जा सकते हैं।

आतंकवाद परोसने वालों को कैसे जवाब देना है, यह हम तय करेंगे

चेन्नई- विदेश मंत्री डा. एस जयशंकर ने पाकिस्तान का नाम लिए बगैर शुक्रवार को कहा कि दुर्भाग्य से हमारे पास बुरे पड़ोसी भी हैं। अगर कोई देश फैसला करता है कि वह जानबूझकर, लगातार और पश्चाताप के बगैर आतंकवाद बढ़ाना जारी रखेगा, तो हमारे पास आतंकवाद के खिलाफ अपने लोगों की रक्षा करने का अधिकार है और हम इस अधिकार का इस्तेमाल कैसे करेंगे, यह हम तय करेंगे।

भारत ने नागरिकों को वेनेजुएला की गैर-आवश्यक यात्रा से बचने की दी सलाह

नई दिल्ली – भारत सरकार ने मौजूदा हालात को देखते हुए अपने नागरिकों को वेनेजुएला की गैर-आवश्यक यात्रा से बचने की सलाह दी है। विदेश मंत्रालय ने यह परामर्श वहां की राजनीतिक और सुरक्षा स्थिति में बढ़े तनाव के मद्देनजर जारी किया। परामर्श में कहा गया है कि निकोलस मादुरो से जुड़े हालिया घटनाक्रम, विशेषकर अमेरिका द्वारा की गई कार्रवाइयों के बाद हालात अस्थिर हो सकते हैं। मंत्रालय ने वेनेजुएला में रह रहे भारतीय नागरिकों से सतर्क रहने, स्थानीय निर्देशों का पालन करने और भारतीय दूतावास के संपर्क में रहने को कहा है। आपात स्थिति में सहायता के लिए दूतावास के हेल्पलाइन नंबरों पर संपर्क करने की भी सलाह दी गई है।

हाथों में हथकड़ी, आंखों पर पट्टी

अमेरिकी हिरासत में वेनेजुएला के राष्ट्रपति मादुरो

नई दिल्ली- वेनेजुएला की राजनीति में उस समय बड़ा भूचाल आ गया, जब अमेरिका ने राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को हिरासत में लेने का दावा किया। अमेरिकी प्रशासन के अनुसार, विशेष सैन्य अभियान के तहत मादुरो को उनकी पत्नी समेत बेडरूम से बाहर निकाला गया और गिरफ्तार कर लिया गया। बताया जा रहा है कि इस ऑपरेशन में करीब 150 विमानों और बड़ी संख्या में सैन्य बलों को शामिल किया गया। सोशल मीडिया पर सामने आई तस्वीरों में मादुरो के हाथों में हथकड़ी और आंखों पर काली पट्टी दिखाई दे रही है। यह तस्वीरें सामने आते ही अंतरराष्ट्रीय राजनीति में हलचल मच गई। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि यह कार्रवाई वेनेजुएला की मौजूदा नीतियों और वहां से अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा को पैदा हो रहे खतरे के मद्देनज़र की गई है। अमेरिका का आरोप है कि वेनेजुएला मादक पदार्थों की तस्करी और संगठित अपराध का बड़ा केंद्र बनता जा रहा था।

मादुरो की गिरफ्तारी क्यों?

- अमेरिका का दावा है कि वेनेजुएला की सरकार अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बन चुकी थी।
- वहां से अमेरिका विरोधी गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा था।
- ड्रग्स तस्करी, कोकीन और फेंटेनाइल जैसे खतरनाक नशीले पदार्थों की सप्लाई का आरोप।
- मादुरो की नीतियों के कारण लाखों वेनेजुएलाई नागरिक देश छोड़ने को मजबूर हुए।

ट्रंप का बयान

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अब वेनेजुएला पर अमेरिका का सीधा नियंत्रण होगा और वहां हालात सुधरने तक कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने दावा किया कि मादुरो और उनकी पत्नी को सुरक्षित हिरासत में लिया गया है।

वेनेजुएला पर हमला और खलबली चीन में मची

अमेरिकी सेना की ओर से वेनेजुएला में सीधे सैन्य कार्रवाई और राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी ने दुनिया को हिला दिया है. यह सिर्फ एक सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि विशेषज्ञों के मुताबिक यह कदम चीन

बाकी पन्ना नम्बर 2 पर

मनाली में टूटा तीन साल का रिकार्ड, सैलानियों की महाभीड़

कुल्लू- देश-दुनिया में पर्यटन की दृष्टि से अपनी अलग सी पहचान बनाए रखने वाले जिला कुल्लू में पूरे दिसंबर 2025 और न्यू ईयर-2026 के तीन दिनों में पर्यटकों के आगमन का रिकॉर्ड टूट गया है। बिना बर्फ के भी यहां पर भारी संख्या में पर्यटक पहुंचे और यहां की ठंडी वादियों का लुत्फ उठाया। जिला कुल्लू में दिसंबर और न्यू ईयर के एक-दो दिनों के भीतर लाखों सैलानियों ने प्रवेश किया है। पर्यटकों की भीड़ से जिला कुल्लू के मनाली, मणिकर्ण, बंजार के जिभी आदि पर्यटन स्थलों के पर्यटन कारोबारियों के चेहरे भी खिले। अच्छा कारोबार हुआ। लिहाजा, पर्यटकों के आगमन से धरती की जन्नत गुलजार हुई। पर्यटन विभाग के अनुसार पिछले 2024 दिसंबर महीने के अपेक्षा इस बार दिसंबर 2025 और एक-दो जनवरी 2026 में ज्यादा पर्यटक यहां की वादियों में पहुंचे हैं। यहां की वादियों में इस बार काफी संख्या में सैलानी पहुंच रहे हैं।

कंगाल पाकिस्तान ने रोका खिलाड़ियों का वेतन

नई दिल्ली- पाकि हॉकी टीम के सीनियर खिलाड़ियों ने वेतन और दैनिक भत्ते के भुगतान में देरी का आरोप लगाया है। खिलाड़ियों ने चेतावनी दी है कि यदि वित्तीय समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो वे फरवरी में होने वाली एफआईएच प्रो लीग में हिस्सा नहीं लेंगे। इस संबंध में पाकि हॉकी महासंघ को औपचारिक संदेश भेजा गया है। खिलाड़ियों का कहना है कि बार-बार आश्वासन के बावजूद बकाया भुगतान नहीं हुआ, जिससे टीम का मनोबल गिरा है और तैयारियों पर भी असर पड़ रहा है।

केंद्र का एक्स को नोटिस

ग्रोक से आपत्तिजनक कंटेंट तुरंत हटाने के निर्देश

नई दिल्ली- भारत सरकार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व ट्विटर) को कड़ा नोटिस जारी करते हुए एआई-जनित अश्लील और आपत्तिजनक सामग्री पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। सरकार ने स्पष्ट किया है कि प्लेटफॉर्म पर मौजूद ऐसे कंटेंट को तुरंत हटाया जाए और इस संबंध में एक्शन टेकन रिपोर्ट (ATR) प्रस्तुत की जाए।

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने कहा है कि 'ग्रोक' जैसे एआई टूल्स के जरिए तैयार की जा रही आपत्तिजनक सामग्री को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यदि एक्स ने आदेशों का पालन नहीं किया, तो आईटी अधिनियम और अन्य भारतीय कानूनों के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सरकारी सूत्रों के अनुसार, हाल के मामलों में यह सामने आया है कि एआई तकनीक का दुरुपयोग कर महिलाओं की फर्जी, अश्लील और आपत्तिजनक तस्वीरें व वीडियो तैयार किए जा रहे हैं, जो गंभीर सामाजिक चिंता का विषय है।

महिलाओं को निशाना बनाने पर सख्त रुख

कांग्रेस सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने इस मुद्दे पर केंद्र सरकार से हस्तक्षेप की मांग की थी। उन्होंने केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री को पत्र लिखकर डीपफेक और एआई-जनित कंटेंट के जरिए महिलाओं को बदनाम करने के मामलों पर चिंता जताई थी। उन्होंने कहा कि इस तरह की सामग्री न केवल महिलाओं की गरिमा और गोपनीयता पर हमला है, बल्कि यह एक सुनियोजित सामाजिक साजिश का रूप ले रही है।

बाकी पन्ना नम्बर 2 पर

कनाडा में भारतीयों पर गहराया संकट, लाखों वीजा हो रहे खत्म

टोरंटो - कनाडा में आने वाले समय में अवैध रूप से रहने वाले लोगों की संख्या में भारी बढ़ोतरी होने की आशंका जताई जा रही है। इमीग्रेशन से जुड़े विशेषज्ञों का कहना है कि इनमें बड़ी संख्या भारतीय नागरिकों की हो सकती है। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि कनाडा में लाखों लोगों के वर्क परमिट और स्टडी परमिट की समय-सीमा समाप्त होने वाली है, जबकि नए वीजा या स्थायी निवास (PR) के नियम पहले से ज्यादा सख्त हो चुके हैं। आव्रजन, शरणार्थी और नागरिकता मंत्रालय (IRCC) के आंकड़ों के आधार पर इमीग्रेशन सलाहकार कंवर सेराह ने बताया कि साल 2025 के अंत तक करीब 10 लाख 53 हजार वर्क परमिट की अवधि खत्म हो चुकी होगी। इसके अलावा साल 2026 में लगभग 9 लाख 27 हजार और वर्क परमिट समाप्त होने वाले हैं। ऐसे में लाखों लोगों का कानूनी दर्जा खतरे में पड़ सकता है। जैसे ही किसी व्यक्ति का वर्क परमिट खत्म होता है, उसकी कानूनी स्थिति अपने आप समाप्त हो जाती है, जब तक कि वह कोई नया वीजा न ले ले या स्थायी निवासी न बन जाए। लेकिन कनाडा सरकार ने अस्थायी श्रमिकों और अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए इमीग्रेशन नियम लगातार सख्त कर दिए हैं, जिससे नए विकल्प बहुत सीमित हो गए हैं।

ईरान में आर्थिक संकट पर भड़का जनआक्रोश

हिंसक प्रदर्शनों में सात की मौत

ईरान - ईरान में खराब होती अर्थव्यवस्था के खिलाफ जनता का गुस्सा सड़कों पर फूट पड़ा है। गुरुवार को राजधानी से बाहर फैले इन विरोध प्रदर्शनों के दौरान सुरक्षा बलों और प्रदर्शनकारियों के बीच हुई झड़पों में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की है। इन घटनाओं से संकेत मिलते हैं कि सरकार आंदोलन को सख्ती से दबाने के मूड में है, जबकि प्रदर्शनकारी पीछे हटने को तैयार नहीं हैं। राजधानी तेहरान में प्रदर्शन अपेक्षाकृत धीमे जरूर पड़े हैं, लेकिन देश के अन्य हिस्सों में असंतोष और तेज होता जा रहा है।

पंजाब के इतिहास में पहली बार चार सालों में 61,000 से अधिक युवाओं को मिली सरकारी नौकरी

चंडीगढ़- 'मिशन रोज़गार' के तहत आज मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की ओर से शिक्षा विभाग के 606 उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र देने के साथ पंजाब में पहली बार चार सालों में युवाओं को 61,000 से अधिक सरकारी नौकरियां मिलने का नया रिकॉर्ड स्थापित हुआ है। नव-नियुक्त उम्मीदवारों में 385 स्पेशल एजूकेटर टीचर, 157 प्राइमरी टीचर, 8 प्रिंसिपल तथा तरस के आधार पर भर्ती हुए 56 कर्मचारी शामिल हैं।

आज यहां टैगोर थिएटर में शिक्षा विभाग के 606 उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र सौंपने के अवसर पर नए साल की बधाई देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह हम सभी के लिए गर्व की बात है कि सभी नौकरियां पूरी तरह मेरिट और पारदर्शी तरीके से दी गई हैं तथा कभी भी किसी नियुक्ति को अदालती चुनौती का सामना नहीं करना पड़ा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने अप्रैल 2022 से सरकारी नौकरियां देने के लिए भर्ती अभियान शुरू कर दिया था और अब तक 61,281 सरकारी नौकरियां दी जा चुकी हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाबियों को आज भी वह समय याद है जब युवा नियुक्ति पत्र की आस में सालों-साल डाकिए का इंतज़ार करते रहते थे, लेकिन अब वह दौर खत्म हो गया। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार युवाओं को खुद नियुक्ति पत्र बांटकर सम्मान दे रही है। भगवंत सिंह मान ने कहा, ÷पिछली सरकारों ने योग्यता और क्षमता की कद्र नहीं की, बल्कि इन सरकारों ने अपने पुत्र-भतीजों और चहेतों को रेवड़ियों की तरह नौकरियां बांटीं। इन सरकारों ने योग्यता होने के बावजूद नौकरी की प्रतीक्षा में भटकते युवाओं का दुःख-दर्द नहीं समझा।

गांव वासियों ने उठाए आतंकवादियों से लड़ने के लिए हथियार, महिलाएं भी शामिल

स्थानीय लोगों ने की सराहना....

स्थानीय लोगों ने इस कदम की सराहना की और कहा कि नए प्रशिक्षण और आधुनिक हथियारों से उनका आत्मविश्वास बढ़ा है। अधिकारियों के अनुसार, यह पहल बहु-स्तरीय सुरक्षा रणनीति का हिस्सा है। इसके तहत प्रशिक्षित ग्रामीण सेना, पुलिस और अर्धसैनिक बलों के साथ मिलकर काम करेंगे।

जम्मू-कश्मीर (सत्ता संदेश)- आतंकवाद के खिलाफ सुरक्षा को और मजबूत करने के लिए भारतीय सेना डोडा जिले में ग्राम रक्षा गार्ड (वी.डी.जी.) को प्रशिक्षण दे रही है। मंगलवार को चिनाब घाटी के ऊपरी इलाकों के 17 दूर-दराज गांवों से आए करीब 150 लोगों को यह प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण में महिलाएं भी शामिल थीं। सेना अधिकारियों ने बताया कि डोडा-चंबा सीमा के पास स्थित गांवों के लोग इस कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं। प्रशिक्षण के दौरान उन्हें हथियार चलाने की बुनियादी जानकारी, बंकर बनाना, आवश्यक सैन्य तकनीकें और आत्मरक्षा के तरीके सिखाए जा रहे हैं। इसका उद्देश्य है कि ये लोग किसी भी आतंकी खतरे का सामना कर सकें और अपने गांव की पहली सुरक्षा पंक्ति बनें। यह प्रशिक्षण भलेसा क्षेत्र की शिंगिनी पंचायत में आयोजित किया गया, जो डोडा जिला मुख्यालय से लगभग 90 किलोमीटर दूर स्थित है। अधिकारियों के अनुसार, यह इलाका घने जंगलों और पहाड़ियों से घिरा हुआ है, इसलिए यहां सुरक्षा बल लगातार निगरानी और तलाशी अभियान चलाते रहते हैं। वी.डी.जी. सदस्यों को अब पुरानी .303 राइफलों के स्थान पर नई सेल्फ-लोडिंग राइफलें (एस.एल.आर.) दी गई हैं, जिससे वे सुरक्षा व्यवस्था में अधिक प्रभावी भूमिका निभा सकें। इसका उद्देश्य न केवल गांवों की सुरक्षा को मजबूत करना है, बल्कि लोगों में जिम्मेदारी और आत्मनिर्भरता की भावना भी विकसित करना है, ताकि दूर-दराज इलाकों में आतंकियों को किसी भी प्रकार की मदद न मिल सके।

लाल किला ब्लास्ट केस में शोपियां-पुलवामा में एनआईए की छापामारी

श्रीनगर- दिल्ली के लाल किले के पास 10 नवंबर को हुए धमाके के मामले में एनआईए ने जांच तेज करते हुए शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर के दक्षिणी हिस्सों में व्यापक तलाशी अभियान चलाया। एनआईए की टीमों ने शोपियां और पुलवामा जिलों में कई ठिकानों पर छापामारी की। रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारियों ने बताया कि यह सर्च ऑपरेशन दिल्ली में हुए रेड फोर्ट ब्लास्ट केस की जांच के तहत किया गया। एनआईए की टीमों को इस दौरान स्थानीय पुलिस और सीआरपीएफ का सहयोग भी मिला। तलाशी अभियान के दौरान एजेंसी एक आरोपी यासिर अहमद डार को भी अपने साथ लेकर पहुंची थी, जिसे हाल ही में इस मामले में गिरफ्तार किया गया है।

328 पावन स्वरूप मामले में एसआईटी की बड़ी कार्रवाई

सतिंदर कोहली के 15 ठिकानों पर की छापेमारी

चंडीगढ़, (सत्ता संदेश)- अमृतसर में श्री गुरु ग्रंथ साहिब के 328 पावन स्वरूपों के गायब होने के मामले में पंजाब पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। बता दें कि पुलिस कमिश्नर अमृतसर, गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि इस मामले में आरोपी व्यक्तियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। इस मामले की निष्पक्ष और गहन जांच के लिए एक विशेष जांच टीम (एसआईटी) का गठन किया गया है। पुलिस कमिश्नर ने कहा कि अदालत से सभी नामजद आरोपियों के लिए तलाशी वारंट प्राप्त कर लिए गए हैं। इसी के तहत आज पंजाब और चंडीगढ़ में कुल 15 स्थानों पर एक साथ छापेमारी की जा रही है। इन छापेमारियों में बीते दिनों गिरफ्तार किए गए सतिंदर सिंह कोहली के चंडीगढ़ स्थित ठिकाने भी शामिल हैं। इसके अलावा अमृतसर शहर में आठ स्थान और गुरदासपुर व रोपड़ जिले के अन्य इलाके भी जांच में शामिल हैं।

हरियाणा की लिंग अनुपात में लंबी छलांग

साल 2025 में 7480 बेटियों को कोख में मरने से बचाया

चंडीगढ़ (सत्ता संदेश)-हरियाणा ने लिंगानुपात में लंबी छलांग लगाई है। साल 2025 में हरियाणा का लिंगानुपात 923 रिकॉर्ड किया गया है। साल 2024 में लिंगानुपात 910 रिकॉर्ड किया गया था, ऐसे में आठ साल में सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गई थी। यह मौका हरियाणा की स्थापना होने के बाद दूसरी बार आया है जब लिंगानुपात 923 दर्ज किया गया है। इससे पहले 2019 में भी 923 का आंकड़ा रिकॉर्ड किया गया था। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक इस साल 7480 बेटियों को कोख में मरने से बचा लिया गया है। 2015 से लेकर अब तक 65,704 बेटियों को बचाया गया है। लिंगानुपात में सबसे बेहतर प्रदर्शन पंचकूला का रहा जहां लिंगानुपात 971 दर्ज किया गया, जबकि 2025 में 915 था। यानी 56 अंकों की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। बेटी पढ़ाओ-बेटी बचाओ के कंसलटेंट जीएल सिंघल ने बताया कि यह एक बड़ी कामयाबी है और यह सब टीम वर्क की वजह से ही संभव हो सका है। इस अभियान के लिए राज्य सरकार ने पहली बार स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) गठित की। एस.टी.एफ. ने हर उन बिंदुओं पर शिकंजा कसा, जो लिंगानुपात को गिराने में अहम कड़ी साबित हो रही थी। स्वास्थ्य विभाग के ए.सी.एस .सुधीर राजपाल के नेतृत्व में गठित एस.टी.एफ. में स्वास्थ्य, महिला व बाल विकास, पुलिस, अभियोजन, चिकित्सा विभाग के अधिकारी शामिल थे।

स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक 2024 में एक भी जिले का लिंगानुपात 950 से ऊपर नहीं था। पिछले साल यमुनानगर का सबसे उच्च स्तर पर 939 था, जबकि इस बार तीन जिलों का लिंगानुपात 950 से ज्यादा गया है। इसमें पंचकूला का 971, फतेहाबाद का 961 और पानीपत का 951 है।

पंजाब के स्कूलों में सर्दियों की छुट्टियां बढने की संभावना!

चंडीगढ़ (सत्ता संदेश)-पंजाब- पिछले कई दिनों से पंजाब में पड़ रही कड़ाके की ठंड के मद्देनजर पंजाब सरकार की ओर से स्कूलों में 1 जनवरी तक सर्दियों की छुट्टियों का ऐलान किया गया है। हालांकि, मौजूदा मौसम के हालातों को देखते हुए यह अनुमान लगाए जा रहे हैं कि अगर ठंड और ज्यादा बढ़ती है तो स्कूलों की छुट्टियों में और वृद्धि की जा सकती है। राज्य में गिरते तापमान और ठंडी हवाओं के चलते बच्चों को स्कूल भेजना मुश्किल होता जा रहा है। इसी वजह से पंजाब में बच्चे, अभिभावक और शिक्षक सर्दियों की छुट्टियां बढने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इसके साथ ही बढ़ता वायु प्रदूषण और खराब एयर क्वालिटी इंडेक्स भी बच्चों की सेहत के लिए चिंता का विषय बना हुआ है, वहीं, पड़ोसी राज्य हरियाणा में सरकार ने स्कूलों की सर्दियों की छुट्टियां 1 जनवरी से आगामी 15 जनवरी, 2026 तक घोषित कर दी हैं, जिससे पंजाब में भी छुट्टियां बढ़ाने की मांग तेज हो गई है। फिलहाल पंजाब सरकार की ओर से छुट्टियों को लेकर कोई नया या आधिकारिक नोटिफिकेशन जारी नहीं किया गया है, लेकिन मौसम की गंभीरता को देखते हुए जल्द ही इस पर फैसला लिया जा सकता है।

SCHOOL HOLIDAYS

डिजीटल युग में संदेश पत्रों व कार्डों की परम्परा खत्म!

नववर्ष और त्योहार अब डिजिटल संदेशों तक सीमित

चंडीगढ़, (सत्ता संदेश)-पुराने समय में पत्रों द्वारा संदेश भेजना सामाजिक जीवन का अहम हिस्सा होता था। लोग त्यौहरों व नववर्ष के अवसर पर हज़ारों की संख्या में अपने सगे-संबंधियों व रिश्तेदारों को शुभकामनाओं वाले कार्ड भेजते थे, परंतु अब यह रुझान लगभग समाप्त होता जा रहा है सोशल मीडिया और तुरंत संदेश सेवाओं ने संचार को तो आसान बना दिया, परंतु इसके साथ पत्रों व कार्डों की परम्परा निचले स्तर पर चली गई है। बदलाव केवल तकनीकी नहीं, बल्कि सामाजिक संबंधों के व्यवहार में आया परिवर्तन है। डिजीटल संदेश तुरंत पहुंच जाते हैं, परंतु वह पत्र या कार्ड वाली भावनात्मक गहराई नहीं रखते। तथ्यों के अनुसार पिछले दशक के दौरान डाक द्वारा भेजे जाने वाले निजी पत्रों और शुभकामनाओं वाले कार्डों में लगातार भारी कमी दर्ज की गई है। जहां पहले नववर्ष पर प्रत्येक घर में दर्जनों कार्ड पहुंचते थे, वहीं अब यह कुछ ही संख्या में कार्डों तक सीमित रह गई है। हालांकि कुछ लोग अभी भी परम्परा से जुड़े हुए हैं और नववर्ष पर कार्ड भेजते हैं, परंतु उनकी संख्या बहुत कम हो गई है। यह लोग मानते हैं कि हाथ से लिखा संदेश अभी भी आपसी विशेष अहमियत रखता है।

ए.ए.आई. की चंडीगढ़ में हवाई अड्डा सुरक्षा उपकरण प्रयोगशाला स्थापित करने की तैयारी

चंडीगढ़ (सत्ता संदेश)-देश भर के हवाई अड्डों पर इस्तेमाल होने वाले उपकरणों को अब हॉलमार्किंग के लिए यूरोप भेजने की जरूरत नहीं होगी। इन उपकरणों पर हॉलमार्किंग करवाने के लिए भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण (ए.ए.आई.) ने चंडीगढ़ स्थित पुराने हवाई अड्डे पर हवाई अड्डा सुरक्षा उपकरण प्रयोगशाला स्थापित करने की तैयारी शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार हवाई अड्डे पर इस्तेमाल होने वाले सुरक्षा उपकरण अभी भारत में ही बनते हैं, लेकिन गुणवत्ता परीक्षण के लिए इन्हें यूरोप भेजा जाता है। इस संबंध में चंडीगढ़ स्थित शहीद भगत सिंह अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के सी.ई.ओ. अजय वर्मा ने बताया कि एक प्रस्ताव तैयार कर नागरिक उड्डयन मंत्रालय को भेजा गया था। अब इस प्रस्ताव को मंत्रालय ने मंजूरी दे दी है। मंजूरी मिलने के बाद जल्द ही इस प्रोजैक्ट पर काम शुरू किया जाएगा।

पंजाब में नए साल से होगा पेपरलैस बिजली कनेक्शन सिस्टम लागू

पटियाला – पंजाब में जनवरी 2026 से बिजली कनेक्शन प्रक्रिया पूरी तरह पेपरलेस कर दी जाएगी। इसके लागू होने से उपभोक्ताओं को बिजली विभाग के दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे और वे घर बैठे ही नया बिजली कनेक्शन लेने की सभी औपचारिकताएं पूरी कर सकेंगे। नए सिस्टम के तहत बिजली कनेक्शन के लिए आवेदन, दस्तावेज़ अपलोड और अन्य प्रक्रियाएं पूरी तरह ऑनलाइन होंगी। पावरकॉम का आईटी विंग इस दिशा में तेजी से काम कर रहा है ताकि अधिक से अधिक उपभोक्ताओं को डिजिटल सेवाओं से जोड़ा जा सके। विभाग का दावा है कि इससे न केवल कामकाज में पारदर्शिता आएगी, बल्कि लोगों का समय और पैसा दोनों की बचत होगी।

गौरतलब है कि पावरकॉम में वर्ष 2015 से एक सीमित डिजिटल सिस्टम लागू था, जो मुख्य रूप से शहरी क्षेत्रों तक ही सीमित था। अब नया बिलिंग और कनेक्शन सिस्टम शहरी क्षेत्रों के साथ-साथ ग्रामीण इलाकों में भी लागू किया जाएगा। इसके बाद सुविधा केंद्रों में होने वाला सारा काम भी पूरी तरह पेपरलेस हो जाएगा। नए सिस्टम के तहत उपभोक्ता घर बैठे ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। जो उपभोक्ता ऑनलाइन आवेदन करने में असमर्थ हैं, वे सुविधा केंद्र जाकर ऑफलाइन आवेदन कर सकेंगे, जहां केंद्र का स्टाफ उनकी एप्लीकेशन को ऑनलाइन सिस्टम में अपलोड करेगा। सुविधा केंद्र के कर्मचारियों के अनुसार, पुराने सिस्टम में नए कनेक्शन की जानकारी देखने और प्रक्रिया पूरी करने में काफी दिक्कतें आती थीं। अब पुराने सिस्टम की जगह नया बिलिंग सिस्टम लागू होने से कामकाज काफी आसान और तेज हो जाएगा। एक और राहत की बात यह है कि नए कनेक्शन के लिए अब केवल तीन दस्तावेज़ों की आवश्यकता होगी–आधार कार्ड, संपत्ति की रजिस्ट्री और चार फोटो। बिजली विभाग के अधिकारियों का कहना है कि इस नई व्यवस्था से भ्रष्टाचार पर अंकुश लगेगा और उपभोक्ताओं को बड़ी राहत मिलेगी।

हथियारबंद लुटेरे शराब के ठेकों से लाखों की नकदी व बोतलें लूट कर हुए फरार

लुधियाना (सत्ता संदेश)-पिछले चार दिनों से हथियारबंद लुटेरे शराब की दुकानों को निशाना बना रहे हैं और पिछले चार दिनों से लुटेरे एक ही कंपनी की चार दुकानों से लाखों की नकदी और शराब की बोतलें लूटकर फरार हो चुके हैं। पुलिस ने अब इस मामले में दुकान के मैनेजर संदीप छीना की शिकायत पर केस दर्ज कर लिया है। ठेकेदार दविंदर कुमार ने बताया कि पिछले चार दिनों से लुटेरे लगातार हलका पश्चिमी के तहत उनके ठेकों में लूटपाट कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि अकेले पिछले चार दिनों में ही इन लुटेरों ने चार ठेकों से लाखों रुपये की नकदी और बोतलें लूट ली हैं। ये लुटेरे हथियारों से लैस होकर अलग-अलग ठेकों पर जाते हैं और इनकी संख्या 8 से 10 के बीच होती है। दुकान पर जाते ही वे वहां मौजूद कर्मचारियों से नकदी की मांग करते हैं। अगर कर्मचारी नकदी नहीं देते हैं, तो वे अपने पास मौजूद हथियार निकाल लेते हैं और जान से मारने की धमकी देकर दराज में रखी नकदी और बोतलें लूटकर फरार हो जाते हैं। पुलिस ने हाल ही में इस मामले में केस दर्ज किया है और जांच की जा रही है, लेकिन पुलिस को इस मामले में कोई सफलता नहीं मिली। पुलिस ने पास के सीसीटीवी कैमरे की फुटेज भी अपने कब्जे में ले ली है ताकि लुटेरों के बारे में सुराग मिल सके।

गांव के सरपंच के घर गुरु महाराज का स्वरूप न जाने देने पर मचा बवाल

लुधियाना -विधानसभा हलका साहनेवाल के अधीन आते थाना मेहरबान के गांव हवास में सरपंच के घर पर गुरु साहिब जी का स्वरूप न जाने देने का विवाद आज भारी तूल पकड़ता जा रहा है। इसके बाद गांव के सरपंच राजवंत सिंह ग्रेवाल द्वारा सिख जथेबंदियों को इस घटना के बारे में जानकारी दी गई। सूचना मिलने के बाद इलाके की सभी सिख जथेबंदियां गांव हवास के गुरुद्वारा साहिब में इकट्ठा हुई और इस घिनौनी हरकत की कड़ी निंदा की गई।

सोशल मीडिया कंपनियों को केंद्र सरकार की सख्त ताडऩा

इलैक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने जारी की एडवाइजरी

चंडीगढ़ (सत्ता संदेश)-सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और डिजिटल कंपनियों को केंद्र सरकार की ओर से जारी चेतावनी में सख्त ताडऩा की गई है कि अगर अश्लील, आपत्तिजनक या बच्चों के यौन शोषण से जुड़ा कंटेंट प्लेटफॉर्म से न हटाया गया तो सख्त कानूनी कार्रवाई हो सकती है।

इलैक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने इस संबंध में 29 दिसंबर, 2025 को एक एडवाइजरी जारी की है। एडवाइजरी में सरकार ने कहा है कि आईटी एक्ट की धारा 79 के तहत सोशल मीडिया कंपनियों को कुछ कानूनी छूट मिलती है, लेकिन यह तभी लागू होती है जब वे गैर-कानूनी कंटेंट पर सही तरीके से कार्रवाई करें। यदि कंपनियां ऐसी सामग्री को नजरअंदाज करती हैं, तो उनकी कानूनी सुरक्षा खत्म हो सकती है और उन पर आईटी एक्ट, आईपीसी और अन्य कानूनों के तहत केस दर्ज किया जा सकता है। मंत्रालय के अनुसार, अगर किसी कंटेंट को लेकर शिकायत मिलती है जिसमें किसी व्यक्ति को यौन गतिविधि से जोड़ा गया हो या उसकी नकल दिखाई गई हो, तो उस कंटेंट को 24 घंटे के भीतर हटाना जरूरी होगा। इसके अलावा कोर्ट या सरकारी एजेंसी के आदेश पर कंटेंट को तुरंत ब्लॉक करना होगा। सरकार ने यह भी कहा है कि कई प्लेटफॉर्म अश्लील और गैर-कानूनी कंटेंट को लेकर पर्याप्त सख्ती नहीं बरत रहे हैं। इसी वजह से सभी डिजिटल कंपनियों को अपने कंटेंट मॉडरेशन सिस्टम, नियमों और प्रक्रियाओं की दोबारा समीक्षा करने के निर्देश दिए गए हैं। मंत्रालय ने साफ किया है कि आईटी नियम 2021 का सख्ती से पालन करना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल बच्चों के लिए हानिकारक कंटेंट फैलाने में न हो।

अब पार्कों, होटलों/मैरिज पैलेसों या व्यवसायिक स्थानों पर नहीं होंगे आनंद कारज-जत्थे. गडग़ज

कहा, एसजीपीसी की अनुमति के बिना सिख इतिहास से संबंधित कोई फिल्म नहीं बनेगी

पावन स्वरूपों से जुड़े मामलों में कोई भी राजनीतिक दल हस्तक्षेप नहीं करेगा

अमृतसर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए अकाल तख्त साहिब के कार्यकारी जत्थेदार कुलदीप सिंह गडग़ज। (छाया-सत्ता संदेश)

चंडीगढ़ (सत्ता संदेश)-अकाल तख्त साहिब पर पांच सिंह साहिबानों की संयुक्त बैठक में कई अहम फैसले लिए गए। वर्ष 2025 की अंतिम बैठक में लिए गए कई फैसले सीधे सिख संगत से जुड़े हुए हैं। सिंह साहिबानों की बैठक के बाद अकाल तख्त साहिब के कार्यकारी जत्थेदार कुलदीप सिंह गडग़ज ने बताया कि सिख धर्म में अब आनंद कारज केवल गुरुद्वारों में ही होगा। पार्कों, होटलों और अन्य खुले या व्यवसायिक स्थानों पर आनंद कारज की पूर्णत: मनाही होगी। गुरु ग्रंथ साहिब जी के पावन स्वरूप को किसी भी विवाह स्थल पर ले जाने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उल्लंघन की स्थिति में पावन स्वरूप प्रदान करने वाले व्यक्ति, आनंद कारज करवाने वाले रागी जत्थे और संबंधित स्थानों के मालिकों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। विशेष तौर पर चंडीगढ़ और आसपास के इलाकों में सामने आ रहे ऐसे मामलों पर भी बैठक में चिंता व्यक्त की गई। सभी ग्रंथी सिंह, रागी जत्थे, प्रबंधक एवं सेवादार इन आदेशों का पूर्ण पालन सुनिश्चित करें।

बैठक में मौजूद तख्त श्री दमदमा साहिब के जत्थेदार सिंह साहिब ज्ञानी टेक सिंह, सचखंड श्री हरिमंदर साहिब के ग्रंथी सिंह साहिब ज्ञानी परविंदरपाल सिंह, सिंह साहिब ज्ञानी केवल सिंह तथा तख्त श्री केसगढ़ साहिब के मुख्य ग्रंथी सिंह साहिब ज्ञानी जुगिंदर सिंह ने एकमत से इन फैसलों पर सहमति जताई और सिख समुदाय से इनके पालन की अपील की। खास फैसला ये रहा कि पावन स्वरूपों से जुड़े मामलों में कोई भी राजनीतिक दल हस्तक्षेप नहीं करेगा। वर्तमान सरकार और सत्ताधारी राजनीतिक दल को चेतावनी दी गई कि यदि सिखों के आंतरिक मामले में हस्तक्षेप बंद नहीं किया गया, तो पंथक परंपराओं के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। बैठक में ए.आई. आधारित वीडियो और आर्टिफिशियल फिल्मों के निर्माण पर यह निर्णय लिया गया है कि धार्मिक विषयों पर इस प्रकार की एआई फिल्में नहीं बनाई जा सकती, क्योंकि इससे सिख मर्यादाओं और परंपराओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। एस.जी.पी.सी. की अनुमति के बिना सिख इतिहास से संबंधित कोई भी फिल्म नहीं बनाई जा सकती। इस फैसले की प्रतियां देश के प्रमुख फिल्म निर्माताओं को भेजी जाएंगी। गडग़ज ने बताया कि शरारती तत्वों द्वारा फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट बनाकर सिखों के विरुद्ध नफरत फैलाई जा रही है, लेकिन पुलिस इन्हें बंद कराने या दोषियों को गिरफ्तार करने में विफल रही है।

केंद्र का एक्स को नोटिस

पन्ना 1 का बाकी हिस्सा

कैसे तैयार किया जाता है आपत्तिजनक कंटेंट- रिपोर्ट्स के मुताबिक, कुछ लोग एक्स पर फर्जी अकाउंट बनाकर महिलाओं की तस्वीरें पोस्ट करते हैं और फिर एआई टूल्स को ऐसे निर्देश (प्रॉम्प्ट) देते हैं, जिनसे तस्वीरों को अश्लील या भ्रामक रूप में बदला जा सके। इस प्रक्रिया में न तो अनुमति ली जाती है और न ही पीड़ित की निजता का कोई ध्यान रखा जाता है। सरकार ने साफ कर दिया है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म्स की जिम्मेदारी है कि वे इस तरह की सामग्री पर प्रभावी रोक लगाएं और उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करें।

हाथों में हथकड़ी, आंखों पर पट्टी

पन्ना 1 का बाकी हिस्सा

को रणनीतिक संदेश देने के लिए उठाया गया है. संदेश साफ है- पश्चिमी गोलार्ध में अमेरिका अपने प्रभाव को चुनौती देने वाली किसी भी शक्ति को बर्दाशत नहीं करेगा. वेनेजुएला लंबे समय से चीन, रूस और ईरान जैसे देशों के लिए लैटिन अमेरिका में एक अहम रणनीतिक ठिकाना रहा है. मादुरो सरकार को चीन का खुला समर्थन मिला, जिसने अरबों डॉलर के कर्ज के बदले तेल खरीद की है. अब उसी शासन को हटाकर अमेरिका ने चीन को यह जता दिया है कि उसका 'बैकयार्ड' किसी वैचारिक प्रतिद्वंद्वी के लिए खुला नहीं है.

चीन को क्या चेतावनी दे रहा अमेरिका?

यह कार्रवाई सिर्फ मादुरो को हटाने तक सीमित नहीं है. यह चीन के बढ़ते वैश्विक प्रभाव और उसकी बेल्ट एंड रोड रणनीति पर सीधा प्रहार है. वेनेजुएला दक्षिण अमेरिका का सबसे बड़ा वामपंथी और चीन समर्थक शासन था. उसे गिराकर अमेरिका ने पूरे क्षेत्र में चीन के राजनीतिक नेटवर्क को कमजोर करने की कोशिश की है. अमेरिका के हमले से कुछ घंटे पहले ही चीन के दूत निकोलस मादुरो से मिले थे.

वेनेजुएला पर राज करेगा अमेरिका?

मादुरो की गिरफ्तारी के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, 'अमेरिका वेनेजुएला को तब तक चलाएगा जब तक सुरक्षित संक्रमण नहीं हो जाता'. ट्रंप का यह बयान इस बात का संकेत है कि यह केवल सैन्य ऑपरेशन या तख्तापलट नहीं बल्कि लंबे समय के लिए यहां नियंत्रण की योजना है. कई रणनीतिक विश्लेषकों ने इसे खुले तौर पर 'नग्न साम्राज्यवाद' करार दिया है. हालांकि अमेरिका के पूर्व राजदूत चार्ल्स शापिरो ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से वेनेजुएला को खुद चलाने की बात करना और उसे जमीन पर लागू करना बेहद जटिल होगा. उनका कहना है कि अभी भी देश में लगभग 20 फीसदी आबादी ऐसी है जो मादुरो का समर्थन करती है.

पंजाब विधानसभा के स्पैशल सैशन में परगट सिंह के बयान पर गर्माया माहौल

चंडीगढ़, (सत्ता संदेश)-केंद्र सरकार द्वारा मनरेगा स्कीम में किए गए बदलावों के खिलाफ पंजाब विधानसभा का स्पैशल सैशन बुलाया गया है। इस बीच, सैशन से पहले कांग्रेस विधायक परगट सिंह के बयान पर माहौल काफी गरमा गया। पंजाब के कैबिनेट मंत्री तरुणप्रीत सिंह सौंद ने मनरेगा खत्म करने के फैसले के खिलाफ प्रस्ताव पेश करने के बाद कहा कि सीनियर कांग्रेस लीडर परगट सिंह ने सेशन से पहले बयान दिया कि इस सैशन में सिर्फ लोगों का पैसा बर्बाद होगा, उन्हें इसके लिए माफी मांगनी चाहिए। सौंद ने यह भी कहा कि कांग्रेस को साफ करना चाहिए कि वह इस मुद्दे पर उनके साथ है या उनके खिलाफ। इसके बाद सदन का माहौल काफी गरमा गया और दोनों पार्टियों के नेता आपस में बहस करने लगे। हालांकि, विधानसभा स्पीकर कुलतार सिंह संधवां ने माहौल शांत किया और सदन की कार्यवाही आगे बढ़ाई। इस पर जवाब देते हुए परगट सिंह ने साफ किया कि वे आखिरकार इस नतीजे पर पहुंचे हैं कि उन्हें सिर्फ स्पेशल सेशन बुलाने की जरूरत नहीं है, बल्कि रेगुलर सेशन भी बुलाने चाहिए। उन्होंने कहा कि इन सैशनों में जीरो काल पर प्रश्न काल नहीं होता जिससे लोगों के मुद्दों पर खुलकर बात नहीं हो पाती। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार मनरेगा खत्म करने जा रही है। नए सिस्टम के मुताबिक, राज्यों को 30 से 50 करोड़ रुपये देने होंगे और कई राज्य अभी उस स्थिति में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि पहले मनरेगा में 100 दिन के रोजगार की स्कीम थी, लेकिन पिछले तीन साल में पंजाब में मनरेगा के तहत सिर्फ 38 दिन का रोजगार दिया गया।

पंजाब के साथ भेदभाव, दिल्ली में धरना देना चाहिए

उन्होंने कहा कि इसके अलावा पंजाब के साथ कई तरह का भेदभाव किया गया है। जैसे, इसके तहत पंजाब में रोजाना की मजदूरी 346 रुपये है, जबकि हरियाणा में 400 रुपये है। परगट सिंह ने यह भी कहा कि विधानसभा में मनरेगा के खिलाफ प्रस्ताव पास करने के साथ-साथ हमें दिल्ली की ओर भी रुख करना चाहिए और 117 विधायक और सभी सांसद मैंबर को एक साथ आकर दिल्ली में धरना देना चाहिए। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बारे में कानूनी लड़ाई भी लडऩी चाहिए।

प्रियंका गांधी को मिली बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली- कांग्रेस ने केरल, असम, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और पुडुचेरी के विधानसभा चुनावों के लिए शनिवार को स्क्रीनिंग कमेटी का गठन किया। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा को असम के लिए बनाई गई स्क्रीनिंग कमेटी की अध्यक्षता सौंपी गई है। पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, असम से संबंधित स्क्रीनिंग कमेटी में प्रियंका गांधी के साथ सप्तगिरि उलाका, इमरान मसूद और श्रीवेला प्रसाद को बतौर सदस्य शामिल किया गया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मधुसूदन मिस्त्री की अध्यक्षता में केरल के लिए गठित स्क्रीनिंग कमेटी में सैयद नासिर हुसैन, नीरज डांगी और अभिषेक दत्त को शामिल किया गया है।

नवजोत कौर सिद्धू द्वारा अमित शाह की तारीफ करने से छिड़ी सियासी चर्चा के निकलेंगे दूरवर्ती नतीजे!

अमृतसर, (सत्ता संदेश)-गत दिनों सोशल मीडिया पर नवजोत कौर सिद्ध की पोस्ट ने राजनीतिक गलियारों में एक नई चर्चा छेड़ दी। इस पोस्ट में उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की खुलकर तारीफ की है। उन्होंने पंजाब में माइनिंग और जंगलों के नीचे घटती जमीन के मुद्दे पर केंद्र सरकार की कार्रवाई के लिए अमित शाह का धन्यवाद किया है। इसके साथ ही उन्होंने पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया की भी प्रशंसा की है। इससे पहले श्रीमती सिद्ध की केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात हुई थी, जहां उन्होंने गडकरी की भी तारीफ की थी। लगातार भाजपा के वरिष्ठ नेताओं की प्रशंसा से पंजाब के गलियारों में यह कयास लगाए जा रहे हैं कि सिद्धू दंपति एक बार फिर भाजपा की ओर रुख कर सकता है। इससे एक अनुमान यह भी लगाया जा रहा है कि इससे पंजाब की राजनीति में एक बार फिर बड़ा बदलाव होने के संकेत मिल रहे हैं। उल्लेखनीय है कि नवजोत कौर सिद्धू को कांग्रेस पार्टी सस्पैंड कर चुकी है। उन्होंने पंजाब कांग्रेस के मौजूदा अध्यक्ष को अध्यक्ष मानने से भी इंकार किया था। हाल ही में उनके 'मुख्यमंत्री की कुर्सी के लिए 500 करोड़ रुपए' वाले बयान से पंजाब की राजनीति में बड़ा हंगामा हुआ था, जिसके बाद पार्टी ने उनके खिलाफ कार्रवाई की थी। अब ऐसे समय में भाजपा नेताओं की ओर नवजोत कौर सिद्धू का झुकाव कई नए राजनीतिक संकेत दे रहा है। आने वाले दिनों में पंजाब की राजनीति में और बड़ा धमाका होने से इंकार नहीं किया जा सकता।

दिग्विजय सिंह को मिला शशि थरूर का साथ, आरएसएस की प्रशंसा पर कांग्रेस में नाराज़गी

नई दिल्ली-कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह को शशि थरूर का साथ मिल गया है। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की संगठनात्मक ताकत की तारीफ करने पर कहा कि हमारा तो 140 साल का इतिहास है उसमें तो बहुत सी चीज़ें सीख सकते हैं। हम अपने आप से भी सीख सकते हैं। अनुशासन सीखना बहुत जरूरी है चाहे आप कोई भी पार्टी में हो। उनके बारे (दिग्विजय सिंह) में आप उनसे ही पूछिए। दिग्विजय सिंह ने हाल ही में एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए विवाद खड़ा किया था। इसमें उन्होंने कहा था कि भाजपा और आरएसएस अपने जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं को मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री जैसे शीर्ष पदों तक पहुंचने का अवसर देते हैं। इस पोस्ट के साथ उन्होंने भाजपा के वरिष्ठ नेता एलके आडवाणी के पास जमीन पर बैठे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एक पुरानी तस्वीर भी शेयर की। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने अपने सीनियर साथी दिग्विजय सिंह की पार्टी में सुधारों की मांग का समर्थन किया है और उनके बयान पर बढ़ते विवाद के बीच संगठन को मजबूत करने की बात कही। पिछले दिनों दिग्विजय सिंह ने एक पब्लिक पोस्ट में कांग्रेस के अंदर सुधारों और सत्ता के विकेंद्रीकरण की जरूरत पर जोर दिया था। इसमें उन्होंने विपक्ष के नेता राहुल गांधी को टैग किया था। एक सीनियर नेता के ऐसे पब्लिक बयान से कांग्रेस शर्मिंदा हुई, लेकिन इससे अनुभवी नेताओं के बीच बढ़ती नाराजग़ी भी सामने आई। कांग्रेस नेता राजीव शुक्ला ने कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की संगठनात्मक ताकत की तारीफ करने पर कहा कि दिग्विजय सिंह पार्टी के साथ पूरी तरह से जुड़े हुए हैं कल भी थे और आज भी यहां पर हैं तो बेवजह से इस बात तो बढ़ाया जा रहा है। इस तरह की कोई बात नहीं है।

बुड्ढा दरिया को डेयरी के गोबर से बचाने के लिए कितना काम आएगा 22 करोड़ रुपये से ज़्यादा का टेंडर ?

नगर निगम ने डेयरी वेस्ट हटाने के लिए एक प्राइवेट कंपनी को किया है टेंडर अलॉट

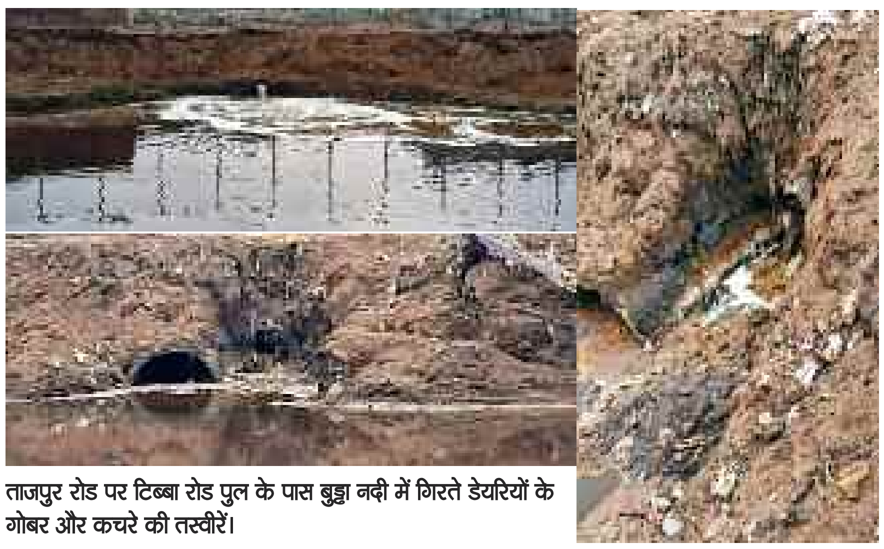
ताजपुर रोड पर टिब्बा रोड पुल के पास बुड्ढा नदी में गिरते डेयरियों के गोबर और कचरे की तस्वीरें।

संत बलवीर सिंह सीचेवाल

लुधियाना (जिम्मी भामियां) - राज्यसभा सदस्य संत बलवीर सिंह सीचेवाल अपनी टीम के साथ पिछले लगभग एक साल से बुड्ढा दरिया को प्रदूषण मुक्त करने की कोशिश कर रहे हैं, वहीं पब्लिक एक्शन कमेटी लगातार उनकी कोशिशों को पर्यावरण को साफ करने का एक तरीका और सरकार का सपोर्ट बता रही है। इन सब के बीच, बुड्ढा दरिया में डेयरी वेस्ट का लगातार गिरना भी जारी है, जो नगर निगम प्रशासन और प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड के अधिकारियों के दावों को खोखला साबित करता दिख रहा है। हालांकि, पता चला है कि नगर निगम ने डेयरियों से निकलने वाले गोबर और दूसरे वेस्ट को संभालने के लिए एक प्राइवेट कंपनी को 22 करोड़ रुपये से ज़्यादा का टेंडर भी अलॉट किया है। राज्यसभा सदस्य और पर्यावरणविद संत बलवीर सिंह सीचेवाल अपनी टीम के साथ एक साल से ज़्यादा समय से बुड्ढा दरिया को डाईंगों से निकलने वाले रंगों और कचरे के ज़हरीले पानी से आज़ाद कराने की कोशिश कर रहे हैं, और समय-समय पर नगर निगम और पाल्यूशन कंट्रोल बोर्ड अधिकारियों के साथ मीटिंग भी कर रहे हैं, लेकिन इसका ज़्यादा असर होता नहीं दिख रहा है। क्योंकि जब 'सत्ता संदेश' टीम बुड्ढा दरिया में गिर रहे डेयरी वेस्ट की असली हालत देखने निकली, तो ताजपुर रोड पर बालाजी पुल के पास संत सीचेवाल की टीम द्वारा बनाए गए पक्के कैंप से करीब एक किलोमीटर दूर टिब्बा रोड पर पुल के पास डेयरी वेस्ट बिना किसी डर के सीधे बुड्ढा दरिया में डाला जा रहा था। डेयरी फार्मों का गोबर और वेस्ट थोड़ी ही दूरी पर लगे एक दूसरे पाइप के ज़रिए बुड्ढा दरिया में बाईपास किया जा रहा था। यह देखकर डेयरी मालिकों के नगर निगम की मदद से डेयरी वेस्ट का मैनेजमेंट करने के दावों की सच्चाई भी सामने आ गई। इस बारे में जब राज्यसभा सदस्य संत बलवीर सिंह सीचेवाल से बात करने की कोशिश की गई, तो उनके टीम के साथी हरदेव सिंह दौधर ने बताया कि संत सीचेवाल लुधियाना में नहीं हैं और बताया कि डेयरियों का कचरा बुड्ढा दरिया में गिरने से रोकने के लिए संत सीचेवाल की सख्त हिदायतों के बाद भी, डेयरी संचालक कुछ सत्ताधारी नेताओं की मदद से अपनी मर्जी से गोबर और दूसरा कचरा बुड्ढा दरिया में फेंक रहे हैं। हरदेव सिंह दौधर ने कहा कि संत सीचेवाल की सख्ती के बाद नगर निगम ने डेयरियों का गोबर और दूसरा कचरा इकट्ठा करके रीसाइक्लिंग प्रोसेस के लिए 22 करोड़ 26 लाख रुपये का टेंडर अलॉट किया है। जिसे लेकर कंपनी हैबोवाल की डेयरियों में डेमो कर रही है और कंपनी जल्द ही काम शुरू कर देगी। अब देखना यह है कि राज्यसभा सदस्य संत सीचेवाल की टीम की लगातार कोशिशों और प्राइवेट कंपनी को दिए गए 22 करोड़ से ज़्यादा के टेंडर से भविष्य में बुड्ढा दरिया सफाई प्रोजेक्ट को कितना फायदा होगा?

बुड्ढा दरिया के प्रदूषण को लेकर स्थिति साफ करने के लिए पी.ए.सी. ने संत सीचेवाल को चिट्ठी लिखकर दी खुली बहस की चुनौती

चिट्ठी में 10 जनवरी की तारीख तय, पूछे 9 ज़रूरी सवाल

लुधियाना (जिम्मी भामियां) - बुड्ढा दरिया के काले और ज़हरीले पानी को बचाने के लिए लगातार कानूनी कोशिशें कर रही पब्लिक एक्शन कमेटी, नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल में रिट पिटीशन दायर करके बुड्ढा दरिया को कथित तौर पर गंदा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने पर अड़ी हुई है। अब पीएसी ने राज्यसभा सदस्य और पर्यावरणविद संत बलवीर सिंह सीचेवाल को चिट्ठी लिखकर बुड्ढा दरिया के प्रदूषण को लेकर खुली बहस की चुनौती दी है। पी.ए.सी. सतलुज, मत्तेवाड़ा और बुड्ढा दरिया संगठन की तरफ से लिखे गए चिट्ठी में संत सीचेवाल ने 9 ज़रूरी सवाल पूछे हैं और बुड्ढा दरिया को प्रदूषण मुक्त करने पर खुली बहस का न्योता दिया है, और इसके लिए 10 जनवरी 2026 को दोपहर 12 से 2 बजे का समय तय किया है। इसके साथ ही कमेटी ने खुली बहस के लिए इश्मीत एकेडमी, सर्किट हाउस, श्री गुरु नानक, देव ऑडिटोरियम और पंजाबी भवन की जगहों की डिटेल दी है, जहां खुली बहस हो सकती है। पी ए सी ने संत सीचेवाल से बुड्ढा दरिया के प्रदूषण को लेकर 9 ज़रूरी सवालों के जवाब भी मांगे हैं। इनमें शामिल हैं :

1. डी.सी लुधियाना ने कुछ साल पहले एनजीटी में हलफनामे में कहा था कि डाइंग तालाबों का पानी खेती के लिए इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। सरकार ने माना था कि यह पानी वहां पहुंचाना मुमकिन नहीं है, किसान इसका इस्तेमाल करने को तैयार नहीं थे और हेल्थ डिपार्टमेंट यह लिखकर देने को तैयार नहीं था कि इस पानी को फसलों में डालने से कोई ज़हरीला तत्व फूड चेन में नहीं जाएगा। फिर यह खेती का मुद्दा बार-बार क्यों उठाया जा रहा है और कन्फ्यूजन क्यों पैदा किया जा रहा है?

2. डाइंग के तीन कॉमन इनफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (CETPs) कानूनी हैं या गैर-कानूनी? अगर वे कानूनी हैं, तो पंजाब प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड, सेंट्रल प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड और नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने उन्हें बंद करने का ऑर्डर क्यों दिया है? अगर वे गैर-कानूनी हैं, तो वे एक साल से कोर्ट और सरकार के आदेशों के खिलाफ कैसे जा रहे हैं?

3. एनजीटी ने 9-12-2024 के अपने ऑर्डर में बहुत सीधे और साफ लिखा है कि एनवायर्नमेंटल क्लीयरेंस (ई.सी) की शर्तों का पालन करना कानूनी ज़रूरत है। उसके बाद भी, यह कन्फ्यूजन क्यों है कि केस चल रहा है, इसलिए अभी तक पानी बंद नहीं किया जा रहा है? केस दूसरे कारणों से चल रहा है और उसे बहाना बनाना कहाँ तक सही है?

4. बुड्ढा नदी में डेयरियों के गैर-कानूनी कनेक्शन खुद जेसीबी चलाकर काटे गए हैं। अगर डेयरियों के कनेक्शन काटे जा सकते हैं, तो वही जेसीबी डाइंग इंडस्ट्रीज़ के तीन पाइप काटने के लिए वहाँ क्यों नहीं पहुँची? क्या यह अलग बर्ताव और भेदभाव नहीं है?

5. पानी में रहने वाले जीवों के बचने के लिए नदियों और नहरों में बीओडी (बायोकेमिकल ऑक्सीजन डिमांड) और सीओडी (केमिकल ऑक्सीजन डिमांड) की कानूनी या साइंटिफिक लिमिट क्या होनी चाहिए?

6. क्या आप बुड्ढा दरिया से गाद (सिल्ट/सेडिमेंट) निकालकर साइंटिफिक और एनवायरनमेंटल स्टैंडर्ड के हिसाब से डिस्पोज़ कर रहे हैं? यह गाद कहाँ ले जाई जा रही है? क्या इस गाद में ज़हरीले केमिकल और हेवी मेटल हो सकते हैं और क्या इसकी लैब टेस्टिंग हुई है?

7. क्या बुड्ढा दरिया के नीचे से गाद नहीं निकालने से दरिया में बहने वाले काले और ज़हरीले पानी के ज़मीन में तेज़ी से रिसने का चांस बढ़ जाएगा?

8. बुड्ढा नदी के दोनों किनारों पर ग्रीन बफ़र ज़ोन बनाने के बारे में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल की मॉनिटरिंग कमेटी ने क्या निर्देश दिए थे और उन पर अब तक कितनी कार्रवाई हुई है?

9. एनजीटी के तौर पर आपने क्या कार्रवाई की है? बीएसी की मॉनिटरिंग कमेटी का मेंबर रहते हुए, क्या डाइंग इंडस्ट्रीज़ के ट्रीटमेंट प्लांट से निकलने वाले काले पानी के लिए बुड्ढा दरिया में पाइप एनवायरनमेंटल क्लियरेंस (ई.सी) और लागू कानूनी नियमों के हिसाब से लगाए गए थे? इन सवालों के अलावा और भी कई ज़रूरी सवाल हैं, जिन पर खुली बहस करके न सिर्फ़ सच्चाई सामने लाई जा सकती है, बल्कि बुड्ढा दरिया को फिर से ज़िंदा करने के लिए ठोस कदम भी उठाए जा सकते हैं।

लुधियाना से बिहार जा रही महिला ने ट्रेन में दिया बच्चे को जन्म

लुधियाना - लुधियाना से बिहार के लिए ट्रेन में जाते हुए महिला यात्री ने एक बेटे को जन्म दिया। महिला ज्योति देवी अपने पति देवी शंकर व अन्य परिजनों के साथ लुधियाना से दुर्ग्याना एक्सप्रेस ट्रेन नंबर-12358 में सफर कर रही थी और वह अपने परिवार के अन्य लोगों के साथ कोच 6 की सीट नंबर 18 व 19 पर बैठी हुई थी।

महिला के पति ने बताया कि वह लुधियाना के कंगनवाल इलाके में रहते है और बिहार के रोहतास जिल के गांव सोहड़ा के लिए जा रहे थे। क्योंकि उसकी पत्नी प्रेगनैंट थी, वह उसे गांव छोड़ने जा रहा था। ट्रेन खन्ना के पास पहुंची तो उसकी तबीयत खराब होनी शुरू हो गई और उसे प्रसव पीड़ा शुरू हो गई। इस पर उन्होंने ट्रेन के साथ चल रहे स्टॉफ को बताया तो स्टाफ ने कंट्रोल पर सूचित किया और अंबाला के स्टेशन सुपरीटैंडेंट सुनील गुप्ता को उचित सहायता उपलब्ध करवाने के लिए कहा।

पुरानी रंजिश के चलते ई रिक्शा चालक ने किया तेजधार हथियार से सफाई सेवक पर हमला

लुधियाना, (जिम्मी भामियां)- बस्ती जोधेवाल के पास बाल सिंह नगर में शनिवार दोपहर एक ई-रिक्शा ड्राइवर ने पुरानी रंजिश के चलते नगर निगम के एक सफाई कर्मचारी पर तेजधार हथियार से हमला कर दिया। सफाई कर्मचारी पर ई-रिक्शा ड्राइवर द्वारा हमला होते देख राहगीरों ने उसे पकड़ लिया और दरेसी थाने की पुलिस के हवाले कर दिया। जानकारी के मुताबिक, हमले के शिकार नगर निगम के सफाई कर्मचारी विनोद कुमार ने बताया कि वह बाल सिंह नगर में अपनी ड्यूटी कर रहा था, तभी एक व्यक्ति ने आते ही उस पर धारदार चाकू से हमला कर दिया, जिससे उसके हाथ और दाहिनी आंख पर गंभीर चोटें आईं। हमलावर की पहचान बहादुरके रोड निवासी ई-रिक्शा ड्राइवर लखवीर सिंह के रूप में हुई है। हमलावर ने पुलिस को बताया कि विनोद कुमार से उसकी पुरानी रंजिश है, जिसके कहने पर उसने यह किया। फिलहाल, पुलिस ने लखवीर सिंह को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

सर्दी बढ़ने से बाजार में आई तपिश से हौजरी व्यापारियों के चेहरों पर लौटी मुस्कान

कारोबारियों/दुकानदारों को बड़े पैमाने पर जमा हुए स्टॉक के निकलने की उम्मीद जगी

औद्योगिक शहर लुधियाना के विभिन्न बाजारों में गर्म कपड़ों की खरीदारी करते हुए खरीदार। (छाया-सत्ता संदेश)

लुधियाना, (सत्ता संदेश)-उत्तर भारत में लगातार कोहरे और शीत लहर के चलते बढ़ रही सर्दी कारण महानगर के बाजारों में आई तपिश से हौजरी कारोबारियों के मुर्झाए चेहरों पर अब मुस्कान लौटने लगी है। बाजारों में सर्दियों के कपड़ों की खरीदारी बढ़ने की वजह से जहां दुकानदारों को बड़े पैमाने पर अपना जमा हुआ स्टॉक निकलने की उम्मीद जगी है, वहीं दुकानदारों के साथ-साथ हौजरी व्यापारी भी यह अंदाज़ा लगा रहे हैं कि डीशायद अब सर्दी का यही सीजन अच्छा चलेगा। इसकी मुख्य वजह विशेषकर पंजाब में सर्दी के मौसम का देरी से आना है क्योंकि पहले सर्दी का मौसम नवंबर के आखिर तक दस्तक दे देता था, लेकिन इस बार दिसंबर के आखिरी हफ्ते में जाकर सर्दी ने कुछ जोर जरूर पकड़ा है, जिससे बाजारों में रौनक लौट आई है। पिछले कुछ हफ्तों से सुस्त पड़े गर्म कपड़ों के व्यापार में अब अचानक उछाल देखने को मिल रहा है। कड़ाके की सर्दी कारण ग्राहक भारी मात्रा में खरीदारी के लिए बाजारों का रुख कर रहे हैं। कारोबारियों का कहना है दिसंबर की शुरुआत में सर्दी कम होने से हम काफी घबराए हुए थे और स्टॉक फंसने का डर था, लेकिन हालिया तापमान गिरने के बाद से न केवल स्थानीय बल्कि अन्य राज्यों से भी पुराने ऑर्डर के स्टॉक की मांग फिर से शुरू हो गई है। एक दुकानदार ने बातचीत दौरान बताया कि एक समय था जब सर्दियों के मौसम में हौजरी वालों का धंधा बहुत अच्छा माना जाता था, हम भी सर्दियों के मौसम में अच्छा करते थे और कई महीनों तक ठंड रहती थी, लेकिन बदलते मौसम के मिजाज ने सब कुछ बदल दिया है, जिससे सर्दियों का मौसम दिन-ब-दिन छोटा होता जा रहा है, जिसका न सिर्फ हौजरी के धंधे पर बुरा असर पड़ रहा है, बल्कि हम जैसे दुकानदारों की उम्मीदों पर भी पानी फिर रहा है।

दुकानों में बढ़ने लगी ग्राहकों की संख्या

उद्यौगिक शहर लुधियाना में दिसंबर के मध्य तक सर्दी कम होने के कारण जो कारोबारी/दुकानदार चिंतित थे, अब उनकी दुकानों पर ग्राहकों की संख्या बढ़ने लगी है। लुधियाना के गांधी नगर, अकालगढ़ और दिल्ली के चांदनी चौक जैसे प्रमुख बाजारों में जैकेट, स्वेटर, थर्मल इनरवेयर और ऊनी टोपी की मांग काफी बढ़ गई है। इसके अलावा चौड़ा बाजार में सर्दियों के कपड़े खरीदने वालों की भारी भीड़ नजर आ रही है। इसी तरह फील्ड गंज, करीमपुरा में भी लोग सर्दियों के कपड़े खरीदते और बेचते देखे गए। व्यापारियों का कहना है कि पिछले साल के मुकाबले इस बार मांग में 23 से 35 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी देखी जा रही है।

सेल और छूट का भी मिल रहा ग्राहकों को लाभ

ग्राहकों को लुभाने के लिए कई बड़े ब्रांड्स और शोरूम्स ने विंटर सेल व भारी छूट की भी शुरुआत कर दी है, जिससे खरीदारी का उत्साह दोगुना हो गया है। दुकानदारों को उम्मीद है कि जनवरी के अंत तक यह तेजी बरकरार रहेगी।

विश्व भर में प्रसिद्ध है लुधियाना का हौजरी उद्योग

लुधियाना का हौजरी उद्योग देश के कुल ऊनी कपड़ों की मांग का लगभग 80 से 90 प्रतिशत हिस्सा पूरा करता है। सर्दी बढ़ते ही मांग को पूरा करने के लिए कई हौजरी कारखानों में अब दो शिफ्टों में काम शुरू हो गया है। शुरुआती सुस्ती के बाद अब लेबर और मशीनें पूरी क्षमता से स्वेटर, कार्डिगन और जैकेट तैयार करने में जुट गई हैं। लुधियाना से न केवल पंजाब, बल्कि हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों के लिए ट्रकों की आवाजाही बढ़ गई है।

बिक्री के आंकड़ों में सुधार

दिसंबर की शुरुआत तक जो स्टॉक गोदामों में डंप पड़ा था, अब वह तेजी से खाली हो रहा है। रिटेल और होलसेल की बड़ी मार्किटों अकालगढ़ मार्किट, गांधी नगर और चौड़ा बाजार जैसे प्रमुख केंद्रों में पैर रखने की जगह नहीं है। थोक व्यापारियों के पास देश भर से रपीट ऑर्डर आ रहे हैं। ऐसे में व्यापारियों का अनुमान है कि अब सर्दी के जोर पकड़ने से इस सीजन में लुधियाना का हौजरी टर्नओवर पिछले साल के मुकाबले काफी बेहतर रहेगा।

कारोबारियों को खलती है हलवारा एयरपोर्ट चालू न होने की कमी

इस बारे में कुछ हौजरी कारोबारियों से बातचीत की तो उन्होंने कहा कि एक समय सर्दियों का मौसम करीब 4 महीने तक चलता था, जो अब घटकर डेढ़-दो माह का रह गया है, जिससे नॉन-हौजरी इंडस्ट्री पर बड़ी मार पड़ी है। उन्होंने कहा कि मौसम गर्म न होने की वजह से हाल की ठंड को ज़्यादा नहीं कहा जा सकता, लेकिन कुछ दिनों के ठंडे मौसम ने ठंड ज़रूर बढ़ा दी है, जिससे लोगों में शॉपिंग का ट्रेंड बढ़ गया है। उन्होंने हलवारा एयरपोर्ट को तुरंत चालू करने की मांग की और कहा कि उद्योगिक शहर लुधियाना की दूसरे राज्यों से सीधे संपर्क की कमी खलती है। मैनचेस्टर कहे जाने वाले इस शहर के कारोबारी, जिनके चालू होने से हौजरी का बिजनेस बढ़ेगा, साइकिल, ऑटो पार्ट्स और सिलाई इंडस्ट्री के बिजनेस को भी अच्छा बढ़ावा मिलेगा।

इन चीजों की है सबसे ज्यादा डिमांड

* जैकेट और ओवरकोट-युवाओं और कामकाजी लोगों के बीच स्टाइलिश भारी जैकेट की भारी मांग है।

* थर्मल वियर-बच्चों और बुजुर्गों के लिए थर्मल इनरवेयर की बिक्री में तेजी है।

* पशमीना और शॉल-शादी-ब्याह के सीजन को देखते हुए ऊनी शॉल और पशमीना की भी खूब खरीदारी हो रही है।

नेताओं की नेतागिरी के चलते महानगर की साइकिल इंडस्ट्री जी.एस.टी. रिफंड को लेकर त्रस्त

इंडस्ट्री का 700 करोड़ का रिफंड विभाग के पास फंसा

लुधियाना (सत्ता संदेश)- पंजाब की आर्थिक राजधानी के तौर पर प्रसिद्ध उद्योगिक शहर लुधियाना, जिसे साइकिल व हौजरी उद्योग का 'हब' भी कहा जाता है, की साइकिल और साइकिल के पुर्जे बनाने वाली 5000 इकाइयां जी.एस.टी. रिफंड को लेकर बुरी तरह से त्रस्त हैं। इन इकाइयों का 700 करोड़ से अधिक का रिफंड लुधियाना के जी.एस.टी. विभाग के खाते में अटक गया है। छोटी-छोटी इकाइयों के लिए यह एक बड़ी रकम है और अब ये इकाइयां काम चलाने के लिए बैंकों से नए ऋण ले रही हैं। इसका मुख्य कारण कुछ स्वयंभू नेताओं की नेतागिरी चमकाने की मंशा प्रमुख बताई जा रही है। इन नेताओं ने केंद्र सरकार से स्टील पर जी.एस.टी. कम करवाने की जगह साइकिल और पुर्जों पर जी.एस.टी. कम करवाने की मांग शुरू कर दी। जब देश में जी.एस.टी. लगा तो साइकिल और इसके कलपुर्जों को 12 प्रतिशत की दर के दायरे में रखा गया। लोहे पर 18 प्रतिशत जी.एस.टी. होने के चलते साइकिल और पुर्जे बनाने वाली इकाइयों को जी.एस.टी. विभाग से 6 प्रतिशत रिफंड लेना पड़ता था, लेकिन साइकिल और पुर्जे बनाने में 2 से 3 प्रतिशत वैल्यू एडिशन के चलते रिफंड 3 से 4 प्रतिशत तक बनता था और इस रिफंड को लेने के लिए कारोबारियों को महीनों इंतज़ार करने के साथ-साथ विचौलियों को भी मोटी रिश्वत देनी पड़ती थी। इतने कम रिफंड के बाद भी कारोबारियों की 15 से 20 प्रतिशत पूंजी विभाग के पास फंसी रहती थी। इंडस्ट्री के कुछ स्वयंभू नेताओं ने वाहवाही के लिए साइकिल पर जी.एस.टी. दरें कम करवाने की घोषणा की और सरकार को साइकिल और पुर्जों पर जी.एस.टी. 12 से 5 प्रतिशत करने की गुहार लगानी शुरू कर दी। इन नेताओं ने पंजाब आने वाले सभी केंद्रीय नेताओं को इस सम्बन्ध में मांग पत्र देने शुरू कर दिए और भाजपा के नेताओं का सहारा ले दिल्ली में मंत्रियों को मिल जी.एस.टी. कम करने की प्रार्थना करनी शुरू कर दी। इन नेताओं ने इंडस्ट्री को गुमराह कर यह बताया कि 7 प्रतिशत जी.एस.टी. कम होने से देश में साइकिल की मांग कई गुना बढ़ जाएगी, जिससे साइकिल इंडस्ट्री तेजी से आगे बढ़ेगी, जबकि वे भूल गए कि स्टील की कीमतें कई बार 10 प्रतिशत तक गिरी हैं, तब भी एक भी साइकिल की मांग नहीं बढ़ी। फिर सरकार ने जी.एस.टी. सुधारों के चलते साइकिल और पुर्जों पर जी.एस.टी. 12 प्रतिशत से कम कर 5 प्रतिशत कर दिया। फिर इन नेताओं में सरकार का धन्यवाद करने की होड़ शुरू हो गई और सभी स्वयंभू नेता जी.एस.टी. घटने का श्रेय लेने के लिए एड़ी-चोटी का ज़ोर लगाने लगे, लेकिन उद्योगों का हाल यह था कि जी.एस.टी. कम होने के बाद पहले जो रिफंड 3 से 4 प्रतिशत बनता था, वह अब 10 से 11 प्रतिशत बनना शुरू हो गया। मात्र 2 महीनों में ही हालात ये हो गए कि इंडस्ट्री का 700 करोड़ का रिफंड विभाग के पास फंस गया। साइकिल उद्योग के लिए यह एक बड़ी रकम है और अपना काम चलाने के लिए अब कारोबारी बैंकों के पास नए ऋण के लिए आवेदन कर रहे हैं। सरकार ने अगर रिफंड जल्द जारी न किया तो साइकिल उद्योग की सारी पूंजी जी.एस. टी. में फंस जाएगी और साइकिल उद्योग पूरी तरह से बंद हो जाएगा। उद्योगों को फंसाने के बाद अब ये स्वयंभू नेता उन्हें आश्वासन दे रहे हैं कि वो जल्द ही सरकार से रिफंड जारी करवा देंगे, लेकिन सबको जी.एस.टी. विभाग की हकीकत का पता है।

प्लास्टिक डोर की चपेट में आया बाइक सवार बुजुर्ग, आंख के पास लगे 14 टांके

मुल्लांपुर दाखा- चाइना डोर के कारण हो रहे हादसे थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। ताजा मामले में गांव रकबा निवासी 65 वर्षीय बुजुर्ग रंजीत सिंह चाइना डोर की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गए। इस घटना से क्षेत्र में एक बार फिर चाइना डोर की खतरनाक बिक्री और उपयोग को लेकर चिंता बढ़ गई है। घटना के संबंध में घायल के पुत्र अवतार सिंह ने बताया कि उनके पिता रंजीत सिंह किसी काम से मोटरसाइकिल पर सवार होकर मुल्लांपुर शहर गए थे। वापसी के दौरान शाम करीब चार बजे जब वह रेलवे ओवरब्रिज से नीचे उतर रहे थे, तभी अचानक चाइना डोर उनकी आंखों के ऊपर माथे में फंस गई। डोर की धार इतनी तेज थी कि उनके माथे और आंख के पास गहरा कट लग गया और खून बहने लगा।

ट्रांसजेंडर से लड़की बनने के बाद भी युवक ने शादी से किया इनकार

लड़की ने की दो बार सुसाइड करने की कोशिश, मामला उलझा, पुलिस जांच में जुटी

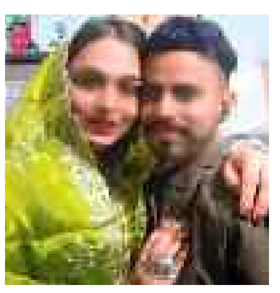
ट्रांसजेंडर बनी लड़की अदिति और जवान गोल्डी की एक पुरानी तस्वीर।

लुधियाना, (जिम्मी भामिया) - एक ट्रांसजेंडर ने प्यार में पड़ने के बाद भी लड़के के उसे अपनाने से मना करने और जेंडर बदलकर लड़की बनने पर दो बार सुसाइड करने की कोशिश की। जिसके बाद यह पूरा मामला मीडिया में सुर्खियों में आ गया। मिली जानकारी के मुताबिक, लुधियाना के जीवन नगर इलाके की रहने वाली अदिति नाम की लड़की ने बताया कि वह पहले ट्रांसजेंडर थी। करीब एक साल पहले नकोदर में एक धार्मिक जगह पर उसकी मुलाकात बस्ती जोधेवाल के पास रहने वाले लकी उर्फ गोल्डी नाम के युवक से हुई। जिसके बाद दोनों के बीच मुलाकातों का सिलसिला बढ़ा और वे दोनों एक-दूसरे से प्यार करने लगे। इस दौरान गोल्डी ने अदिति से जेंडर बदलकर लड़की बनने को कहा, तो अदिति ने कई सर्जरी के बाद लाखों रुपये खर्च करके अपना जेंडर बदलवाया और लड़की बन गई। अदिति ने आरोप लगाया कि गोल्डी करीब एक साल तक उसके साथ शारीरिक संबंध बनाता रहा। जब उसने गोल्डी से शादी के लिए कहा तो उसने साफ मना कर दिया और कहा कि वह बच्चे पैदा नहीं कर सकती। इसके बाद दोनों के बीच कड़वाहट बढ़ गई और परेशान होकर उसने कथित तौर पर जहर निगलकर आत्महत्या करने की कोशिश की। इलाज के बाद वह घर गई और फिर से फांसी लगाकर आत्महत्या करने की कोशिश की।

दूसरी तरफ, गोल्डी का कहना है कि उसने अदिति से शादी का कोई वादा नहीं किया था और न ही उस पर जेंडर बदलने का दबाव डाला था। अदिति ने अपनी मर्जी से जेंडर बदला, अपनी मर्जी से उसके पास आती-जाती रही और अब वह अचानक उस पर शादी का दबाव बनाने लगी, जिससे वह भी परेशान है। इस पूरे मामले को लेकर चौकी जीवन नगर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

सम्पादकीय

चुनौतियों के रूबरू

नव वर्ष का स्वागत पूरे हर्षोल्लास के साथ करना हमारी परम्परा रही है। इसी भाव के साथ 'सत्ता संदेश' भी अपने पाठकों, शुभचिन्तकों और संरक्षकों को 2026 के आगमन पर दिल की गहराईयों से बधाई और शुभकामनाएं देने का हर्ष ले रहा है। जहां बीता हुआ वर्ष हमें अपने साल भर के कार्यकलापों, सफलताओं, विफलताओं और गलतियों का विषलेष्ण करने व उनसे सीख लेने और गलतियों को सुधारने के लिए प्रेरित करता है, वहीं नए साल में स्वयं के, समाज के, अपने शहर, प्रदेश और राष्ट्र के लिए बेहतर करने का संकल्प लेने की अपेक्षा भी रहती है।

'सत्ता संदेश' आपके साथ अभी गत एक माह से ही संवाद रचाने लगा है, इसलिए वर्ष के अंत में हम आपकी कचहरी में हाजिर होकर आपसे यह फैसला लेंगे कि हम पाठकों को, अपने शहर को, अपने प्रदेश को और देश को प्रकाशित रचनाओं, लेखों और अन्य जानकारीपर्क सामग्री के माध्यम से कुछ बेहतर दे पाने में कितना सफल रहे। जानेंगे आपसे कि क्या समाज को सुंदर और सुदृढ़ बनाने के ध्येय में हम कितना कामयाब रहे और 2026 में प्रत्येक अंक का प्रकाशन क्या समाज में कुछ प्रकाश लाने की दिशा में आगे बढ़ा?

फिलहाल इस पर चर्चा कर लें कि हमारे प्रदेश, पंजाब, ने साल 2025 में क्या खोया, क्या पाया?

पंजाब ने 2025 के अगस्त माह में एक बड़ी त्रासदी का सामना किया। बाढ़ ने राज्य के डेढ़ हजार के करीब गांवों को नुकसान पहुंचाया। पौने 4 लाख एक्क़ड़ के करीब खेत पानी में डूब गये और फसलों को बाढ़ से भारी नुकसान हुआ। इस प्राकृतिक आपदा में सरकार ने किसानों की हर संभव मदद करने का प्रयत्न किया।

आर्थिक फ्रंट पर पंजाब को बड़ी चुनौतियों के साथ दो-चार होना पड़ा। राज्य पर कर्ज का बोझ बढ़ता चला गया।

औद्योगिक क्षेत्र में भी संकट के बादल मंडराए। सरकार ने नए निवेश को आकर्षित करने के इरादे को दोहराया। मुख्यमंत्री ने निवेश हेतु देश के अन्य राज्यों का दौरा कर वहां के निवेशकों को पंजाब में उद्योग स्थापित करने का आग्रह किया और इसी संदर्भ में जापान भी गए। हर साल की तरह जल संकट इस साल भी गहराता चला गया। सरकार ने किसानों को कम पानी वाली फसलें बोने के लिए प्रोत्साहित किया।

धार्मिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में राज्य की प्राप्तियां बहुत प्रभावी रहीं। इनमें श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी की शहादत की 350वीं वर्षगांठ, सभी संप्रदायों में सद्भावना बढ़ाने के उद्देश्य से, मनाया जाना भी अहम है।

नशा विरोधी मुहिम, 'युद्ध नशियां विरुद्ध' के रूप में मनाते हुए बड़े पैमाने पर नशा तस्करी को रोकना और नशा तस्करों को जेलों में डालना भी इस साल सरकार की बड़ी प्राप्ति माना जा सकता है। भ्रष्टाचार के विरुद्ध जीरो टालरेंस नीति के तहत कई बड़े अधिकारियों और सियासी नेताओं के खिलाफ कार्रवाई को भी जनता ने सरकार की एक नेक नियत वाली उपलब्धि माना।

इन चंद मिसालों के माध्यम से यह जाना जा सकता है कि यह साल 2025 चुनौतियों से निपटने वाला और आर्थिक नुकसान कर जाने वाला साल रहा, वहीं यह साल सरकार की कुछ एक अच्छी नीतियों और कुछ अच्छे फैसलों के कारण राज्य की जनता को राहत देने वाला रहा, जबकि कुछ मुद्दों पर सरकार को लोगों की नाराजगी और गुस्सा भी झेलना पड़ा।

आशा करते हैं कि इस साल में हम सब मिलकर अपने स्तर पर किए जाने वाले यत्नों से, और हमारी सरकार अपने जनहित वाली नीतियों से, लोगों का जीवन बेहतर बनाने, सांप्रदायिक सद्भाव को मजबूत बनाने, नशा, भ्रष्टाचार जैसी अलामतों को खत्म करने की दिशा में काम करेंगे ताकि एक बेहतर समाज की कल्पना को साकार रूप दिया जा सके।

-जितेंद्र कुमार, सम्पादक

लोक-परलोक में कल्याण

ईश्वर ने मनुष्य को बुद्धि और विवेक रूपी शक्ति से सुसज्जित करके संसार रूपी कर्मक्षेत्र में भेजा है। इसलिए, ज्ञानपूर्वक कर्म करते हुए अपने मानव जीवन को सफल बनाना और आध्यात्मिक उन्नति करना प्रत्येक मनुष्य का सर्वोत्तम दायित्व है। मनुष्य इस संसार की सर्वोत्कृष्ट रचना है और यह केवल मनुष्य योनि में ही संभव है कि वह अपने पूर्व जन्मों में किए गए कर्मों का भोग प्राप्त करता है और सहजता के साथ श्रेष्ठ कर्म करके अपने परलोक को भी सुधार सकता है। ईश्वर ने मनुष्य को सत्य और असत्य की परख के लिए बुद्धि, ज्ञानेंद्रिय और कर्मेंद्रियां प्रदान की हैं। परमात्मा द्वारा प्रदत्त इन सभी उपहारों को प्राप्त करने के बावजूद, अज्ञान रूपी अंधकार में डूबे रहना मनुष्य की मूर्खता है। ज्ञानपूर्वक कर्म करने के लिए ज्ञानेंद्रियां और कर्मेंद्रियां प्रदान की गई हैं। विश्व के सर्वप्राचीन आध्यात्मिक ग्रंथ वेदों में मनुष्य को ईश्वर के माध्यम से संदेश देते हुए कहा गया है कि उसे इस संसार में रहते हुए प्रतिदिन श्रेष्ठ कर्मों का निष्पादन करते हुए सौ वर्ष तक जीने की इच्छा रखनी चाहिए। इससे अलग, सुख और शांति का मनुष्य के लिए कोई दूसरा रास्ता नहीं है। जीवन में पुण्य कर्मों का निष्पादन करने से मनुष्य कर्मों के बंधन में नहीं फंसता। गीता में भगवान श्री कृष्ण ने भी कहा है कि मनुष्य किसी भी क्षण बिना कर्म किए नहीं रह सकता। अगर वह अपनी कर्मेंद्रियां और ज्ञानेंद्रियां से कोई कर्म नहीं करता, तो भी उसके मानस पटल पर विचार रूपी कर्म निरंतर चलता रहता है। मन में निरंतर निकृष्ट और श्रेष्ठ विचारों का प्रवाह चलता रहता है, जिसे मानसिक कर्म कहा गया है। इसलिए यह निश्चित है कि जीवनयापन करने के लिए कर्म करना ही पड़ेगा और जब कर्म करना निश्चित है, तो क्यों न विवेकपूर्वक, ईश्वरीय आदेश के अनुसार, त्यागपूर्वक निष्काम कर्म किया जाए। ईशोपनिषद की ऋचा में मनुष्य को त्याग भाव से कर्म करने की प्रेरणा देते हुए कहा गया है कि इस संसार की जड़ और चेतन प्रत्येक पदार्थ में ईश्वर व्याप्त है। अर्थात?, इस जगत का कण-कण ईश्वर से व्याप्त है, इसलिए प्रत्येक पदार्थ तथा इस दृश्यमान प्रकृति की सामग्री पर ईश्वर का अधिकार है। वही इसका वास्तविक स्वामी है। इस सृष्टि के जितने भी पदार्थ हैं, वह केवल कुछ समय अवधि के लिए मनुष्य को प्रयोग करने के लिए मिले हैं, इसलिए उन सभी भौतिक पदार्थों का प्रयोग त्याग की भावना से करना चाहिए। पुण्य कर्मों का निरंतर त्यागपूर्वक संपादन करने में ही मनुष्य के इस लोक-परलोक का कल्याण निहित है।

सत्ता संदेश
R.N.I. No. PBHIN/25/A4135
पब्लिशर, एडिटर, मालिक जितेंद्र कुमार और प्रिंटर अश्मीत सिंह ने न्यूजपेपर 'सत्ता संदेश' (हिंदी साप्ताहिक), मे मुंजाल प्रिंटर्स 1558 / 1, अमरपुरा, माता वाली गली, सिविल हस्पताल के पास, लुधियाना, पंजाब – 141008 से छपवाकर अपने आफिस पीएल 42, वर्धमान पार्क, चंडीगढ़ रोड, मुंडियां कलां, लुधियाना, पंजाब – 141015 । से प्रकाशित किया ।
Publisher, Editor, Owner JITENDER KUMAR and Printer ASHMEET SINGH Newspaper Title "SATTA SANDESH" (Hindi Weekly), Printed at MUNJAL PRINTERS 1558/1, AMARPURA MATA WALI GALI, NEAR CIVIL HOSPITAL, LUDHIANA, PUNJAB - 141008 and Published from PL 42, VARDHMAN PARK, CHANDIGARH ROAD, MUNDIAN KALAN, LUDHIANA, PUNJAB - 141015.
M. +91 92162 42177
Email : sattasandesh25@gmail.com

चुनौतियों को पार कर विकास की राह पर घूमता भारत का पहिया

2025 में चुनौतियों को 'सर' करते हुए प्रगति के नये-नये मौकों को खोज कर विकास के राह पर भारत का पहिया घूमता नजर आया। इस दिशा की ओर बढ़ते भारत के कदमों को अनेकों ही चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन इस सब के बावजूद सरकार के आक्रामक पूंजीगत व्यय और निवेश ने इस क्षेत्र में क्रांति ला दी है। सडक़, हवाई अड्डों, बंदरगाहों और डिजिटल कनैक्टीविटी में बड़े पैमाने पर परियोजनाएं न केवल व्यापार को सुगम बना रही हैं बल्कि लाखों लोगों के लिए रोजगार के अवसर भी पैदा कर रही हैं। देश के सुदूरतम क्षेत्रों से लेकर सबसे बड़े शहरी केंद्रों तक संपर्क बढ़ा है। इसी श्रृंखला में मिजोरम के भारत के राष्ट्रीय रेलवे नेटवर्क से जुडऩे से इतिहास रचा गया। पूर्वोत्तर के लिए यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है और राज्य की जनता की लंबे समय से चली आ रही मांग पूरी हुई है। वहीं भारत का मैट्रो नैटवर्क 2014 में 248 कि.मी. से बढक़र 2025 में 1013 कि.मी. हो गया। भारत अब विश्व का तीसरा सबसे बड़ा मैट्रो नैटवर्क होने का गौरव रखता है। इसके अलावा मई, 2025 में छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित मोहला मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले के 17 दूरस्थ गांवों में आजादी के बाद पहली बार ग्रिड बिजली पहुंची, जिससे 540 परिवारों को लाभ हुआ। वहीं देश में राष्ट्रीय राजमार्ग नैटवर्क की लंबाई मार्च, 2019 के 1,32,499 कि.मी. से बढक़र अब 1,46,560 कि.मी. हो गई है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में अवसंरचना क्षेत्र में सरकारी पूंजी निवेश बढक़र 11.21 लाख करोड़ रुपए हो गया है, जो सकल घरेलू उत्पाद का 3.1 प्रतिशत है। वहीं, भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 2047 तक हर 12-18 महीनों में 1 ट्रिलियन डॉलर की वृद्धि होने का अनुमान है।

विश्व के सबसे ऊंचे रेलवे पुल की शुरूआत

ऊधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक परियोजना के अंतर्गत विश्व के सबसे ऊंचे रेलवे पुल, चिनाब पुल के उद्घाटन के साथ भारत की इंजीनियरिंग क्षमता ने नई ऊंचाइयों को छुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तमिलनाडु में नए पंबन पुल का भी उद्घाटन किया। यह भारत का पहला वर्टिकल-लिफ्ट समुद्री पुल है। 8900 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित 'विझिंजम अंतर्राष्ट्रीय गहरे पानी के बहुउद्देश्यीय बंदरगाह' का भी उद्घाटन किया गया।

बिहार में पहली रैपिड रेल का शुभारंभ

बिहार की पहली वंदे मैट्रो, जिसे नमो भारत रैपिड रेल के नाम से भी जाना जाता है, का शुभारंभ जयनगर को पटना से जोडऩे के लिए किया गया है, जिससे क्षेत्रीय संपर्क में सुधार हुआ है। यह अपनी तरह की पहली पूरी तरह से वातानुकूलित और बिना आरक्षण वाली ट्रेन है जो पटना केवल साढ़े पांच घंटे में पहुंचाती है, जबकि अन्य ट्रेनों को लगभग 8 घंटे लगते हैं।

अब 160 से अधिक हवाई अड्डे

भारत का आसमान पहले से कहीं अधिक व्यस्त है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा घरेलू विमानन बाजार बन गया है। देश में हवाई अड्डों की संख्या 2014 के 74 से बढक़र 2025 में 163 हो गई। वहीं, सरकार का लक्ष्य 2047 में भारत की आजादी की शताब्दी तक हवाई अड्डों की संख्या को 350-400 तक पहुंचाना है।

जम्मू-कश्मीर में हर मौसम में संपर्क सुनिश्चित

2025 में प्रधानमंत्री ने जम्मू और कश्मीर में रणनीतिक जेड-टर्न सुरंग का उद्घाटन किया, जो एक महत्वपूर्ण अवसंरचना परियोजना है और सोनमर्ग तक साल भर संपर्क सुनिश्चित करती है और लद्दाख क्षेत्र तक पहुंच को मजबूत बनाती है। श्रीनगर-लेह राजमार्ग के बर्फ से ढके हिस्सों को बाईपास करने के लिए निर्मित यह सुरंग नागरिक यातायात, पर्यटन प्रवाह और आपातकालीन पहुंच में उल्लेखनीय सुधार करती है। साथ ही राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा रसद के लिए एक महत्वपूर्ण रणनीतिक संपत्ति के रूप में भी कार्य करती है।

दिल्ली-मेरठ आर. आर. टी. एस. कोरिडोर

दिल्ली-मेरठ आर. आर. टी. एस. कोरिडोर का अंतिम चरण पूरी तरह से वाणिज्यिक परिचालन के लिए खोल दिया गया है, जिससे दिल्ली के सराय काले खान से मेरठ के मोदीपुरम तक का 82.15 कि.मी. कामार्ग पूरा हो गया है। आर. आर. टी. एस. महानगरीय परिवहन को नया रूप देता है। 180 कि.मी. प्रति घंटे की रफ्तार वाले ये कोरिडोर क्षेत्रीय कनैक्टीविटी के लिए भारत के दृष्टिकोण को दर्शाते हैं।

2026 का चुनावी संग्राम

पाँच राज्यों से तय होगी 2029 की राजनीति की दिशा

साल 2026 की शुरुआत के साथ ही देश की राजनीति एक अहम मोड़ पर खड़ी दिखाई दे रही है। पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु, असम और केंद्रशासित प्रदेश पुडुचेरी में होने वाले विधानसभा चुनाव केवल स्थानीय सत्ता की लड़ाई नहीं होंगे, बल्कि 2029 के लोकसभा चुनाव की दिशा और दशा को भी काफी हद तक स्पष्ट करेंगे।

बिहार में एनडीए की जीत के बाद जहाँ विपक्ष के हौसले कमजोर पड़े हैं, वहीं भाजपा के सामने अब हर राज्य में अलग-अलग तरह की राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक चुनौतियाँ उभर कर सामने आ रही हैं। यदि असम और पुडुचेरी को अपवाद मान लिया जाए, तो पश्चिम बंगाल, केरल और तमिलनाडु भाजपा के लिए सबसे कठिन रणक्षेत्र साबित हो सकते हैं। इन राज्यों में पार्टी या तो विपक्ष की भूमिका में है या फिर मजबूत क्षेत्रीय दलों की जड़ें काफी गहरी हैं।

पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के बीच संघर्ष पिछले एक दशक से लगातार तीखा बना हुआ है। 2021 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने कड़ा मुकाबला किया था और अपने वोट प्रतिशत में भी बढ़ोतरी दर्ज की थी, लेकिन उसके बाद लोकसभा और उपचुनावों में पार्टी को अपेक्षित सफलता नहीं मिली। दूसरी ओर, तृणमूल ने न सिर्फ अपना आधार मजबूत किया, बल्कि कांग्रेस और वाम दलों की कमजोरी का लाभ भी उठाया। मुस्लिम मतदाताओं का बढ़ता ध्रुवीकरण तृणमूल के पक्ष में जाता दिखता है, जबकि भाजपा के लिए सामाजिक संतुलन साधना अब भी एक बड़ी चुनौती है।

असम में राजनीतिक तस्वीर कुछ अलग है। यहाँ भाजपा सत्ता में जरूर है, लेकिन कांग्रेस द्वारा एआईयूडीएफ से दूरी बनाकर मुस्लिम मतदाताओं को एकजुट करने की कोशिश ने मुकाबले को जटिल बना दिया है। नागरिकता संशोधन कानून, एनआरसी और जनगणना जैसे मुद्दे भाजपा के लिए दोधारी तलवार साबित हो सकते हैं। इसके बावजूद, संगठनात्मक मजबूती के कारण भाजपा यहाँ अपनी स्थिति बनाए रखने की कोशिश में जुटी है।

तमिलनाडु में द्रविड़ राजनीति की मजबूत परंपरा, भाजपा की सीमित सामाजिक स्वीकार्यता और विपक्षी खेमे की बिखरी स्थिति, सभी मिलकर यहाँ की लड़ाई को एकतरफा बनाते हैं। वहीं केरल में भाजपा हालिया स्थानीय निकाय चुनावों में कुछ बढ़त जरूर दर्ज कराने में सफल रही है, लेकिन राज्य की स्पष्ट जातीय-सांप्रदायिक संरचना के कारण उसका प्रभाव अब भी सीमित है। यहाँ भाजपा के वोट बढ़ने का सीधा लाभ वाम मोर्चे की मुश्किलें बढ़ाने में दिख सकता है, जिसका अप्रत्यक्ष फायदा कांग्रेस को मिलने की संभावना है। पुडुचेरी में सत्ता समीकरण बेहद नाजुक हैं। यहाँ छोटे-छोटे राजनीतिक बदलाव भी सरकार की स्थिरता को प्रभावित कर सकते हैं, इसलिए किसी भी दल के लिए परिणाम को लेकर पूर्ण आश्वस्त होना मुश्किल है।

कुल मिलाकर, 2026 के ये विधानसभा चुनाव केवल राज्यों की सत्ता तय नहीं करेंगे, बल्कि यह भी बताएँगे कि भाजपा की विस्तार रणनीति कितनी सफल हो रही है और विपक्ष किस हद तक खुद को नए सिरे से संगठित कर पाता है। भारतीय राजनीति का अनुभव यही कहता है कि अंतिम फैसला अक्सर आखिरी दौर की रणनीति और मतदाता की मनोदशा तय करती है–और यही अनिश्चितता इन चुनावों को खास और बेहद रोचक बनाती है।

-राम मनोहर रायकवार

छात्र संदेश

कल की आवाज, आज के पन्ने पर

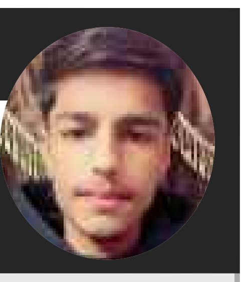

सागर अरोड़ा

कक्षा-12वीं, स्कूल-राष्ट्रीय बाल विद्या मन्दिर सीनियर सैकेंडरी स्कूल।

'बढ़ती महंगाई' गंभीर व जटिल समस्या

महंगाई आज के समय की एक गंभीर और जटिल समस्या है, जो आम आदमी के जीवन को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करती है। महंगाई का अर्थ है वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों में लगातार वृद्धि होना। जब दैनिक उपयोग की चीजें जैसे दाल, चावल, सब्जी, दूध, पैट्रोल, गैस और दवाईयां महंगी हो जाती हैं तो लोगों की आय वही रहने पर भी उनकी क्रय शक्ति कम हो जाती है। इसका सबसे अधिक असर मध्यम वग्र और गरीब वर्ग पर भी पड़ता है क्योंकि उनकी आमदनी सीमित होती है और खर्च लगातार बढ़ता जाता है। महंगाई के मुख्य कारनों में जनसंख्या वृद्धि, उत्पादन में कमी, प्राकृतिक आपदाएं, ईंधन की कीमतों में बढ़ौतरी, करों में वृद्धि, जमाखोरी और काला बाजारी प्रमुख हैं। इसके अलावा आयात- निर्यात में असंतुलन और वैश्विक आर्थिक परिस्थितियां भी महंगाई को बढ़ावा देती हैं। जब मांग अधिक और आपूर्ति कम होती है, तब कीमतें स्वत: बढ़ जाती हैं। महंगाई के कारण लोगों का अपने जीवन स्तर में कटौती करनी पड़ती है और शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण जैसी आवश्यकताओं पर भी इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। कई परिवार बचत नहीं कर पाते और कर्ज पर निर्भर हो जाते हैं। इससे सामाजिक असमानता भी बढ़ती है। महंगाई पर नियंत्रण के लिए सरकार को ठोस कदम उठाने, आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति बढ़ाना, जमाखोरी पर सख्त कार्रवाई करना, रोजगार के अवसर बढ़ाना और उत्पादन को प्रोत्साहन देना जरूरी है। साथ ही आम जनता को भी विवेकपूर्ण खर्च करना चाहिए। यदि सरकार और नागरिक मिलकर प्रयास करें तो महंगाई पर काफी हद तक नियंत्रण पाया जा सकता है।

'प्रलय' की उड़ान: आत्मनिर्भर भारत की रक्षा शक्ति का निर्णायक संदेश

बीते एक दशक में भारत ने विकास की जिस तेज़ रफ्तार को अपनाया है, उसने देश की पहचान को केवल उभरती अर्थव्यवस्था तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे वैश्विक नेतृत्व की पंक्ति में लाकर खड़ा कर दिया है। आर्थिक सशक्तिकरण, बुनियादी ढांचे का विस्तार और कूटनीतिक प्रभाव–इन तीनों मोर्चों पर भारत की प्रगति ने दुनिया का ध्यान आकर्षित किया है। आज भारतीय कूटनीति आत्मविश्वास से भरी हुई है और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर देश की निर्णायक भूमिका इसका प्रमाण बन चुकी है।

इस व्यापक परिवर्तन की सबसे ठोस और रणनीतिक झलक रक्षा क्षेत्र में देखने को मिलती है। कभी हथियारों के लिए आयात पर निर्भर रहने वाला भारत अब स्वदेशी तकनीक के बल पर अपनी रक्षा जरूरतें पूरी करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मित्र देशों के साथ हुए रक्षा समझौते इस बदलाव की गवाही देते हैं। यह परिवर्तन केवल आर्थिक उपलब्धि नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आत्मनिर्भरता और आत्मसम्मान का भी प्रतीक है।

इसी क्रम में भारत ने डीआरडीओ द्वारा विकसित 'प्रलय' मिसाइल का सफल परीक्षण कर एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है। ओडिशा तट के पास एक ही लॉन्चर से कम समय के अंतराल में दो प्रलय मिसाइलों का सफल प्रक्षेपण न केवल तकनीकी दक्षता का प्रमाण है, बल्कि भारत की त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता को भी दर्शाता है। इस परीक्षण का उद्देश्य मिसाइल प्रणाली की विश्वसनीयता और युद्धकालीन उपयोगिता को परखना था, जिसमें दोनों मिसाइलें पूरी तरह सफल रहीं।

परीक्षण के दौरान मिसाइलों ने निर्धारित मार्ग का सटीक पालन किया और सभी लक्ष्यों को सफलतापूर्वक भेदा। आधुनिक निगरानी प्रणालियों की भूमिका भी इस दौरान अहम रही। चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज पर तैनात ट्रैकिंग सेंसरों ने पूरे प्रक्षेपण की सटीक पुष्टि की, जबकि लक्ष्य क्षेत्र के निकट लगे टेलीमेट्री सिस्टम ने अंतिम चरण की हर गतिविधि को रिकॉर्ड किया। यह समन्वित निगरानी भारत की परीक्षण क्षमता की परिपक्वता को दर्शाती है।

'प्रलय' एक स्वदेशी, ठोस ईंधन से चलने वाली क्वासी-बैलिस्टिक मिसाइल है, जिसमें अत्याधुनिक गाइडेंस और नेविगेशन सिस्टम लगे हैं। इसकी सबसे बड़ी विशेषता इसकी सटीकता और बहुउपयोगिता है। यह विभिन्न प्रकार के पेलोड ले जाने में सक्षम है और अलग-अलग लक्ष्यों को भेद सकती है। यही कारण है कि यह मिसाइल केवल सामरिक संतुलन को मजबूत नहीं करती, बल्कि संभावित खतरों के प्रति भारत की प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ाती है।

इस मिसाइल का विकास हैदराबाद स्थित अनुसंधान केंद्र के नेतृत्व में किया गया, जिसमें डीआरडीओ की कई प्रयोगशालाओं और भारतीय उद्योगों का अहम योगदान रहा। भारत डायनेमिक्स लिमिटेड और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ने विकास-सह-उत्पादन भागीदार के रूप में सिस्टम इंटीग्रेशन का कार्य संभाला। यह सहयोग 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' की भावना का सशक्त उदाहरण है।

रक्षा मंत्री द्वारा इस सफलता पर दी गई बधाई और डीआरडीओ प्रमुख का यह विश्वास कि 'प्रलय' शीघ्र ही सेना में शामिल होगी, इस बात का संकेत है कि भारत अब केवल भविष्य की तैयारी नहीं कर रहा, बल्कि वर्तमान को भी सुरक्षित बना रहा है। 'प्रलय' की यह सफल उड़ान भारत की उस सामरिक सोच की उड़ान है, जो आत्मनिर्भरता, आत्मविश्वास और राष्ट्रीय सुरक्षा के नए मानक स्थापित कर रही है।

— जसवंत सिंह राजपूत

दिल्ली की अदालतों में इस साल रही सोनिया, राहुल व लालू जैसे दिग्गजों के केसों की गूंज

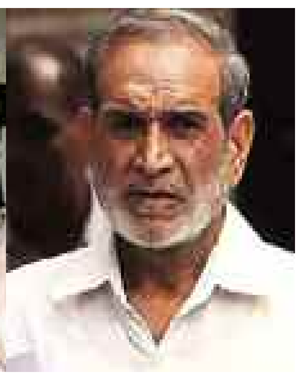

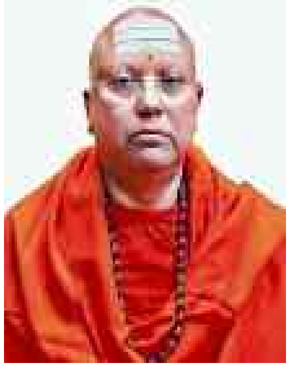

दिल्ली (ब्यूरो) -दिल्ली की अदालतों में इस साल सोनिया गांधी, राहुल गांधी, लालू प्रसाद यादव जैसे दिग्गज नेताओं से जुड़े मामलों की गूंज रही। इसके अलावा अदालतों में मुंबई आतंकवादी हमले और लाल किला विस्फोट मामलों में भी सुनवाई हुई। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर हमले से संबंधित मामला, अगस्ता वेस्टलैंड मामला, 1984 के सिख विरोधी दंगों के मामले में कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार की दोषसिद्धि और कथित छेड़छाड़ मामले में स्वयंभू धर्मगुरु चैतन्यानंद सरस्वती के मुकदमे की कार्यवाही ने भी सुर्खियां बटोरीं।

नैशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी और अन्य के खिलाफ कथित धनशोधन के आरोपपत्र का संज्ञान लेने से दिल्ली की एक अदालत द्वारा इनकार किए जाने ने प्रवर्तन निदेशालय को असहज स्थिति में डाल दिया। अदालत ने कहा था कि ईडी ने 2021 में प्राथमिकी दर्ज करके धनशोधन रोकथाम अधिनियम के प्रारूप को पूरी तरह उलट दिया।

बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी, उनके बेटे तेजस्वी प्रसाद यादव और 11 अन्य लोगों के खिलाफ कथित आर.सी.आई.डी.सी. घोटाला मामले में धोखाधड़ी, आपराधिक साजिश और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के प्रावधानों के तहत आरोप तय किए गए।

अदालत ने तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि इस मामले में भूमि और शेयरों के लेन-देन संभवत~ रांची और पुरी में रेलवे होटलों में निजी भागीदारी को बढ़ावा देने की आड़ में भाई-भतीजावाद पूंजीवाद का एक उदाहरण थे।

एक और मामला जिसने सुर्खियां बटोरीं, वह 26/11 मुंबई हमले का मामला था जिसमें हमलों के मुख्य साजिशकर्ता डेविड कोलमैन हेडली उर्फ दाऊद गिलानी के करीबी सहयोगी तहव्वुर राणा को भारत लाया गया था। नवंबर में एक भयावह घटना हुई जिसने पूरे देश को झकझोर दिया। 10 नवंबर को लाल किले के बाहर उमर-उन-नबी नामक आत्मघाती हमलावर ने विस्फोटक से भरी कार में विस्फोट किया जिसमें 15 लोग मारे गए। रेखा गुप्ता पर एक सार्वजनिक कार्यक्रम में हुए हमले के मामले में अदालत ने राजेशभाई खिमजीभाई और उनके मित्र तहसीन रजा रफीउल्लाह शेख के खिलाफ हत्या के प्रयास सहित कई आरोप तय करके मुकदमे की कार्यवाही शुरू करने का मार्ग प्रशस्त किया है। गुप्ता पर 20 अगस्त को सिविल लाइंस क्षेत्र में स्थित उनके कैंप कार्यालय में आयोजित 'जन सुनवाई' कार्यक्रम के दौरान हमला हुआ था।

यहां की एक अदालत ने पूर्व कांग्रेस सांसद सज्जन कुमार को 1984 के सिख विरोधी दंगों से जुड़े एक हत्या मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाई। अदालत ने कहा कि उनकी वृद्धावस्था और बीमारी को देखते हुए मृत्युदंड के बजाय कम सजा देना उचित था। अदालत ने एक नवंबर, 1984 को जसवंत सिंह और उनके बेटे तरुणदीप सिंह की हत्या के मामले में यह फैसला सुनाया।

अगस्तावेस्टलैंड वीवीआईपी हेलीकॉप्टर घोटाला मामले में, अदालत ने ईडी द्वारा दायर धनशोधन मामले में कथित बिचौलिए क्रिश्चियन जेम्स मिशेल को हिरासत से रिहा करने का आदेश दिया। बाद में, अदालत ने घोटाले से संबंधित सी.बी.आई. मामले में मिशेल की जमानत की शर्तों में भी संशोधन किया।

स्वयंभू धर्मगुरु सरस्वती, जिन पर यहां एक निजी प्रबंधन संस्थान में 17 महिला छात्राओं के साथ छेड़छाड़ का आरोप है, को पहले पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेजा गया और फिर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। नवंबर में, एक अदालत ने जेल में बंद लोकसभा सदस्य इंजीनियर रशीद को संसद के शीतकालीन सत्र में भाग लेने की अनुमति दी। उन्हें संसद के मानसून सत्र में भाग लेने के लिए 24 जुलाई से 4 अगस्त के बीच पैरोल पर भी रिहा किया गया।

लाडोवाल टोल प्लाजा पर वाहन चालकों को झेलनी पड़ रही है दोहरी मार

भीख मांगने वाले भी करते हैं वाहन चालकों से धक्केशाही

लुधियाना (सत्ता संदेश)-नैशनल हाईवे पर स्थित देश के सबसे महंगे लाडोवाल टोल प्लाजा पर वाहन चालकों को टोल फीस के साथ भीख मांगने वालों से मार भी झेलनी पड़ रही है। इस टोल प्लाजा पर एक दर्जन से ज्यादा भिखारी प्रतिदिन वाहन चालकों से जबरदस्ती पैसे वसूल करते दिखाई देते हैं, परंतु इनके खिलाफ कार्रवाई करने वाला कोई भी विभाग इस समस्या को दूर करने की तरफ गंभीर दिखाई नहीं दे रहा है। बताया जा रहा है कि लाडोवाल टोल प्लाजा देश का सबसे महंगा टोल प्लाजा होने के कारण पूरी दुनिया में मशहूर है, परंतु इस जगह पर जहां वाहन चालकों को सबसे ज्यादा टोल फीस देनी पड़ रही है वहीं दूसरी तरफ टोल प्लाजा पर भीख मांगने वाले लोगों द्वारा वाहन चालकों से धक्केशाही के साथ पैसे वसूल किए जा रहे हैं। अगर कोई शादी वाली कार टोल प्लाजा से निकलती है तो यह लोग उससे धक्केशाही के साथ पैसे वसूल करते हैं। अगर वाहन चालक कम पैसे दे तो उसके साथ बद्दुआ देने का ड्रामा शुरू कर देते हैं। इसके बाद मजबूर होकर वाहन चालक को इन लोगों को मुंह मांगी रकम देनी पड़ती है। बताया जा रहा है कि लाडोवाल टोल प्लाजा पर भीख मांगने वालों का एक गिरोह बना हुआ है, जो सभी आपस में मिलकर धक्केशाही के साथ वाहन चालकों से पैसे की वसूली कर रहे हैं। आए दिन किसी न किसी वाहन चालक का इन भीख मांगने वाले गिरोह के साथ बहसबाजी आम होती दिखाई देती है, परंतु इस समस्या को दूर करने वाला विभाग कुंभकर्णी नींद में सोया हुआ है।

मौके पर खुद जांच करेंगी थाना लाडोवाल प्रभारी गुरशिंदर कौर

जब लाडोवाल टोल प्लाजा पर धक्केशाही से भीख मांगने वाले भिखारी संबंधी थाना लाडोवाल की प्रभारी गुरशिंदर कौर से बात की गई तो उन्होंने बताया कि यह मामला उनके ध्यान में नहीं था। उन्होंने बताया कि वह खुद मौके पर जाकर इसकी जांच करेंगी, अगर कोई भी व्यक्ति कानून की उल्लंघना करेगा तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि जो आदेश जिला प्रशासन द्वारा दिए गए हैं, उस पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

डिप्टी कमिश्नर के सख्त निर्देशों के बावजूद उड़ाई जा रही हैं धज्जियां

लुधियाना के डिप्टी कमिश्नर हिमांशु जैन द्वारा भीख मांगने वाले लोगों के खिलाफ सख्त निर्देश जारी किए गए हैं कि इन लोगों को कोई भी व्यक्ति भीख के रूप में पैसे न दे। अगर कोई भी भिखारी किसी व्यक्ति से धक्केशाही के साथ पैसे की मांग करता है तो उसके खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की जा सके परंतु, लाडोवाल टोल प्लाजा पर डिप्टी कमिश्नर हिमांशु जैन के आदेशों की सरेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं, जिसके कारण टोल प्लाजा पर सरेआम वाहन चालकों से भीख के रूप में पैसे वसूल किए जा रहे हैं।

यात्रा के दौरान सार्वजनिक चार्जिंग प्वाइंट का इस्तेमाल हो सकता है नुकसानदेह

220V
220V
220V
USB
USB
USB

खतरे की भी बन सकता है वजह

जम्मू (सत्ता संदेश)-वर्तमान में स्मार्टफोन हमारी सबसे बड़ी जरूरतों में से एक है क्योंकि इसके जरीये हमारे लिए यात्रा से जुड़ी हर जानकारी-चाहे टिकट हो, रास्तों की दिशा, होटल आरक्षण, डिजिटल भुगतान या अपनों से संपर्क-सब कुछ मोबाइल के सहारे ही संभव है। ऐसे में अकसर लोग यात्रा के दौरान या अन्य किसी कारण जब रास्ते में फोन की बैटरी खत्म होने लगती है, तो रेलवे स्टेशन, एयरपोर्ट या बस स्टैंड पर मौजूद सार्वजनिक चार्जिंग पॉइंट बड़ी सहायक सिद्ध होते हैं, वहीं यह सुविधा कई बार गंभीर खतरे की वजह भी बन सकती है। साइबर विशेषज्ञों के अनुसार पब्लिक चार्जिंग पोर्ट केवल फोन चार्ज करने का जरिया नहीं होते, बल्कि इनके माध्यम से डेटा ट्रांसफर भी संभव होता है। इसी तकनीकी जोखिम को 'जूस जैकिंग' कहा जाता है। इस तरह के मामलों में साइबर अपराधी चार्जिंग के दौरान मोबाइल में खतरनाक सॉफ्टवेयर डाल सकते हैं या यूजर की निजी जानकारी तक चोरी-छिपे पहुंच बना सकते हैं। जब कोई व्यक्ति अपना स्मार्टफोन पब्लिक यूएसबी चार्जिंग पोर्ट से जोड़ता है, तो उसमें मौजूद तस्वीरें, कॉन्टैक्ट, ई-मेल, बैंकिंग और पेमेंट ऐप्स का डेटा, सोशल मीडिया अकाउंट्स और पासवर्ड तक खतरे में आ सकते हैं। कई मामलों में हैकर फोन पर नियंत्रण हासिल कर लेते हैं, जिससे आर्थिक नुकसान की आशंका भी बढ़ जाती है। यात्रा के दौरान अकसर लोग जल्दबाजी और थकान में सुरक्षा पहलुओं को नजर अंदाज कर देते हैं, और इसी लापरवाही का फायदा साइबर अपराधी उठाते हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि अगर पब्लिक चार्जिंग के साथ फ्री वाई-फाई का इस्तेमाल किया जाए, तो जोखिम और भी ज्यादा बढ़ जाता है।

साइबर सुरक्षा के दृष्टिगत यात्रियों को सलाह

साइबर सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे यात्रा करने के दौरानं अपना चार्जर और पावर बैंक जरूर साथ रखें। मजबूरी में अगर सार्वजनिक चार्जिंग का सहारा लेना पड़े, तो केवल बिजली वाले सॉकेट से ही अपना फोन चार्ज करें और यूएसबी पोर्ट से दूरी बनाए रखें। किसी भी अनजान परमिशन या नोटिफिकेशन पर क्लिक न करें। इसके साथ ही मोबाइल का सॉफ्टवेयर और सुरक्षा अपडेट हमेशा चालू रखें। कुल मिलाकर, पब्लिक चार्जिंग पॉइंट भले ही आसान समाधान लगें, लेकिन इनके जरिए आपकी निजी जानकारी और आर्थिक सुरक्षा को नुकसान पहुंच सकता है। इसलिए सफर के दौरान थोड़ी सतर्कता और समझदारी अपनाकर बड़े साइबर खतरे से बचा जा सकता है।

दिग्विजय द्वारा आरएसएस की तारीफ पर राहुल हुए ख़फ़ा

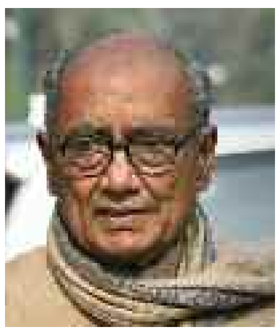

नई दिल्ली-वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह द्वारा आरएसएस की तारीफ वाले बयान से कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी खासे नाराज नजर आ रहे हैं। कांग्रेस के स्थापना दिवस कार्यक्रम में जब राहुल गांधी और दिग्विजय सिंह का आमना सामना हुआ तो राहुल ने दिग्विजय से कहा कि आपने गलत किया। बताया जा रहा है कि राहुल गांधी ने दिग्विजय सिंह से हाथ मिलाते हुए मजाकिया अंदाज में तंज कसते हुए कहा कि कल आपने गलत व्यवहार कर दिया। इस दौरान सोनिया गांधी समेत कई नेता उपस्थित थे। दोनों नेताओं का संवाद सुन सोनिया भी मुस्कुराने लगी। हालांकि इसके बाद दोनों नेता सहज रूप से बात करते दिखाई दिए। दरअसल दिग्विजय सिंह सोशल मीडिया पर अपनी एक पोस्ट में आरएसएस के संगठनात्मक शक्ति का जिक्र करते हुए उसकी तारीफ की थी। उनके इसी बयान पर पार्टी के अंदर विरोध और समर्थन देखने को मिल रहा है। दिग्विजय सिंह ने 1990 के दशक की एक ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीर शेयर की थी। इस तस्वीर में युवा नरेंद्र मोदी गुजरात में एक कार्यक्रम में वरिष्ठ भाजपा नेता एलके आडवाणी के पास जमीन पर बैठे दिख रहे हैं। फोटो के साथ उन्होंने लिखा कि जो लोग कभी जमीनी स्तर पर काम करते थे, वे संगठनात्मक पदानुक्रम में ऊपर उठकर मुख्यमंत्री और आखिरकार प्रधानमंत्री बन सकते हैं। इससे पहले पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े ने दिग्विजय का नाम लिए बिना कहा- कांग्रेस ने कभी संविधान, धर्मनिरपेक्षता और गरीबों के अधिकारों से समझौता नहीं किया है।

पांच साल के अंतराल बाद दिल्ली में 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस परेड में दिखेगी हि.प्र. की झांकी

झांकी की थीम 'गैलेंटरी अवार्डीज ऑफ हिमाचल प्रदेश' रखी गई है

देश के लिए प्राण न्योछावर करने वाले वीर सैनिकों को समर्पित होगी हिमाचल की झांकी

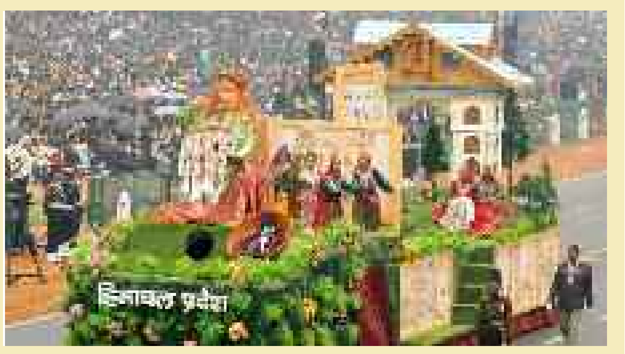

शिमला, (सत्ता संदेश)-राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 26 जनवरी 2026 को होने वाली गणतंत्र दिवस परेड में हिमाचल प्रदेश की झांकी एक बार फिर देश-दुनिया के सामने अपनी पहचान दर्ज कराएगी। पांच साल के लंबे अंतराल के बाद रक्षा मंत्रालय ने हिमाचल के झांकी मॉडल को मंजूरी दे दी है। भाषा एवं संस्कृति विभाग ने झांकी निर्माण के लिए टैंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है। वर्ष 2020 के बाद से लगातार गणतंत्र दिवस परेड के लिए हिमाचल की झांकी का चयन नहीं हो पाया था। ऐसे में 2026 की परेड में हिमाचल की वापसी को राज्य के लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। इस बार हिमाचल की झांकी पूरी तरह से देश के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले वीर सैनिकों को समर्पित होगी। झांकी की थीम 'गैलेंटरी अवार्डीज ऑफ हिमाचल प्रदेश' रखी गई है। इसमें परमवीर चक्र, महावीर चक्र और अशोक चक्र से सम्मानित हिमाचल के वीर सपूतों की तस्वीरें और प्रतीकात्मक प्रस्तुतियां शामिल की जाएंगी। झांकी के माध्यम से दर्शाया जाएगा कि सीमांत और पहाड़ी प्रदेश होने के बावजूद हिमाचल ने देश की रक्षा में सदैव अग्रणी भूमिका निभाई है। सेना में हिमाचल के युवाओं की बड़ी भागीदारी और उनके अदम्य साहस को झांकी के माध्यम से राष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत किया जाएगा।

झांकी के साथ सुनाई देगी 'मेरा हिमाचलो बड़ा बांका' गीत की धुन

कर्तव्य पथ पर हिमाचल प्रदेश की झांकी के साथ लागा ढोलो रा धमाका, मेरा हिमाचलो बड़ा बांका गीत की धुन भी सुनाई देगी। वीरभूमि हिमाचल के बलिदानियों को याद करने के लिए यह विशेष धुन तैयार की जा रही है। जब यह धुन कर्तव्य पथ पर बजेगी, वहां मौजूद हर व्यक्ति के मन में सम्मान, कृतज्ञता और गर्व का भाव उमड़ पड़ेगा।

साइबर ठगों के मकडज़ाल में फंसता आम व्यक्ति

नई दिल्ली-आधुनिकता के इस युग में एक तरफ इंसान के कदम तरक्की की ओर बढ़ते जा रहे हैं तो दूसरी तरफ धोखाधड़ी व ठगी का खेल भी भारी पड़ रहा है। मौजूदा समय साइबर ठगों के मकडज़ाल में फंस कर आम व्यक्ति अपनी कड़ी मेहनत के साथ कमाई दौलत को कुछ ही मिनटों में गंवा बैठता है। शायद ही कोई दिन ऐसा जाता होगा जब कोई बुजुर्ग या आम लोग साइबर ठगी के शिकार न हुए हों। पिछले दिनों महाराष्ट्र में एक सेवानिवृत्त जज भी डिजिटल अरेस्ट स्कैम के शिकार हो गए। पिछले सप्ताह ऐसा ही एक अन्य दुखद मामला पुणे से सामने आया जब साइबरों ठगों ने एक 82 वर्षीय सेवानिवृत्त अधिकारी को डिजिटल हाउस अरेस्ट स्कैम में फंसाकर 1.19 करोड़ लूट लिए। कई दिन के मानसिक उत्पीडऩ व आर्थिक क्षति से टूट गए वृद्ध की आखिर सदमे से मौत हो गई। यह विचारणीय पहलू है कि कैसे पढ़े-लिखे लोग साइबर ठगों की साजिश की गिरफ्त में आ जाते हैं। वैसे आम आदमी को साइबर ठगों व फर्जी फोन कॉल्स से बचाने के लिये पुख्ता व्यवस्था होना बेहद जरूरी है। आम लोगों की सुविधा व सुरक्षा के लिये सरकार के प्रयासों के बाद अब दूरसंचार विभाग ने मार्च 2026 में ऐसी व्यवस्था लागू करने के तैयारी की, जिसमें बिना टरू-कॉलर के खुद मोबाइल अवांछित फोन के प्रति सजग करेगा। नियामक संस्था ट्राई ने इस प्रस्ताव पर सहमति जतायी है। यह विडंबना ही कि जैसे-जैसे नई तकनीक आम आदमी के जीवन में सुविधा लाती है, वहीं असामाजिक तत्व उसे लूट-खसोट का हथियार बनाने में आगे निकल जाते हैं। देश में इंटरनेट सेवाओं के विस्तार और मोबाइल फोन की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि के साथ ही साइबर अपराधों में खासी तेजी आई है। जरा सी चूक होने पर लाखों लोग, साइबर धोखाधड़ी में अपने जीवनभर की पूंजी कुछ ही क्षणों में गवां देते हैं। अपराधियों का संजाल इतना विस्तृत व रहस्यमय है कि प्रवर्तन एजेंसियां जब तक उन तक पहुंचती हैं, पैसा विदेशों में ट्रांसफर हो जाता है। इस संकट का एक पहलू अनजान नंबरों से आने वाली फोन कॉल्स होती हैं, जिसके जरिये अपराधी लोगों को भ्रमित कर जीवन की जमा पूंजी लूट लेते हैं। दरअसल, संचार क्रांति के चलते तमाम सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध हुई हैं, लेकिन इस सुविधा के साथ पुरानी पीढ़ी साम्य नहीं बैठा पाती है। अब इसी चुनौती को दूर करने के लिये दूरसंचार विभाग आम उपभोक्ता को ऐसी सुविधा देने जा रहा है, जिसमें फोन करने वाले को पहचाना जा सकेगा। फोन पर कॉल करने वाले व्यक्ति का नाम लिखा नजर आएगा। फिर व्यक्ति अपनी सुविधा अनुसार फोन कॉल्स लेना तय कर सकता है। दूरसंचार नियामक ट्राई की मंजूरी के बाद इस दिशा में तेजी से काम हो रहा है। हालांकि, फोन करने वाले व्यक्ति की जानकारी जुटाने के कई ऐप अभी भी मौजूद हैं, लेकिन उनका उपयोग कुछ ही लोग कर पाते हैं। वैसे ऐसा निश्चित रूप से नहीं कहा जा सकता कि ऐप द्वारा दी जाने वाली सूचना सटीक है। ऐसे में यदि दूरसंचार विभाग की कोशिश सिरे चढ़ती है तो इससे करोड़ों उपभोक्ताओं को सुरक्षा कवच मिल पाएगा। पहले इस सुविधा का लेना मांग पर आधारित था, लेकिन बाद में तय किया गया कि यह सुविधा प्रत्येक मोबाइल उपयोगकर्ता को उपलब्ध करायी जाएगी। विश्वास किया जा रहा है कि अगले साल मार्च तक पूरे देश में यह सुविधा उपलब्ध हो जाएगी। जानकारों का मानना है कि इस सुविधा से किसी सीमा तक मोबाइल के जरिये धोखाधड़ी करने वाले अपराधियों पर नकेल कसी जा सकेगी। मोबाइल उपयोगकर्ता की सजगता इसमें मददगार हो सकेगी। स्क्रीन पर अनजान नंबर व नाम देखने के बाद मोबाइलधारक फोन कॉल्स को उठाने से बच सकता है। वैसे इसके साथ ही देश में डिजिटल साक्षरता की दिशा में व्यापक पहल करने की जरूरत है। विभिन्न सूचना माध्यमों के जरिये लोगों को सजग-सतर्क किए जाने की आवश्यकता है। शहरों से लेकर ग्राम पंचायतों तक जनजागरण अभियान चलाकर लोगों को बताया जाना चाहिए कि बैंक, सीबीआई, कोर्ट या अन्य प्रवर्तन एजेंसियां कभी फोन करके उनके बैंक खाते या अन्य मामलों की जानकारी नहीं मांगती हैं। ऐसे फर्जी कॉल्स की प्रमाणिकता की पुष्टि करने के लिये हेल्पलाइन सुविधाओं में विस्तार करने की भी जरूरत है। देश में मोबाइल नेटवर्क उपलब्ध कराने वाली कंपनियों को भी बाध्य किया जाना चाहिए कि वे उपयोगकर्ताओं को शिक्षित करके संदिग्ध फोन नंबरों के प्रति सचेत करें।

हिमाचल के बीड़-बिलिंग पैराग्लाइडिंग साइट पर दर्दनाक हादसे में पायलट की मौत

कांगड़ा (हि.प्र.)-विश्व प्रसिद्ध बीड़-बिलिंग पैराग्लाइडिंग साइट पर एक दर्दनाक हादसे में एक पैराग्लाइडर पायलट की मौत हो गई, जबकि उनके साथ उड़ान भर रहा पर्यटक घायल हो गया। हादसा शुक्रवार को हुआ था। हादसे के बाद क्षेत्र में सुरक्षा मानकों और आपातकालीन व्यवस्थाओं को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। बीड़-बिलिंग पैराग्लाइडिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष अनुराग शर्मा के अनुसार, पायलट मोहन सिंह टेक-ऑफ प्वाइंट बिलिंग से एक पर्यटक को टैंडम उड़ान पर लेकर उड़े थे। उड़ान के कुछ ही देर बाद पैराग्लाइडर में तकनीकी खराबी आ गई, जिससे संतुलन बिगड़ गया और ग्लाइडर टेक-ऑफ साइट के नीचे सडक़ के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में पायलट गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि पर्यटक को भी चोटें आईं, हालांकि उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। मृतक पायलट की पहचान मंडी जिले के बरोट निवासी मोहन सिंह के रूप में हुई है, जो अनुभवी पायलट माने जाते थे और लंबे समय से क्षेत्र में पैराग्लाइडिंग गतिविधियों से जुड़े थे। स्थानीय लोगों, अन्य पायलटों और बचाव दल ने तुरंत दोनों घायलों को बैजनाथ के सिविल अस्पताल पहुंचाया। मोहन सिंह की हालत गंभीर होने पर उन्हें टांडा मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया, लेकिन एंबुलेंस बैजनाथ में ट्रैफिक जाम में फंस गई, जिससे करीब एक घंटे की देरी हो गई। इलाज के लिए ले जाते समय ही मोहन सिंह ने दम तोड़ दिया।

नगर निगम कर्मचारी यूनियन की विधायकों व निगम प्रशासन के साथ हुई अहम मीटिंग

कूड़ा उठाने का काम प्राइवेट कंपनी को देना बिल्कुल बर्दाशत नहीं किया जाएगा-धींगान

लुधियाना, (अश्वनी जेतली)-गत दिनों नगर निगम जनरल हाउस की मीटिंग के दौरान किए रोष प्रदर्शन के बाद निगम प्रशासन द्वारा लिखित में दिए गए समय अनुसार नगर निगम कर्मचारी यूनियन की मीटिंग नगर निगम कमिश्नर लुधियाना, मेयर और विधायक कुलवंत सिंह सिद्धू, विधायक रजिंदरपाल कौर छीना, विधायक मदन लाल बग्गा और अधिकारियों के साथ मीटिंग स्थानीय जोन डी. में हुई। इस मौके पर जानकारी देते हुए यूनियन के चेयरमैन नरेश धींगान ने बताया कि बीते दिनों मुख्यमंत्री के नाम कर्मचारियों की समस्याओं संबंधी मांग पत्र पर उक्त मीटिंग में विचार चर्चा हुई, जिसमें सबसे पहली मांग कि ओवरऐज कर्मचारियों को तुरंत पक्का किया जाए, जिस पर मौजूद विधायकों द्वारा विश्वास दिलाया गया कि ओवरऐज कर्मचारियों को पक्का करने वालों की फाइल स्थानीय सरकारों विभाग को भेजी जा चुकी है और इस संबंधी विधायकों द्वारा 2 जनवरी के बाद मुख्यमंत्री के साथ मीटिंग कराने का पूर्ण भरोसा दिया। इसके बाद कर्मचारियों की बाकी समस्याएं जैसे मौत से कर्मचारी के परिवार को नौकरी, ठेकेदारी सिस्टम खत्म करने और कुड़े का काम कंपनी को ना देने की समस्याओं के बारे में विधायकों और निगम प्रशासन ने विश्वास दिलाया कि कर्मचारियों की ये समस्याएं एक हफ्ते के अंदर हल किया जाएगा। इस मौके नरेश धींगान ने कहा कि निगम प्रशासन वाल्मीकि समाज के साथ मजाक कर रही है क्योंकि चार-चार बार मांग पत्र देने के बावजूद भी उनके मांग पत्र को रद्दी में फैंक दिया जाता है जो अब बिल्कुल भी बर्दाशत नहीं होगा। उन्होंने ऐलान किया कि उन्हें प्राइवेट कंपनी को कूड़े का ठेका देना बिल्कुल भी मंजूर नहीं है और अगर यह प्राइवेट कंपनी वाल्मीकि समाज पर ज़बरदस्ती थोपने की कोशिश की गई तो आने वाले दिनों में और भी बड़े स्तर पर संघर्ष किया जाएगा। इस मौके रवि बाली, विक्की रहेला यूनियन प्रधान, राजवीर चौटाला, अजयपाल दिशावर, वरुण राज, रवि मतंग, सुभाष सोदे, अर्जुन भुंबक, सुमित चौटाला, एडवोकेट अर्जुन ढींगान, विकास सोदे, बलविंदर डुलगच, गगल पहलवान, धर्मिंदर, पवन टांक, बबलू ढींगान, सोनू शर्मा, राम सूरत साहनी, जसवीर लवण, प्रमोद गहलोत, मास्टर सुरेश, विकास ढिल्लोड़, साधु राम, सुंदर टांक, जीतू वैद, इंद्रजीत सिंह चावला, मोहन सिंह, पवन गोडियाल आदि हाजिर थे।

निगम कमिश्नर, मेयर, विधायक कुलवंत सिंह सिद्धू, विधायक रजिंदरपाल कौर छीना, विधायक मदन लाल बग्गा और अधिकारियों के साथ जोन डी. में हुई मीटिंग के दौरान यूनियन की मांगों से अवगत करवाते हुए चेयरमैन नरेश धींगान। (छाया-सत्ता संदेश)

रोहतक जेल से फिर मिली राम रहीम को 40 दिन की पैरोल

सिरसा-दो साध्वियों से दुष्कर्म और पत्रकार रामचंद्र छत्रपति की हत्या जैसे गंभीर मामलों में दोषी ठहराए जा चुके गुरमीत राम रहीम को एक बार फिर 40 दिन की पैरोल दी गई है। रोहतक की सुनारिया जेल में सजा काट रहे राम रहीम की यह 15वीं जेल रिहाई होगी, जिसने एक बार फिर हरियाणा की पैरोल नीति को चर्चा के केंद्र में ला दिया है। इससे पहले 15 सितंबर को भी उसे 40 दिन की पैरोल मिली थी। इससे पूर्व 21 दिन और चालीस दिन की पैरोल अवधि के दौरान भी राम रहीम सिरसा स्थित डेरा सच्चा सौदा परिसर में ही रहा था। इस बार भी प्रशासनिक संकेत यही हैं कि पैरोल के दौरान उसका ठिकाना सिरसा डेरा ही रहेगा। सी.बी.आई. अदालत ने दो साध्वियों से दुष्कर्म के मामले में राम रहीम को 10-10 साल यानी कुल बीस साल की सजा सुनाई थी। बाद में पत्रकार रामचंद्र छत्रपति की हत्या और डेरा प्रबंधक रणजीत सिंह की हत्या के मामलों में भी उसे दोषी ठहराया गया। इन सभी मामलों में वह वर्तमान में सजा काट रहा है।

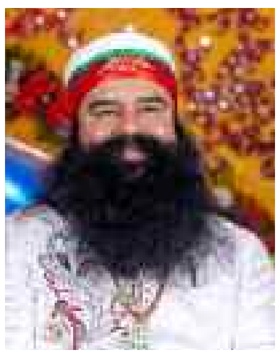

पंजाब कैबिनेट की मीटिंग में लिए अहम फैसले

चंडीगढ़-मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की लीडरशिप में पंजाब कैबिनेट की हुई इक अहम मीटिंग में कई अहम फैसले लिए गए। पंजाब कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते हुए कैबिनेट मंत्री हरदीप सिंह मुंडियां ने कहा कि बनूड़ सब-तहसील छोटी होने की वजह से लोग लगातार काम न होने की शिकायत कर रहे थे, इसलिए इसे अपग्रेड करने का फैसला लिया गया है। इसमें 2 कानूनगो सर्कल, 14 पटवार सर्कल और 40 गांव शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि होशियारपुर जिले में एक नई तहसील हरियाणा बनाई जाएगी, जिसमें 2 कानूनगो सर्कल, 12 पटवार सर्कल और 50 गांव भी शामिल किए गए हैं। इससे 50 गांवों के लोगों की दिक्कतें हल हो जाएंगी। मुंडियां ने कहा कि मनरेगा स्कीम का नाम बदलने और उस पर लगाई गई शर्तों के खिलाफ विधानसभा का सेशन बुलाया गया है। इस सेशन में सरकार से मांग की जाएगी कि इस स्कीम को वैसे ही चलने दिया जाए। उन्होंने कहा कि गरीब लोग मजदूरी करके अपना गुजारा कर रहे हैं लेकिन केंद्र सरकार उनसे उनकी रोजी-रोटी छीनने की कोशिश कर रही है।

शराब के ठेके पर ताबड़तोड़ फायरिंग, कर्मचारी की हालत नाजुक

जंडियाला गुरु (सत्ता संदेश)-अमृतसर के जंडियाला गुरु इलाके से एक बड़ी वारदात सामने आई है। बता दें कि गांव मिहरबानपुरा के अड्डे पर स्थित एक शराब ठेके को देर रात अज्ञात हमलावरों ने गोलियों से छलनी कर दिया। इस सनसनीखेज वारदात में ठेके पर काम करने वाला एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे तुरंत निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, रात के समय अचानक गोलियों की आवाज से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। हमलावरों ने तीन से चार राउंड फायर किए, जिनमें से एक गोली कर्मचारी जसनूर सिंह की गर्दन में जा लगी। गोली लगते ही वह जमीन पर गिर पड़ा और खून से लथपथ हो गया। अन्य कर्मचारियों ने बिना देर किए उसे इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसकी हालत चिंताजनक बताई है।

मुख्यमंत्री सुक्खू द्वारा दी चेतावनी और आश्वासन के बाद हिमाचल में डॉक्टरों की हड़ताल खत्म

शिमला-हिमाचल प्रदेश सरकार के प्रीमियर स्वास्थ्य संस्थान इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज (आईजीएमसी), शिमला के डॉक्टर राघव नरूला द्वारा कथित तौर पर एक मरीज के साथ की गई मारपीट के मामले के बाद प्रदेश भर में चल रही डॉक्टरों की हड़ताल समाप्त हो गई है। यह हड़ताल मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू द्वारा डॉक्टर को रविवार देर शाम हड़ताल खत्म करने की दी गई चेतावनी और आश्वासन के बाद खत्म हुई है। रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (आरडीए) की ओर से देर शाम जारी बयान में में कहा गया है कि मुख्यमंत्री ने आज आश्वासन दिया है कि पूरे मामले की विस्तृत जांच कराई जाएगी। साथ ही डॉक्टर राघव नरूला की टर्मिनेशन को लेकर भी पुनर्विचार किया जाएगा। आरडीए ने स्पष्ट किया है कि जब तक टर्मिनेशन आदेश वापस नहीं लिए जाते, तब तक जांच प्रक्रिया में संगठन पूरी तरह शामिल रहेगा। रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन ने हड़ताल के दौरान समर्थन देने वाले प्रदेश और देशभर के डॉक्टर संगठनों का आभार जताया है। विशेष रूप से हिमाचल मेडिकल ऑफिसर्स एसोसिएशन, सैमडीकॉट और अन्य मेडिकल टीचर्स एसोसिएशन को सहयोग के लिए धन्यवाद दिया गया है। गौर हो कि इससे पहले मुख्यमंत्री ने डॉक्टरों की हड़ताल को गलत करार देते हुए उनसे अहंकार छोडक़र ड्यूटी पर लौटने की अपील की थी। मुख्यमंत्री ने रविवार को मीडिया से अनौपचारिक बातचीत में कहा कि उन्होंने स्वयं रेजिडेंट डॉक्टरों को आश्वासन दिया था, इसके बावजूद वह हड़ताल पर चले गए, जो दुर्भाग्यपूर्ण है।

बेटियों की मनेगी लोहड़ी, नानीयों-दादियों का होगा सम्मान

मालवा सभ्याचार मंच 10 जनवरी को मनाएगा '30वां धीयां दा लोहड़ी मेला'

लुधियाना, (अश्वनी जेतली)-'इस बार हम बेटियों के 30वें लोहड़ी मेले पर नानीयों और दादियों को भी विशेष तौर पर सम्मानित करेंगे।' यह ऐलान मालवा सभ्याचारक मंच पंजाब की मीटिंग में चेयरमैन कृष्ण कुमार बावा, मंच अध्यक्ष जसवीर सिंह राणा झांडे और इंदरजीत कौर अध्यक्ष महिला विंग ने किया। इस मीटिंग का पूरा प्रबंध मंच के जनरल सैक्रेटरी रेशम सिंह सग्गू, सुखविंदर सिंह जगदेव, अमरपाल सिंह और मास्टर हरिदेव बावा ने किया था। इस अवसर पर गुरनाम सिंह कलेर को मंच पंजाब का उपाध्यक्ष और राकेश गोयल को महासचिव नियुक्त किया गया। इस मौके श्री बावा और राणा झांडे ने कहा कि इस बार हम बेटियों के 30वें लोहड़ी मेले पर नानीयों और दादियों को भी विशेष तौर पर सम्मानित करेंगे। उन्होंने बताया कि मेले में 2025 में नव जन्मी 125 छोटी लड़कियों को चुनने के लिए पांच सदस्यों की कमेटी बनाई गई है, जिसमें महिला विंग की अध्यक्ष इंदरजीत कौर के साथ जनरल सैक्रेटरी जगजीवन सिंह गरीब रकबा, सुखविंदर सिंह जगदेव, वरिंदर भल्ला और मनजीत कौर सरोय को रखा गया है जबकि सवागती समिति के चेयरमैन जसवीर सिंह राणा झांडे होंगे। उनके साथ रेशम सिंह सग्गू, यशपाल शर्मा, मास्टर हरि देव बावा, गुरनाम सिंह कलेर, रत्नेश कुमार, सरबजीत मन्नू होंगे। इस समय चार बेटियों को खास तौर पर गागर भेंट की गई जिनमें मन्नत ओबेरॉय, किरण सग्गू, शालिनी, गौरवी सरोय शामिल हुए। इसके अलावा सरबजीत वर्मा, मनजीत कौर, सुरजीत सिंह, अवतार सिंह चाने, जशनप्रीत सिंह, गगनदीप कौर, सुखविंदर कौर, स्वर्ण कौर सग्गू, सतिंदर कौर मोनू रूपल, राजेश कुमार, खुशदीप कौर ग्रेवाल, राजविंदर कौर, दिलजीत सिंह, सुखा भंवरा, रेणु नारंग, कलाकार मलकीत मंगा, पलारदीप सिंह रियात, सोनिया अलग, हरजिंदर कौर, नीलम रानी, जसपाल सिंह, मनजीत राजू, पाली दमदम, ममता रानी, मनोज वालिया, राज कुमार आदि मौजूद थे।

मालवा सभ्याचारक मंच पंजाब की मीटिंग दौरान चित्र करवाते हुए चेयरमैन कृष्ण कुमार बावा, अध्यक्ष जसवीर सिंह राणा झांडे, इंदरजीत व अन्य। (छाया-सत्ता संदेश)

उस्ताद पूरन शाहकोटी की रूहानी रूह हमेशा दिलों में बसी रहेगी....

कभी के.दीप, कुलदीप मानक, सुरिंदर छिंदा और अब उस्ताद पूरन शाहकोटी के गुजर जाने से संगीत माला के मनके एक-एक करके टूट रहे हैं। पूरन शाहकोटी का जन्म शाहकोट में रहने वाले एक मीरजादा परिवार में हुआ था। इस परिवार से ताल्लुक होने के कारण राग उनकी रगों में दौड़ता था। उन्होंने छोटी उम्र में ही रामलीला में गाना शुरू कर दिया था और एक्टिंग भी की। उनकी पहली पत्नी का नाम मिंदो था, जिनका निधन हो गया था। उनसे हुए उनके बेटे कालू शाहकोटी अभी भी यहीं रहते हैं। उनकी दूसरी पत्नी मथरो से उनके बेटे मास्टर सलीम हैं, जो अब खुद एक मशहूर पंजाबी गायक हैं। मीरजादा परिवार की परंपरा है कि वे अपने ही परिवार में से किसी को अपना संगीत गुरु चुनते हैं, लेकिन मास्टर सलीम ने अपने पिता के शिष्य हंस राज हंस को अपना गुरु चुना। पूरन शाहकोटी पिछले कुछ दिनों से बीमार थे। उन्होंने साढ़े पांच दशकों तक संगीत की दुनिया में अपनी बहुमूल्य सेवाएं दी हैं। वे पटियाला घराने के लाल थे, जिनको पद्मश्री से भी सम्मानित किया गया था। सूफी गायकी को मशहूर करने वाले और शाहकोट कस्बे को अंतर्राष्ट्रीय मानचैस्टर पर लाने वाले पूरन शाहकोटी का बचपन यहीं की गलियों में बीता। उनके शर्गिदों में हंस राज हंस, जसबीर जस्सी, कुलविंदर शाहकोटी, साबरकोटी, बलबीर बीरा आदि सहित उनके अपने सुपुत्र मास्टर सलीम शामिल हैं। अपने पिता रंजन दास और पटियाला के वाकिर हुसैन से संगीत की प्राथमिक तालीम लेने के बाद पूरन शाहकोटी ने कभी पीछे मुडक़र नहीं देखा। वे अकसर कहते थे कि बुरे दिनों में जब उनके पास झुग्गी-झोपड़ी के अलावा खाने और रहने के लिए कुछ नहीं था, तब उनकी पत्नी ने उनका दिल से साथ दिया। उन्हें दौलत में कोई दिलचस्पी नहीं है-वे बस सूफी गायकी को नई ऊंचाइयों पर ले जाना चाहते हैं। वे फिलहाल अपने बेटे मास्टर सलीम के साथ जालंधर में रह रहे थे। सूफी गायक पूरन शाहकोटी के निधन की खबर से संगीत जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। वे न सिर्फ अपनी रूहानी गायकी के लिए जाने जाते थे, बल्कि कलाकारों की कई पीढिय़ों के गुरु के तौर पर भी जाने जाते थे। 72 साल के उस्ताद पूरन शाहकोटी की मौत से संगीत की दुनिया में हलचल मच गई है। अपनी सादगी, सूफी परंपरा और लोक संगीत के प्रति समर्पण से उन्होंने पंजाबी संगीत को एक नई पहचान दी। उन्हें एक महान संगीत गुरु के रूप में जाना जाता था। उन्होंने पांच साल की उम्र में गाना शुरू कर दिया था। अपने पिता निरंजन दास से संगीत की बारीकियां सीखने के बाद, उन्होंने पटियाला घराने के बाकिर हुसैन से संगीत सीखा। वह संगीत की तालीम लेने के लिए उस्ताद के घर जाते थे। गरीबी के कारण, वह भी उनके घर पर ही रहते थे। बाद में पूरन शाहकोटी शाहकोट में अपने घर लौट आए। उन्हें पता चला कि पंडित कुंज लाल कपूरथला में संगीत सिखाते थे। पूरन शाहकोटी अपने घर के बाहर बैठते थे। दरवाज़ा बंद रहता था। अंदर बच्चे संगीत की शिक्षा लेते थे। उनके पास पैसे नहीं थे, इसलिए वह घर के दरवाज़े के पास बैठकर संगीत सीखते थे। एक दिन पंडित कुंज लाल ने उन्हें अंदर बुलाया और गाने के लिए कहा। उनकी आवाज़ से प्रभावित होकर, पंडित जी ने उन्हें संगीत की क्लास में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। नौ साल की उम्र में पूरन शाहकोटी ने दूरदर्शन बठिंडा के उद्घाटन पर परफॉर्म किया और फिर कामयाबी की राह पर चल पड़े। उन्होंने अपना पहला गाना 'लैलो जी भंबीरियां' गाया, जिसने उनकी आवाज़ का जादू पूरी दुनिया में फैला दिया। उन्हें सरकार ने संगीत नाटक अकादमी अवॉर्ड से सम्मानित किया।

-गुरलीन

क्यों नहीं करती अपने पति की फिल्मों में विद्या बालन काम?

बॉलीवुड की खूबसूरत अभिनेत्री विद्या बालन 1 जनवरी को अपना बर्थडे सेलिब्रेट कर रही हैं। विद्या ने साल 2005 में रिलीज हुई फिल्म 'परिणीता' से बॉलीवुड में कदम रखा था। उन्होंने अपने दमदार अभिनय से खास पहचान बनाई हैं। विद्या बालन ने अपने अब तक के फिल्मी करियर में कई सारी हिट फिल्में दी हैं लेकिन उन्होंने अभी तक अपने प्रोड्यूसर पति सिद्धार्थ रॉय कपूर की किसी फिल्म में काम नहीं किया है। विद्या बालन के फैंस हमेशा यह जानने के लिए बेकरार रहते हैं कि वह अपने पति के साथ काम क्यों नहीं करती हैं? एक इंटरव्यू के दौरान विद्या ने इसकी वजह बताई थी कि वह पति के साथ काम क्यों नहीं करती हैं। विद्या ने कहा था कि क्योंकि यह बहुत ज्यादा हो जाएगा। मुझे अपने निर्देशक और निर्माता के साथ कोई समस्या हो सकती है और हम बहस कर सकते हैं, लेकिन रियल में मैं लड़ाई नहीं करती, लेकिन मैं सिद्धार्थ के साथ ऐसा नहीं कर सकती। ये मेरी पर्सनल लाइफ है मैं उनसे बहस भी नहीं करना चाहती। मुझे भी लगता कि ये सेफ हैं हमे काम नहीं करना चाहिए। इससे हमारे रिश्ते काफी सही और टैंशन मुक्त होंगे। उन्होंने यह भी बताया था कि ऐसा कई बार हुआ है कि जबकि सिद्धार्थ और उन्हें कोई स्क्रिप्ट पसंद आ गई थी लेकिन दोनों में से किसी एक ने उसे छोड़ दिया। विद्या ने यह भी कहा था कि वह अपने पति से अपने मेहनताने को लेकर मोलभाव नहीं कर सकती हैं। बता दें कि विद्या बालन ने 14 दिसंबर 2012 को विद्या बालन में फिल्म प्रोड्यूसर सिद्धार्थ रॉय कपूर से शादी रचाई थी। सिद्धार्थ की ये तीसरी शादी थी जबकि विद्या बालन की पहली शादी हैं।

मलाइका अरोड़ा की दूसरी शादी पर क्या है सच?

मलाइका अरोड़ा एक बार फिर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में हैं। 1997 में अरबाज खान से शादी और 20 साल बाद तलाक के बाद उन्हें काफी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। तलाक के बाद अर्जुन कपूर संग उनके रिश्ते भी सुर्खियों में रहे, हालांकि वह भी आगे नहीं बढ़ पाया। हाल ही में मलाइका ने कहा कि तलाक के बाद उन्हें समाज, दोस्तों और परिवार तक ने जज किया, जबकि पुरुषों से ऐसे सवाल नहीं पूछे जाते। उन्होंने साफ किया कि वह शादी में विश्वास रखती हैं, लेकिन इसके पीछे नहीं भाग रहीं। वह अपनी जिंदगी से खुश हैं, प्यार के लिए ओपन हैं, और अगर यह नेचुरली उनकी जिंदगी में आता है तो उसे स्वीकार करेंगी। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि उम्र उनके फैसलों की सीमा तय नहीं करती। 52 की उम्र में भी वह खुद को आत्मनिर्भर, मजबूत और भावनात्मक रूप से संतुलित मानती हैं। मलाइका का मानना है कि रिश्ते मजबूरी नहीं, बल्कि आपसी समझ और खुशी से बनने चाहिए, तभी वे लंबे समय तक टिकते हैं।

चेहरे की रौनक बढ़ाने का आसान तरीका, रोज खाएं ये 4 फूड्स

खूबसूरत और दमकती त्वचा के लिए सिर्फ महंगे स्किन केयर प्रोडक्ट्स पर निर्भर रहना जरूरी नहीं है। कई बार सही नतीजे इसलिए नहीं मिलते क्योंकि त्वचा की असली जरूरत बाहर से नहीं, बल्कि अंदर से पूरी करनी होती है। अगर शरीर को जरूरी पोषक तत्व मिलें, तो त्वचा अपने आप निखरने लगती है।

विशेषज्ञों के अनुसार, अगर रोजाना डाइट में कुछ खास चीजें शामिल कर ली जाएं, तो त्वचा में नेचुरल चमक आ सकती है। आइए जानते हैं ऐसी 4 आसान और हेल्दी चीजों के बारे में–

ब्लूबेरी

ब्लूबेरी एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होती है। यह त्वचा में नमी बनाए रखने, कोलेजन बढ़ाने और झुर्रियों व दाग-धब्बों को कम करने में मदद करती है।

अंगूर

अंगूर त्वचा की उम्र बढ़ने के संकेतों को कम करने में मदद करता है। इसके नियमित सेवन से स्किन में नेचुरल ग्लो आता है और थकान कम नजर आती है।

अखरोट

अखरोट में ओमेगा-3 फैटी एसिड, विटामिन ई और जिंक पाए जाते हैं। यह त्वचा को गहराई से पोषण देता है, रूखापन कम करता है और मुंहासों से बचाव में सहायक होता है।

संतरा

संतरा विटामिन सी का बेहतरीन स्रोत है। यह त्वचा को चमकदार बनाने के साथ-साथ टैनिंग और पिगमेंटेशन को कम करने में मदद करता है।

निष्कर्ष

अगर आप रोजाना इन चार में से किसी एक चीज को भी अपनी डाइट में शामिल कर लेते हैं, तो त्वचा पर इसका असर साफ नजर आने लगता है। याद रखें, खूबसूरत त्वचा की शुरुआत सही खानपान से होती है।

सर्दियों में प्रोटीन की कमी दूर करने के लिए डाइट में शामिल करें ये सब्जियां

सर्दियों के मौसम में शरीर को अतिरिक्त पोषण की जरूरत होती है। अगर डाइट में प्रोटीन की मात्रा कम हो जाए, तो इसका असर त्वचा, बालों, नाखूनों और ओवरऑल हेल्थ पर दिखाई देने लगता है। ऐसे में कुछ मौसमी सब्जियां प्रोटीन की कमी को पूरा करने में मदद कर सकती हैं। डायटीशियन और न्यूट्रिशन एक्सपर्ट्स के अनुसार, सर्दियों में उपलब्ध कई सब्जियां प्रोटीन और अन्य जरूरी पोषक तत्वों से भरपूर होती हैं, जिन्हें रोजमर्रा के भोजन में आसानी से शामिल किया जा सकता है।

हरी मटर

सर्दियों में मिलने वाली हरी मटर प्रोटीन और फाइबर का अच्छा स्रोत है। इसे सब्जी, सूप, पराठे या पुलाव में शामिल किया जा सकता है।

मशरूम

मशरूम में प्रोटीन के साथ-साथ विटामिन-डी भी पाया जाता है। यह शरीर में प्रोटीन की कमी को दूर करने में सहायक हो सकता है, हालांकि एलर्जी की स्थिति में इसका सेवन न करें।

पालक

पालक प्रोटीन, आयरन, फाइबर और कई जरूरी विटामिन्स से भरपूर होता है। सर्दियों में इसे सब्जी या सूप के रूप में खाना फायदेमंद माना जाता है।

ब्रोकली

ब्रोकली में प्रोटीन, फाइबर और मिनरल्स की अच्छी मात्रा होती है। इसके अलावा फूलगोभी और ब्रसेल्स स्प्राउट्स जैसी सब्जियां भी डाइट में शामिल की जा सकती हैं।

गाजर

गाजर में फाइबर, प्रोटीन और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो पाचन सुधारने और पोषण की कमी से बचाव में मदद करते हैं।

निष्कर्ष

सर्दियों में संतुलित आहार के साथ इन सब्जियों को शामिल करने से प्रोटीन की कमी को काफी हद तक पूरा किया जा सकता है। अगर कमजोरी या अन्य लक्षण ज्यादा महसूस हों, तो डॉक्टर या न्यूट्रिशन एक्सपर्ट से सलाह लेना जरूरी है।

सोशल मीडिया पर 500 रुपये के नोट को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म

फैल रही अफवाहों को सरकार की फैक्ट चेक एजेंसी ने किया पूरी तरह खारिज

नई दिल्ली (सत्ता संदेश)-- इन दिनों सोशल मीडिया पर 500 रुपये के नोट को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है। कई पोस्ट और मैसेज में दावा किया जा रहा है कि मार्च 2026 से ए.टी.एम. में 500 रुपये के नोट मिलना बंद हो जाएंगे। ऐसे में लोगों के मन में सवाल उठना लाज़मी है कि आखिर यह बात कहां से आई, इसमें कितनी सच्चाई है और सरकार ने इस पर क्या रुख अपनाया है। दरअसल, बीते साल सरकार ने बैंकों को एटीएम में छोटे नोटों की उपलब्धता बढ़ाने के निर्देश दिए थे। सरकार का उद्देश्य था कि 100 और 200 रुपये जैसे छोटे नोट ज्यादा संख्या में एटीएम से निकलें, ताकि आम लोगों को रोजमर्रा के लेनदेन में सहूलियत हो। बैंकों ने इन निर्देशों पर अमल भी किया, लेकिन इसका मतलब यह कतई नहीं था कि 500 रुपये के नोट को बंद करने की कोई योजना बनाई गई है। अब सोशल मीडिया पर फैल रही अफवाहों को सरकार की फैक्ट चेक एजेंसी ने पूरी तरह खारिज कर दिया है। फैक्ट चेक में साफ कहा गया है कि 500 रुपये के नोट को बंद करने या ए.टी.एम. से हटाने को लेकर सरकार की ओर से कोई फैसला नहीं लिया गया है। ऐसे सभी दावे पूरी तरह निराधार और भ्रामक हैं। सरकार की फैक्ट चेक एजेंसी पी.आई.बी. ने स्पष्ट किया है कि 500 रुपये के नोट पहले की तरह पूरी तरह वैध हैं और लीगल टेंडर बने हुए हैं। इन नोटों से लेनदेन करने में किसी तरह की कोई रोक नहीं है। सरकार ने लोगों से अपील की है कि सोशल मीडिया पर चल रही अप्रमाणित खबरों पर भरोसा न करें और किसी भी जानकारी को साझा करने से पहले आधिकारिक स्रोतों से उसकी पुष्टि जरूर करें। गौरतलब है कि यह पहली बार नहीं है जब 500 रुपये के नोट को लेकर ऐसी अफवाहें फैली हों। इससे पहले भी कई बार नोटबंदी या 500 रुपये के नोट बंद होने को लेकर दावे किए गए हैं, जिन्हें सरकार पहले ही खारिज कर चुकी है। हाल ही में जून में भी पी.आई.बी. ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर साफ किया था कि मार्च 2026 में कथित नोटबंदी से जुड़े दावे पूरी तरह झूठे हैं और यह सिर्फ लोगों को गुमराह करने की कोशिश है।

धर्म और नैतिकता से विहीन शिक्षा समाज के लिए उपयोगी नहीं-राजनाथ सिंह

कहा, देश में 'व्हाइट-कॉलर टेररिज्म' जैसी चिंताजनक प्रवृत्तियां आ रही हैं सामने

उदयपुर-रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि देश में 'व्हाइट-कॉलर टेररिज्म' जैसी चिंताजनक प्रवृत्तियां सामने आ रही हैं, जहां अत्यंत शिक्षित लोग समाज और राष्ट्र के विरुद्ध कार्य करते हैं। सिंह ने दिल्ली में लाल किले के पास 10 नवंबर को हुए कार बम धमाके की ओर इशारा करते हुए यह बात कही जिसमें षडयंत्रकारी डॉक्टर थे। वह यहां भूपाल नोबल्स यूनिवर्सिटी के स्थापना दिवस को संबोधित कर रहे थे। सिंह ने कहा कि धर्म और नैतिकता से विहीन शिक्षा समाज के लिए उपयोगी नहीं होती है तथा कभी-कभी यह घातक भी सिद्ध हो जाती है। शायद यही कारण है और बहुत बड़ी विडंबना है कि बहुत शिक्षित लोग भी आपराधिक गतिविधियों में लिप्त पाए जाते हैं। राजनाथ सिंह ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल पेशेवर सफलता नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण भी होना चाहिए। उन्होंने जोर दिया कि ज्ञान के साथ संस्कार, विनय और धर्मबोध होना आवश्यक है। उनका कहना था कि ज्ञान बिना विवेक और नैतिकता के समाज के लिए हानिकारक हो सकता है। उन्होंने छात्रों को ज्ञान के साथ चरित्र, विनय और दायित्वबोध विकसित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा का अंतिम उद्देश्य सिर्फ जनरल में प्रकाशन नहीं, बल्कि समाज में वास्तविक परिवर्तन लाना होना चाहिए। इसके अलावा उन्होंने प्रौद्योगिकी, डिजिटल एथिक्स, पर्यावरण और जनस्वास्थ्य से जुड़े वैश्विक मुद्दों के समाधान में विभिन्न विधाओं के सहयोग पर बल दिया।

कनाडा के लिए चुनौतियों से भरपूर रहेगा साल 2026

विदेशियों को निकाले जाने की प्रक्रिया में तेजी

टोरांटो-नव वर्ष के आगमन मौके कनाडा के प्रधानमंत्री मारक कारनी ने अपने संदेश में कहा कि हम एक खुलदिली वाले व एकजुटता के साथ एक-दूसरे का ख्याल रखने वाले मजबूत राष्ट्र का हिस्सा हैं। उन्होंने माना कि गत वर्ष कैनेडा का चुनौतियों से सामना रहा, पर राजनतिक माहिरों का मानना है कि 2026 भी कैनेडा के लिए चुनौतियों भरपूर ही रहेगा। देश में महंगाई, रिहायश की तंगी, बढ़ रही बेरोजगारी, खर्चों के मुकाबले में कम होती कमाई, बढ़ रही भिखारियों (फूड बैंक निर्भरता) की संख्या, ईलाज के लिए हस्पतालों में मरीजों को इंतजार करना आदि मुद्दों की बात देश भर में आम सुनने को मिलती रहती है। कैनेडा के आम लोगों की ऐसी समस्याओं का अभी कहीं अंत होता नजर नहीं आ रहा। कैनेडा की पक्की इमीग्रेशन व वीजा के सख्त नियम जारी रहेंगे व विदेशियों को कैनेडा से निकालने की कार्रवाईयों में तेजी बनी रहेगी। इसे दौरान देश की एकता व अंखडता बनाई रखने के लिए भी चुनौतियां सिर उठा रही हैं। बेशक अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इन दिनों कैनेडा को अमरीका का 51वां राज्य बनाने की खुलेआम बयानबाजी बंद की हुई है, पर अंदरखाते उन्होंने इस बारे अपना विचार बदला नहीं है। मिल रही जानकारी अनुसार 2026 दौरान बलबरटा बारे जनमत करवाये जाने की चर्चा और जोर पकड़ेगी क्योंकि वहां की मौजूदा राज्य सरकार भी कैनेडा से अलग होने के सुर की विरोधी नहीं है। इसी दौरान क्यूबक में कैनेडा से अलग होने की बात भी उठनी शुरू हो गई है। 1995 के बाद वहां कैनेडा से अलग होने बारे एक बार फिर जनमत करवाये जाने के लिए पार्टी क्यूबकुयों के नेता पाल सेंट पीअर ने लोगों के साथ वायदा किया है। ऐसे में कैनेडा सरकार को प्रांतीय सरकारों से सहयोग बढ़ाकर अपने आप को असरदार सरकार होने का सबूत देना पड़ेगा। गत वर्ष से भारत के साथ कैनेडा की बढ़ रही कुटनीतिक नजदीकियों को भी इसे परिपेक्ष में देखा जा रहा है, लेकिन आगामी महीनों में मारक कारनी का भारत दौरे पर जाने के चर्चे भी तेज होने की भी संभावना है।

उत्तर रेलवे के जम्मू मंडल में चलने वाली कई ट्रेनों के समय में बदलाव

जम्मू, (सत्ता संदेश)-उत्तर रेलवे के जम्मू मंडल में चलने वाली कई ट्रेनों के समय में बदलाव किया गया है। रेलवे हर साल यात्रियों की सुविधा के लिए ट्रेनों के समय में बदलाव करता है। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि यह बदलाव लोगों की मांग, ट्रेनों की गति बढ़ाने, समय बचाने, रेलवे सुविधाओं को बेहतर बनाने और कामकाज की समस्याओं को दूर करने के लिए किया गया है। इससे ट्रेनें समय पर चलेंगी और यात्रियों को बेहतर कनेक्शन मिलेगा। जम्मू मंडल की करीब 33 ट्रेनों के समय बदले गए हैं। इनमें श्री माता वैष्णो देवी कटरा, शहीद कैप्टन तुषार महाजन (ऊधमपुर), जम्मू और पठानकोट जैसे बड़े स्टेशन शामिल हैं। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक उचित सिंघल ने कहा कि यह कदम यात्रियों को तेज, आसान और भरोसेमंद रेल सेवा देने के लिए उठाया गया है। इससे यात्रा का समय कम होगा और सफर ज्यादा सुविधाजनक बनेगा। रेलवे ने यात्रियों से कहा है कि यात्रा से पहले नई समय-सारिणी जरूर जांच लें।

कनाडा ने एअर इंडिया को शराब सेवन नियमों के उल्लंघन को लेकर दी चेतावनी

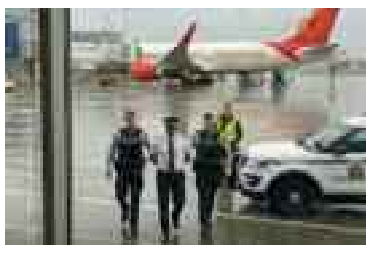

वेंकूवर-एअर इंडिया के एक पायलट को वैंकूवर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उड़ान भरने की तैयारी करते समय गिरफ्तार किए जाने के एक सप्ताह बाद कनाडा की परिवहन एजेंसी ने विमानन कंपनी को चेतावनी दी है कि यदि वह शराब सेवन से संबंधित नियमों का पालन सुनिश्चित नहीं करती है तो उसे दी गई उड़ान संबंधी अनुमति रद्द की जा सकती है। परिवहन एजेंसी ट्रांसपोर्ट कनाडा ने जारी बयान में कहा कि यह घटना 23 दिसंबर को हुई थी और वह एअर इंडिया एवं भारतीय विमानन अधिकारियों के साथ मिलकर यह सुनिश्चित करेगी कि इसके संबंध में उचित कार्रवाई की जाए। रॉयल कनाडियन माउंटेड पुलिस (आर.सी.एम.पी.) ने बताया कि यह गिरफ्तारी विमानन कंपनी के चालक दल के एक सदस्य से जुड़ी चिंताजनक सूचना मिलने के बाद की गई। पुलिस ने कहा कि मामले की जांच जारी है और फिलहाल कोई अतिरिक्त जानकारी जारी नहीं की जाएगी। हवाई अड्डे की एक प्रवक्ता ने बताया कि पायलट एअर इंडिया की वैंकूवर से दिल्ली के लिए निर्धारित दैनिक उड़ान की तैयारी कर रहा था। उसने बताया कि उड़ान में कई घंटे की देरी हुई, लेकिन बाद में यह सुरक्षित रवाना हो गई। विमान परिचालन पर नजर रखने वाली वेबसाइट फ्लाइटरडार24 के अनुसार, 23 दिसंबर को वैंकूवर से वियना के रास्ते दिल्ली जाने वाली एअर इंडिया की उड़ान का प्रस्थान समय अपराह्न तीन बजे तय था लेकिन यह वाईवीआर (वैंकूवर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा) से रात 10 बजकर दो मिनट पर रवाना हुई। एअर इंडिया ने इस संबंध में टिप्पणी के लिए किए गए अनुरोधों का तत्काल जवाब नहीं दिया।

कूनो नेशनल पार्क में चीतों की संख्या बढ़ने की उम्मीद, बोत्सवाना से जनवरी में आएंगे 8 नए चीते

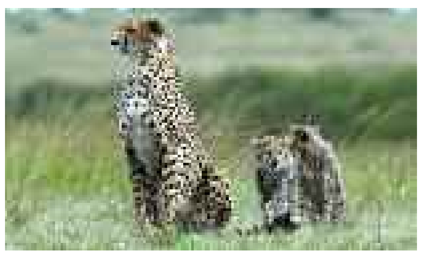

मध्य प्रदेश का कूनो नेशनल पार्क एक बार फिर सुर्खियों में है। 'प्रोजेक्ट चीता' के तहत बोत्सवाना से 8 नए चीतों की खेप जनवरी 2026 में आने की संभावना है। ये चीते क्वारंटाइन पूरा करने के बाद विशेष विमान से भारत लाए जाएंगे। इस खेप में नर और मादा चीते शामिल हैं, जो पार्क में मौजूदा चीतों की आबादी को मजबूत करेंगे। फिलहाल भारत में चीतों की कुल संख्या 30 है, जिसमें कूनो में 27 और गांधी सागर वन्यजीव अभयारण्य में 3 चीते हैं।

पश्चिम बंगाल को 'पश्चिमी बांग्लादेश' बनाने का प्रयास सफल नहीं होगा-मिथुन चक्रवर्ती

बिहार-अभिनय जगत से राजनीति में आए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता मिथुन चक्रवर्ती ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल को 'पश्चिमी बांग्लादेश' में बदलने के प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन ये प्रयास कभी सफल नहीं होंगे। मिथुन ने कूच बिहार जिले में एक जनसभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बारे में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की टिप्पणियों की आलोचना की और कहा कि यह कोई अलग देश नहीं है जैसा कि वह सोच रही होंगी। उन्होंने कहा कि बांकुड़ा जिले में एक जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने भारत के गृह मंत्री को धमकी दी और कहा कि उन्होंने ही उन्हें कोलकाता के उस होटल से बाहर आने दिया जहां वे ठहरे हुए थे। काश वे स्पष्ट रूप से कह देतीं कि गृह मंत्री को बंगाल में प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा । यह कोई अलग देश नहीं है जैसा कि वह सोच रही होंगी। मिथुन चक्रवर्ती ने 1990 के दशक में कश्मीर घाटी से कश्मीरी पंडितों के पलायन पर आधारित अपनी फिल्म 'द कश्मीर फाइल्स' का हवाला देते हुए आरोप लगाया कि बंगाल में भी इसी तरह के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल को पश्चिम बांग्लादेश में बदलने के प्रयास किए जा रहे हैं। भाजपा नेता ने दावा किया कि गायिका लग्नाजिता चक्रवर्ती को देवी मां की प्रशंसा में एक गीत गाने के लिए परेशान किया गया है। वे भले ही यह सोचते हों कि यह बांग्लादेश बन गया है, लेकिन वह दिन कभी नहीं आएगा। जब तक मिथुन चक्रवर्ती जैसे लोगों के शरीर में खून का एक भी कतरा बचा है, यह राज्य कभी बांग्लादेश नहीं बनेगा। हम संविधान में विश्वास रखते हैं, और इसीलिए हमने खुद को नियंत्रण में रखा है। भाजपा नेता ने कहा कि राज्य की तृणमूल कांग्रेस सरकार को उखाड़ फेंकने का एकमात्र तरीका यह है कि सभी लोग एक साथ आएं। उन्होंने कांग्रेस, वामपंथी और तृणमूल के 'विवेकशील' समर्थकों से आगामी चुनावों में सरकार बदलने के लिए एकजुट होने का आग्रह किया। मिथुन चक्रवर्ती ने दावा किया कि राज्य में कोई उद्यम, उद्योग, रोजगार या उचित स्वास्थ्य सेवा अवसंरचना नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि भ्रष्टाचार के अलावा इस राज्य में और कुछ नहीं है।

किम जोंग ने दी अमेरिका को चेतावनी, बोले- मेरे दोस्त मादुरो को तुरंत छोड़ो वरना गंभीर परिणाम होंगे

उत्तर कोरिया- अमेरिका द्वारा वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी की हिरासत के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हलचल तेज हो गई है। इस कार्रवाई पर उत्तर कोरिया ने कड़ा ऐतराज जताते हुए विश्व युद्ध की चेतावनी दी है, जबकि रूस ने तनाव कम करने और बातचीत के जरिए समाधान निकालने की अपील की है। मामले ने वैश्विक राजनीति में नए संकट की आशंका पैदा कर दी है। उत्तर कोरिया के सर्वोच्च नेता किम जोंग-उन ने मादुरो को अपना 'दोस्त' बताते हुए अमेरिका को खुली चेतावनी दी है। किम जोंग-उन ने कहा कि यह कार्रवाई दुनिया को तीसरे विश्व युद्ध की ओर धकेल सकती है।

गणतंत्र दिवस की परेड में पहली बार दिखेगी सेना की पशु टुकड़ी

नई दिल्ली, (सत्ता संदेश)- गणतंत्र दिवस के अवसर पर इस साल भारत एक दुर्लभ दृश्य का साक्षी बनेगा। भारतीय सेना के पशुओं की टुकड़ी पहली बार कर्तव्य पथ पर मार्च करेगी। भारतीय सेना के रिमाउंट एवं वैटरनरी कोर का एक विशेष रूप से तैयार किया गया पशु दस्ता प्रदर्शित किया जाएगा, जो देश की सबसे चुनौतीपूर्ण सीमाओं की रक्षा में पशुओं की महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर करेगा। इस दल में दो बैक्ट्रियन ऊंट, चार जांस्कर टट्टू, चार शिकारी पक्षी, 10 भारतीय नस्ल के सैन्य कुत्ते और पहले से सेवा में मौजूद छह पारंपरिक सैन्य कुत्ते शामिल होंगे। ये सभी मिलकर भारतीय सेना के परिचालन तंत्र में परंपरा, नवाचार और आत्मनिर्भरता का अनूठा मिश्रण प्रस्तुत करते हैं। इस काफिले का नेतृत्व बैक्ट्रियन ऊंट करेंगे, जिन्हें हाल ही में लद्दाख के सर्द इलाके में तैनाती के लिए शामिल किया गया है। बैक्ट्रियन ऊंट लद्दाख की नुब्रा घाटी में पाए जाते हैं। इनकी पीठ पर दो कूबड़ होते हैं। अत्यधिक ठंड, कम हवा और 15 हजार फीट से अधिक ऊंचाई के लिए पूरी तरह से अनुकूलित ये ऊंट 250 किलोग्राम तक का भार उठा सकते हैं और कम से कम पानी और चारे के साथ लंबी दूरी तय कर सकते हैं।

सहनशक्ति के लिए प्रसिद्ध हैं जांस्कर टट्टू- परेड में लद्दाख की दुर्लभ और स्थानीय नस्ल के जांस्कर टट्टू भी चलेंगे। अपने छोटे कद के बावजूद ये टट्टू असाधारण सहनशक्ति के लिए प्रसिद्ध हैं। ये टट्टू 15 हजार फीट से अधिक की ऊंचाई पर और -40 डिग्री सेल्सियस तक के तापमान में 40 से 60 किलोग्राम तक का भार लेकर लंबी दूरी तय कर सकते हैं।

शिकारी पक्षी रखते हैं पैनी नजर...

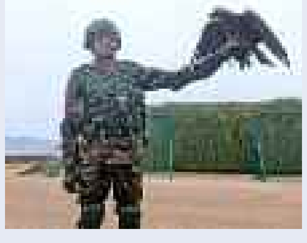

इस सैन्य टुकड़ी में पैनी नजर रखने के लिए चार शिकारी पक्षी भी शामिल होंगे, जिनका उपयोग पक्षियों के टकराने से होने वाले नुकसान को नियंत्रित करने और निगरानी करने के लिए किया जाएगा। परेड का आकर्षण कुत्ते भी होंगे। ये अभियानों, आतंकवाद विरोधी विस्फोटक, बारूदी सुरंगों का पता लगाने, खोज एवं बचाव अभियानों में सैनिकों का सहयोग करते हैं।

एनसीसी लुधियाना ने जीएनडी इंजीनियरिंग कॉलेज में 12 दिवसीय ड्रोन प्रशिक्षण शिविर/सीएटीसी-58 का उद्घाटन किया

लुधियाना- पंजाब वायु स्क्वाड्रन एनसीसी लुधियाना की नंबर 4 ने 1 जनवरी, 2026 को गुरु नानक देव इंजीनियरिंग कॉलेज, लुधियाना में 12 दिवसीय ड्रोन प्रशिक्षण शिविर/सीएटीसी-58 का उद्घाटन किया। पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और चंडीगढ़ निदेशालय द्वारा आयोजित यह शिविर 12 जनवरी, 2026 तक चलेगा।

इस शिविर के बारे में अधिक जानकारी देते हुए मालवा खालसा सीनियर सेकेंडरी स्कूल के एएनओ प्रथम अधिकारी परमबीर सिंह ने बताया कि शिविर का संचालन शिविर कमांडेंट ग्रुप कैप्टन बी.एस. गिल द्वारा किया जा रहा है और इसमें पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और चंडीगढ़ के सेना, नौसेना और वायु सेना के 170 एसडी/एसडब्ल्यू कैडेटों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। सीजीआई एमएस चहल के मार्गदर्शन में आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में ड्रोन प्रौद्योगिकी, संचालन और गैर-सैन्य अनुप्रयोगों को शामिल किया जाएगा।

'इस प्रशिक्षण का उद्देश्य कैडेटों को आधुनिक विज्ञान में तकनीकी प्रगति की बेहतर समझ प्रदान करना और उनके नेतृत्व कौशल को विकसित करना है,'ग्रुप कैप्टन बी.एस. गिल ने कहा।

यह शिविर एनसीसी के उन प्रयासों का हिस्सा है जिसके तहत 2025 में अखिल भारतीय वायु सैनिक शिविर, अखिल भारतीय थाल सैनिक शिविर और अखिल भारतीय नौसेना सैनिक शिविर में सफल ड्रोन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के बाद ड्रोन प्रशिक्षण को पाठ्यक्रम में शामिल किया जा रहा है।

जोहरान ममदानी ने संभाली न्यूयॉर्क की कमान

न्यूयॉर्क सिटी - भारतीय मूल के नेता जोहरान ममदानी ने न्यूयॉर्क सिटी के 112वें मेयर के रूप में शपथ लेने के बाद 'व्यापक स्तर पर और निर्भीक तरीके से' प्रशासन चलाने का संकल्प लिया। शपथ ग्रहण के साथ ही उन्होंने किफायती आवास, सुरक्षा और समावेशी समृद्धि को अपने एजेंडे का केंद्र बताया और कॉरपोरेट लालच के खिलाफ सख्त रुख दोहराया। नव वर्ष के दिन सिटी हॉल के बाहर हुए औपचारिक उद्घाटन समारोह में वर्मोंट के सीनेटर बर्नी सैंडर्स ने उन्हें पद की शपथ दिलाई।

समझौते के संकेत नहीं, कहा-यूक्रेन युद्ध में रूस ही जीतेगा : पुतिन

रूस - रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने नए साल के संबोधन में यूक्रेन युद्ध को लेकर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि रूस को अपनी जीत पर पूरा विश्वास है। यह संदेश सबसे पहले कामचटका प्रायद्वीप में प्रसारित हुआ, जो 2026 में प्रवेश करने वाला रूस का पहला क्षेत्र है। पुतिन ने मोर्चे पर लड़ रहे सैनिकों और कमांडरों को संबोधित करते हुए उन्हें 'नायक'बताया और कहा, 'हमें आप पर और अपनी जीत पर विश्वास है।' लगभग चार साल से जारी इस युद्ध में भारी जनहानि हुई है और लाखों यूक्रेनी नागरिक विस्थापित हो चुके हैं।

राष्ट्रपति ने अपने अधिकांश संबोधन में युद्ध प्रयासों पर ही ध्यान केंद्रित रखा और उस आरोप का कोई उल्लेख नहीं किया, जिसमें दावा किया गया था कि यूक्रेन ने उनके निवास पर ड्रोन हमला करने की कोशिश की। यूक्रेन ने इन आरोपों को सिरे से खारिज किया है। 31 दिसंबर को पुतिन के सत्ता में आने के 26 वर्ष भी पूरे हो गए। इसी बीच, अमेरिका की अगुवाई में कूटनीतिक गतिविधियां तेज हुई हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के 6 जनवरी को फ्रांस में सहयोगी देशों के शिखर सम्मेलन में शामिल होने की उम्मीद है।

हालांकि, इन प्रयासों के बावजूद रूस ने अपनी मांगों में नरमी के कोई संकेत नहीं दिए हैं। यूरोपीय संघ ने रूस पर शांति वार्ताओं को 'पटरी से उतारने' की कोशिश करने का आरोप लगाया है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कथित ड्रोन हमले के वीडियो जारी किए, लेकिन न तो स्थान और न ही तारीख की पुष्टि की गई।यूरोपीय संघ की विदेश नीति प्रमुख काजा कालास ने रूसी आरोपों को 'जानबूझकर ध्यान भटकाने की कोशिश' करार दिया, जबकि यूक्रेन ने इसे पूरी तरह झूठ बताया।

नस्लीय आरोपों से पीड़ित बल्लेबाज उस्मान खुवाजा का बड़ा एलान?

सिडनी- ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज़ उस्मान ख्वाजा एक बार फिर सुर्खियों में हैं। एशेज सीरीज़ के दौरान उनके संन्यास को लेकर चर्चाएँ तेज़ हो गई हैं। सिडनी टेस्ट को उनके करियर का अंतिम टेस्ट माना जा रहा है, हालांकि ख्वाजा ने इसे लेकर कोई औपचारिक घोषणा नहीं की है।

ख्वाजा का कहना है कि उन्हें अपने पूरे करियर में बार-बार नस्लीय दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ा। उन्होंने खुलकर स्वीकार किया कि पाकिस्तान और मुस्लिम समुदाय से जुड़ी उनकी पहचान के कारण उन्हें अलग नजर से देखा गया। मैदान के भीतर और बाहर, आलोचनाओं और तंज़ के बीच खेलना उनके लिए हमेशा आसान नहीं रहा।

एशेज में उतरेंगे, सिडनी टेस्ट हो सकता है करियर का आख़िरी इम्तिहान

उन्होंने बताया कि मैचों के दौरान सोशल मीडिया पर मिलने वाली टिप्पणियाँ कई बार मानसिक रूप से परेशान करने वाली होती थीं। आलोचना केवल खेल तक सीमित नहीं रहती, बल्कि उनकी पहचान और आस्था को भी निशाना बनाया जाता रहा। इसके बावजूद उन्होंने कभी टीम से अलग व्यवहार की अपेक्षा नहीं की और हमेशा प्रदर्शन के दम पर जवाब देने की कोशिश की।

ख्वाजा ने यह भी स्पष्ट किया कि वह सहानुभूति नहीं, बल्कि सम्मानजनक व्यवहार चाहते हैं। उनके मुताबिक, टीम के भीतर उन्हें हमेशा समर्थन मिला, लेकिन बाहरी माहौल कई बार चुनौतीपूर्ण रहा। यही कारण है कि मानसिक थकान अब उनके फैसलों को प्रभावित कर रही है।

एशेज सीरीज़ में खेलने को लेकर उन्होंने कहा कि जब तक शरीर और मन साथ देंगे, वह मैदान पर उतरते रहेंगे। सिडनी टेस्ट उनके लिए भावनात्मक रूप से भी खास है, क्योंकि यहीं से उनके टेस्ट करियर की कई यादें जुड़ी हुई हैं।

संन्यास की अटकलों के बीच ख्वाजा ने यह भी जोड़ा कि क्रिकेट उनके जीवन का अहम हिस्सा रहा है, लेकिन हर खिलाड़ी को एक समय यह सोचना पड़ता है कि आगे कब और कैसे बढ़ना है। उन्होंने संकेत दिए कि आने वाला समय उनके करियर के लिहाज़ से निर्णायक हो सकता है।

यदि सिडनी टेस्ट उनका आखिरी मुकाबला साबित होता है, तो यह केवल एक खिलाड़ी का विदाई मैच नहीं होगा, बल्कि उस संघर्ष की कहानी भी होगी, जिसमें प्रतिभा ने पूर्वाग्रह के बावजूद अपनी जगह बनाई।

40 की उम्र में भी रिकॉर्ड की चाह, 1,000 गोल का आंकड़ा पार करना चाहते हैं रोनाल्डो

दुबई- दिग्गज फुटबॉल खिलाड़ी क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने अपने करियर के अंत तक 1,000 गोल करने का दृढ़ संकल्प व्यक्त किया है। पुर्तगाल के इस 40 साल के महान खिलाड़ी को पूरा विश्वास है कि वह इस लक्ष्य को हासिल कर लेंगे। उनके नाम शीर्ष स्तर के पेशेवर फुटबॉल में 956 गोल है। रोनाल्डो को रविवार देर रात दुबई में आयोजित 'ग्लोब सॉकर अवार्ड्स' समारोह में मध्य पूर्व का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। उन्होंने कहा कि अगर कोई चोट न लगे तो मैं यह आंकड़ा जरूर हासिल कर लूंगा। रोनाल्डो ने शनिवार को सऊदी प्रो लीग में अल-नसर के लिए दो गोल करके अपने करियर के कुल गोल की संख्या 956 तक पहुंचा दी। उनके गोलों की संख्या में पुर्तगाल के लिए पुरुषों के अंतरराष्ट्रीय रिकॉर्ड 143 गोल भी शामिल हैं। रोनाल्डो अगले साल अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में होने वाले विश्व कप में पुर्तगाल की कप्तानी करने वाले हैं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए टीम इंडिया का ऐलान, सिराज की एंट्री, शमी फिर दरकिनार

नई दिल्ली - न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए टीम इंडिया का ऐलान हो गया है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज और उसके बाद पांच टी20 मैचों की सीरीज खेली जानी है। टी20 सीरीज के लिए पहले ही टीम का ऐलान हो चुका है। वहीं, वनडे सीरीज के लिए टीम की घोषणा शनिवार तीन जनवरी को की गई है। दोनों टीमों के बीच वनडे सीरीज 11 जनवरी से खेली जाएगी। वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम की कप्तानी शुभमन गिल करेंके। गिल चोट के चलते साउथ अफ्रीका के खिलाफ सीरीज नहीं खेल पाए थे, ऐसे में टीम की कप्तानी केएल राहुल को सौंपी गई थी। भारत ने उस वनडे सीरीज को 2-1 से अपने नाम किया था। वहीं, अब वनडे सीरीज के लिए कप्तान गिल के साथ साथ उप-कप्तान श्रेयस अय्यर और तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की भी एंट्री हुई है। हालांकि टीम इंडिया के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के हाथ एक बार फिर निराशा लगी है। इसके अलावा घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करने वाले देवदत्त पडिक्कल और ईशान किशन को भी वनडे टीम में जगह नहीं मिली है। पंत टीम में अपना स्थान बनाने में कामयाब हुए हैं।

हालांकि बीसीसीआई द्वारा जारी मीडिया रिलीज में यह बताया गया है कि अय्यर की उपलब्धता बीसीसीआई के सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस (सीओई) द्वारा अनुमति मिलने पर निर्भर करेगी। अय्यर ऑस्ट्रेलिया दौरे पर चोटिल हो गए थे जिसके बाद से उन्होंने प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला है और वह दक्षिण अफ्रीका के ख़िलाफ घरेलू वनडे सीरीज में भी भारतीय दल का हिस्सा भी नहीं थे। अय्यर को सीओई से सशर्त विजय हज़ारे ट्रॉफ़ी के अगले राउंड में खेलने की अनुमति मिली है और वह 6 जनवरी को मुंबई के लिए खेलते नजर भी आ सकते हैं।

वहीं हार्दिक पांड्या को भी आगामी टी20 विश्व कप और उनके कार्यभार प्रबंधन को देखते हुए वनडे दल में शामिल नहीं किया गया है। बीसीसीआई की मीडिया रिलीज में बताया गया है कि चूंकि हार्दिक को सीओई से एक मैच में 10 ओवर डालने की अनुमति नहीं मिली है, इसलिए आगामी टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए उनका कार्यभार प्रबंधित किया जा रहा है।

नीदरलैंड के सोर्ड मारिन फिर बने भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच

नई दिल्ली (सत्ता संदेश)-नीदरलैंड के सोर्ड मारिन को फिर से भारतीय महिला हॉकी टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। 51 वर्षीय मारिन ने 2017 से 2021 तक भारतीय महिला टीम को कोचिंग दी थी और उस दौरान टीम ने तोक्यो ओलंपिक में चौथा स्थान हासिल किया था। मारिन की कोचिंग में भारतीय टीम ने अपनी ताकत और एकजुटता का प्रदर्शन किया था। अब पांच साल बाद, उन्हें फिर से यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनका मुख्य लक्ष्य भारतीय महिला टीम को अगले टूर्नामेंट्स में सफलता दिलाना है। मारिन को हरेंद्र सिंह की जगह मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। हरेंद्र को टीम के निराशाजनक प्रदर्शन और 'कोचिंग में मनमानीपूर्ण रवैया अपनाने' के आरोपों के कारण इस्तीफा देना पड़ा था। मारिन की टीम में बदलाव भी किए गए हैं।

45 की उम्र में नया इतिहास रचेंगी वीनस विलियम्स

ऑस्ट्रेलियन ओपन में बनाएंगी अनोखा रिकॉर्ड

सिडनी – महिला टेनिस की दिग्गज खिलाड़ी वीनस विलियम्स एक बार फिर इतिहास के करीब खड़ी हैं। 45 वर्ष की उम्र में वह ऑस्ट्रेलियन ओपन में हिस्सा लेकर ग्रैंड स्लैम इतिहास की सबसे उम्रदराज महिला खिलाड़ी बनने की तैयारी में हैं। यदि वह कोर्ट पर उतरती हैं, तो यह न सिर्फ उनके लंबे करियर की एक और उपलब्धि होगी, बल्कि टेनिस जगत में एक नया अध्याय भी जुड़ेगा।

वीनस इससे पहले सात बार ऑस्ट्रेलियन ओपन खेल चुकी हैं, लेकिन बीते पाँच वर्षों से वह इस टूर्नामेंट से दूर थीं। अब उनकी वापसी को लेकर टेनिस प्रशंसकों में खासा उत्साह है। मौजूदा रिकॉर्ड के अनुसार, इससे पहले 44 वर्ष की उम्र में किसी महिला खिलाड़ी ने ग्रैंड स्लैम मुकाबला खेला था, जिसे अब वीनस तोड़ने की दहलीज पर हैं।

ऑस्ट्रेलियन ओपन की वाइल्ड कार्ड एंट्री को लेकर आयोजकों की ओर से संकेत दिए गए हैं कि वीनस को मौका मिल सकता है। यदि ऐसा होता है, तो वह 2021 के बाद पहली बार इस ग्रैंड स्लैम में खेलती नजर आएंगी। इससे पहले उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2003 और 2017 में रहा था, जब वह फाइनल तक पहुँची थीं।

वीनस विलियम्स का करियर उपलब्धियों से भरा रहा है। उन्होंने 1998 में पहला ग्रैंड स्लैम खेला था और तब से लेकर अब तक कई पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनी हुई हैं। उम्र और फिटनेस की चुनौतियों के बावजूद उनका जज़्बा आज भी उतना ही मजबूत दिखाई देता है।

यदि वीनस इस बार कोर्ट पर उतरती हैं, तो यह सिर्फ एक मैच नहीं होगा, बल्कि यह साबित करेगा कि खेल में उम्र महज़ एक संख्या है। उनका यह कदम युवा खिलाड़ियों के साथ-साथ खेल जगत को भी एक नया संदेश देगा—संघर्ष, निरंतरता और आत्मविश्वास की कोई उम्र नहीं होती।

ब्यास व सतलुज का संगम हरीके वैटलैंड बना प्रवासी पक्षियों का आशियाना

उत्तर भारत का सबसे बड़ा वैटलैंड है हरीके पत्तन

हरिके पत्तन में प्रवासी पक्षियों की चहल-पहल।

तरनतारन, (सत्ता संदेश)-पंजाब के तरनतारन जिले के कस्बा हरीके में, जहां ब्यास और सतलुज नदियां का संगम होता हैं, वहां का नजारा इन दिनों बेहद मनमोहक है, जो कि वहां आने वाले हर किसी के ध्यान को एकाएक अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। पांच दरियाओं की धरती पंजाब अपनी कुदरती खूबसूरती के लिए पूरी दुनिया में खास पहचान रखती है। पंजाब की पहचान उसकी नदियों से जुड़ी हुई है। इसलिए यह वही हरीके पत्तन गांव है, जहां दूसरे गुरु श्री गुरु अंगद देव जी ने अपने पवित्र स्पर्श से इस धरती को पूजनीय बनाया। हरिके वैटलैंड, जिसे स्थानीय तौर पर हरीके पत्तन भी कहा जाता है, उत्तर भारत का एक बड़ा वैटलैंड है। यह 1953 में सतलुज नदी पर बने बैराज के कारण अस्तित्व में आया। इसके 141 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को 1978 में रिजर्व क्लोज्ड एरिया घोषित किया गया। 1982 में 41 वर्ग किलोमीटर और बाद में 1992 में 86 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को वाइल्डलाइफ सैंक्चुअरी घोषित किया गया। वर्ष 1999 में वाइल्डलाइफ (प्रोटैक्शन) एक्ट, 1972 के तहत इसका अंतिम नोटिफिकेशन जारी हुआ। इसे 1990 में रामसर साइट का दर्जा भी मिला। यह वेटलैंड तरनतारन, फिरोजपुर और कपूरथला जिलों में फैला हुआ है। ब्यास और सतलुज नदियां हर साल यहां लगभग 25 मिलियन एकड़ फीट पानी लाती हैं। हरिके हैडवर्क्स से राजस्थान कैनाल सहित दो बड़ी नहरें निकाली गई हैं, जो राजस्थान के सूरतगढ़ और आसपास के इलाकों में सिंचाई करती हैं। पर्यटक तरनतारन और फिरोजपुर दोनों जिलों से हरिके वैटलैंड पहुंच सकते हैं। वाइल्डलाइफ विभाग ने पक्षी दर्शन के लिए वॉच टावर बनाए हैं और बोटिंग की सुविधा भी दी गई है। हर साल यहां विंटर बर्ड फैस्टिवल आयोजित होता है। प्राकृतिक सौंदर्य और शांत माहौल के कारण हरिके वेटलैंड प्रकृति प्रेमियों और बर्ड वॉचर्स के लिए एक खास आकर्षण बना हुआ है।

हरिके वैटलैंड समृद्ध जैव विविधता के लिए भी जाना जाता है

हरिके वैटलैंड समृद्ध जैव विविधता के लिए जाना जाता है। यहां 368 से अधिक प्रजातियों के हजारों प्रवासी पक्षी साइबेरिया, रूस और यूरोप के ठंडे इलाकों से सर्दियों में आते हैं। यह भारतीय ऊदबिलाव, सियार, जंगली सूअर, नेवले, जंगली बिल्ली और कई औषधीय पौधों का भी घर है। कुछ साल पहले ब्यास नदी में घड़ियाल पाए गए थे, जिन्हें अब हरिके झील में देखा जा सकता है। इसके अलावा यहां डॉल्फिन भी देखी गई हैं।

लुधियाना (महिन्द्र सिंह) शंकर कॉलोनी भामियां कलां रेनू परिवार की और से अपनी सुपुत्री ऋतिका और सुपुत्र कृष के जन्मदिन के मौके पर माता के जागरण का आयोजन किया माता का गुणगान रितिका शर्मा एंड पार्टी ने किया

गैर कानूनी निर्माण पर नगर निगम की सख्ती

ईमारती शाखा को रिकवरी में तेजी लाने के सख्त आदेश जारी

नगर निगम कमिश्नर आदित्य डेचलवाल ईमारती शाखा के अधिकारियों के साथ मीटिंग करते हुए। (छाया-सत्ता संदेश)

लुधियाना (सत्ता संदेश)-बकाया रकम की रिकवरी में तेजी लाने के लिए नगर निगम कमिशनर आदित्य डेचलवाल ने ईमारती शाखा के अधिकारियों को अपने-अपने इलाकों में बन रही ईमारतों की सूची और सर्टिफिकेट जमा करने के सख्त आदेश जारी किए हैं। इस कदम का मकसद यह पक्का करना है कि शहर में कोई भी ईमारत बिना मजूंरशुदा ईमारती प्लान और चालान के न बन रही हो। इसके साथ ही, ईमारती शाखा को पहले हुए चालान की रिकवरी में भी तेज़ी लाने को कहा गया है। ये आदेश सराभा नगर में मौजूद नगर निगम के जोन डी. कार्यालय में हुई मीटिंग के दौरान जारी किए गए। मीटिंग में एडिशनल कमिशनर परमदीप सिंह खैरा, जॉइंट कमिशनर वनीत कुमार, एम.टी.पी., ए.टी.पी. और बिल्डिंग इंस्पैक्टर समेत दूसरे अधिकारी मौजूद थे। कमिशनर आदित्य डेचलवाल ने कहा कि ईमारती शाखा की तरफ से दी गई सूची की भी जांच की जोयगी ताकि यह पक्का हो सके कि कोई भी निर्माण बिना मन्जूरशुदा प्लान के न हो रहा हो। इसके साथ ही, ए.टी.पीज और बिल्डिंग इंस्पैक्टर को अपना वीकली रिकवरी लक्ष्य पूरा करने का आदेश दिया है। इस बीच कमिशनर डेचलवाल ने शहर के लोगों से अपील की कि वे नगर निगम से ईमारत का प्लान मन्जूर कराए बिना निर्माण का काम शुरू न करें, नहीं तो गैर-कानूनी कंस्ट्रक्शन के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जायेगी।

ऐसा भी होता है -दूसरे पति के कोर्ट में गवाह बनने से पहले पति ने जीत लिया केस

मुंबई, (सत्ता संदेश)-मुंबई के बोरिवली कोर्ट में एक महिला के घरेलू हिंसा के मामले में अजीब मोड़ आया, जब उसी महिला के वर्तमान पति ने उसके पहले पति के पक्ष में गवाही दी।

करीब 16 साल से चल रहा था केस अब जा के हुआ खत्म

यह मामला करीब 16 साल से चल रहा था, जो अब खत्म हो गया है। महिला ने 2009 में अपने पहले पति के खिलाफ घरेलू हिंसा का केस दर्ज कराया था। उसने आरोप लगाया था कि शादी के कुछ साल बाद से ही पति उसे शारीरिक, मानसिक और आर्थिक रूप से प्रताड़ित करता था और आखिर में घर से निकाल दिया। उसने सुरक्षा और आर्थिक मदद (मेंटेनेंस) की मांग की थी। अपने पहले पति से गुजारा भत्ता नहीं मांग सकती, क्योंकि उसने दूसरी शादी कर ली है। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मैजिस्ट्रेट बीएन चिकने ने कहा, सबूतों से यह साबित होता है कि महिला ने पहले पति से तलाक के बाद दूसरी शादी की है। ऐसे में वह पहले पति से अब मेंटेनेंस की हकदार नहीं है। शुरुआत में मामला महिला के पक्ष में जाता दिख रहा था। 2009 में कोर्ट ने आदेश दिया था कि पहला कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा कि महिला अब पति उसे हर महीने 3,200 अस्थायी मेंटेनैंस दे। महिला की बहन ने उसके आरोपों का समर्थन करते हुए गवाही दी। लेकिन बाद में पहले पति ने अदालत में कई गवाह पेश किए-इमाम, जिसने महिला की दूसरी शादी करवाई थी। हैंडराइटिंग और फिंगरप्रिंट एक्सपर्ट, जिसने लिखा-पढ़ी और दस्तखत की पुष्टि की। और सबसे अहम, महिला का मौजूदा पति, जिसने गवाही दी कि उसकी शादी महिला से हो चुकी ने इस गवाही ने केस की पूरी दिशा बदल दी। को कहा कि जब खुद वर्तमान पति ने शादी की पुष्टि कर दी है, तो महिला अब अपने पहले पति की आश्रित नहीं मानी जा सकती। कोर्ट ने माना कि दूसरी शादी के बाद महिला को पहले पति से कोई गुजारा भत्ता या सुरक्षा का अधिकार नहीं है। इसके साथ ही, लगभग 16 साल पुराना यह घरेलू हिंसा का मामला भी खत्म हो गया।

सोशल मीडिया पर आर्टिफिशियल इंटैलीजैंस (ए.आई.) का सैलाब, गच्चा खा रहे हैं लोग

नई दिल्ली, (सत्ता संदेश)-सोशल मीडिया पर आर्टिफिशियल इंटैलीजैंस (ए.आई.) से बने फर्जी वीडियो का सैलाब इस कदर आ चुका है कि अब आम आदमी के लिए यह समझना मुश्किल हो गया है कि जो वह देख रहा है, वह हकीकत है या कम्प्यूटर की चालाकी है। हालात इतने बिगड़ चुके हैं कि चेतावनी लेबल लगे होने के बावजूद लोग इन वीडियो को सच मान बैठते हैं और बिना सोचे-समझे प्रतिक्रियाएं देने लगते हैं। अक्तूबर में टिकटॉक पर वायरल हुए एक वीडियो में एक महिला को टी.वी. रिपोर्टर को इंटरव्यू देते दिखाया गया। वीडियो में दावा किया गया कि वह महिला फूड स्टैंप बेच रही है। बाद में खुलासा- हुआ कि न तो वह महिला असली थी और न ही ऐसा कोई इंटरव्यू हुआ था। पूरा वीडियो आर्टिफिशियल इंटैलीजैंस की मदद से तैयार किया गया था। इसके बावजूद सोशल मीडिया पर लोगों ने महिला को अपराधी करार दे दिया, कुछ ने नस्लीय टिप्पणियां कीं तो कुछ ने सरकारी सहायता योजनाओं पर हमला बोल दिया। विशेषज्ञों का कहना है कि ओपन ए.आई. के 'सोरा' जैसे नए ए.आई. टूल्स ने फर्जी हकीकत गढना बेहद आसान बना दिया है। महज कुछ कमांड देकर ऐसे वीडियो तैयार किए जा रहे हैं, जो देखने में पूरी तरह असली लगते हैं। बीते 2 महीनों में टिकटॉक, एक्स, यूट्यूब, फेसबुक और इंस्टाग्राम पर ऐसे भ्रामक वीडियो की बाढ़ आ गई है, जिससे गलत सूचना और दुष्प्रचार का खतरा कई गुना बढ़ गया है।

क्या कहना है ए.आई. टूल बनाने वाली कंपनियों का

ए.आई. टूल बनाने वाली कंपनियों का कहना है कि वे वीडियो पर वॉटरमार्क और मेटाडाटा जोड़ रही हैं ताकि उसकी पहचान की जा सके। ओपन ए.आई. का दावा है कि वह भ्रामक इस्तेमाल पर कार्रवाई करता है। वहीं टिकटॉक और यूट्यूब जैसी, कंपनियां नियम सख्त करने की बात कह रही हैं, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि जब तक व्यूज और अ क्लिक से कमाई होती रहेगी, तब तक को फर्जी वीडियो पर पूरी तरह लगाम लगाना मुश्किल है।

सोशल मीडिया की नीतियां असफल

हालांकि अधिकतर सोशल मीडिया कंपनियों के पास ए.आई. कंटैंट को लेकर नियम हैं, लेकिन हकीकत यह है कि ये नियम जमीन पर बेअसर साबित हो रहे हैं। कई बार वीडियो में ए.आई. का जिक्र नहीं किया जाता और प्लेटफॉर्म भी तुरंत यह चेतावनी नहीं देते कि वीडियो नकली है। मानवाधिकार संगठन 'विटनेस' के कार्यकारी निदेशक सैम ग्रेगरा का कहना है कि कंपनियां चाहें तो फर्जी कंटैंट पर सख्ती कर सकती हैं, लेकिन वे ऐसा नहीं कर रही हैं।